ಶುಭ್ ಲಾಭ್

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

DAILY

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मुडा घोटाला मामला : लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धरामैया से दो घंटे तक ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 07 नवंबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-307

बांग्लादेश से लेकर पाकिस्तान और चीन तक बदलेगा परिदृश्य

ट्रंप की जीत से थमेगा भारत के खिलाफ षडयंत्र

डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर भारी जन समर्थन के साथ अमेरिका के राष्ट्रपति चुन लिए गए हैं। ट्रंप की यह जीत हर मायने में ऐतिहासिक है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के पहले राष्ट्र प्रमुख हैं जिन्होंने जीत की औपचारिक घोषणा होने के पहले ही अपने मित्र डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी। उन्होंने ट्रंप को अपना जिगरी दोस्त बताया। डोनाल्ड ट्रंप की जीत से उम्मीद है कि भारत के खिलाफ चल रहा वैश्विक षडयंत्र थमेगा, जिस षडयंत्र में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन सहित अमेरिकी धनपशु जॉर्ज सोरोस और बाइडेन का दूत डोनाल्ड लू जैसे आपराधिक मनोवृत्ति के लोग शामिल रहे हैं। ट्रंप की जीत से बांग्लादेश से लेकर पाकिस्तान और चीन तक का परिदृश्य बदलेगा। षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस की मदद से बौराए घूम रहे राहुल गांधी जैसे भारत के नेता भी डोनाल्ड ट्रंप की जीत से सांसत में आ गए हैं।

डोनाल्ड ट्रंप की जीत में अमेरिका में रहने वाले भारतीयों ने भी अहम भूमिका निभाई और भारतवर्ष के लोगों ने ट्रंप के प्रति अपना पूरा समर्थन जताया। भारत की यह अपेक्षा भी है कि विश्व के सबसे ताकतवर देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी दोस्ती निभाएं और चौतरफा षडयंत्रों से घिरे भारतवर्ष को मदद करें। वर्तमान में भारत कई चुनौतियों से जूझ रहा है। बाहरी षडयंत्र भारत की आंतरिक चुनौतियां बढ़ा रहा है। बांग्लादेश में साजिशन कराए गए सत्ता परिवर्तन में अमेरिका की तत्कालीन सरकार की क्या भूमिका रही, उसे डोनाल्ड ट्रंप बखूबी समझते हैं। हिलेरी क्लिंटन के दलाल मोहम्मद यूनुस को बांग्लादेश की सत्ता पर थोपा गया, जिसे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन और उप राष्ट्रपति कमला हैरिस दोनों ने समर्थन दिया। बांग्लादेश में षडयंत्रकारी सत्ता परिवर्तन के बाद वहां हो रहे हिंदुओं के भीषण उत्पीड़न की बात डोनाल्ड ट्रंप खुद स्वीकार कर चुके हैं। लिहाजा, बांग्लादेश की अराजक और असंतुलित स्थितियों को दुरुस्त करने में डोनाल्ड ट्रंप की बड़ी भूमिका होगी।

षडयंत्रकारी जॉर्ज सोरोस की मदद से बौराए नेता सांसत में

इस समय कनाडा भी भारत के खिलाफ षडयंत्रों में लगा हुआ है। खालिस्तानी तत्वों के साथ जस्टिन त्रूदो का याराना न केवल भारत के लिए बल्कि खुद कनाडा के लिए भी खतरनाक साबित होने वाला है। यह अमेरिका के लिए भी सिरदर्द बनेगा। कनाडा को ठीक करना भी बड़े भाई अमेरिका की जिम्मेदारी है और वह भारत के लिए भी जरूरी है। पूरी दुनिया यह जानती है कि कनाडा के साथ भारत के रिश्ते सबसे खराब दौर में पहुंच चुके हैं। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन भी खालिस्तानी तत्वों को समर्थन दे रहे थे। यहां तक कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे टुच्चे लोग भी बाइडेन के प्रिय बने हुए थे। अब ट्रंप के आने से इन ताकतों पर शिकंजा कसेगा, इसकी भारत सहित पूरी दुनिया को उम्मीद है।

शुभ-लाभ सरोकार

इधर, पाकिस्तान आतंकवाद को लेकर अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है, इसके ऊपर चीन भी अभी तक हिंदुस्तान के साथ भरोसे वाला रिश्ता नहीं निभा पाया है। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का 47वां राष्ट्रपति बनने के बाद स्थितियों में सकारात्मक परिवर्तन की उम्मीदें की जा रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप उन नेताओं में शुमार हैं जिनकी आतंकवाद, अलगाववाद पर स्पष्ट नीति रही है।

पीएम मोदी की तरह वे भी ऐसे मुद्दों पर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं। ऐसे में जब कनाडा में खालिस्तानी तत्व फिर सिर उठा रहे हैं, जब फिर भारत के खिलाफ कनाडा की धरती से साजिश रची जा रही है, डोनाल्ड ट्रंप जस्टिन त्रूदो को हद में रहने की सलाह देंगे, इसकी उम्मीद है।

आतंकवाद को लेकर डोनाल्ड ट्रंप की नीति काफी स्पष्ट है, ▶10पर

मध्यांतर के बाद दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए डोनाल्ड ट्रंप

ट्रंप का ऐतिहासिक 'ट्रायम्फ'

वाशिंगटन, 06 नवंबर (एजेंसियां)। चार साल के अंतराल के बाद पर डोनाल्ड ट्रंप में सत्ता पर वापसी कर ली है। इस जीत को ट्रंप का ऐतिहासिक ङ्गट्रायम्फफ बताया जा रहा है। 2020 के चुनाव में जो बाइडेन राष्ट्रपति चुने गए थे। इस बार डोनाल्ड ट्रंप बहुमत के 270 के आंकड़े को पार कर काफी आगे निकल गए और सीनेट से लेकर हाउस तक में बहुमत हासिल कर अमेरिका के सबसे ताकतवर राष्ट्रपतियों में से एक बन गए। डोनाल्ड ट्रंप चार वर्ष के अंतर के बाद दोबारा जीतने वाले अमेरिका के दूसरे राष्ट्रपति बने। वैसे, डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति होंगे। अमेरिकी सीनेट में भी उनकी पार्टी ने बहुमत के लिए जरूरी 50 सीटों का आंकड़ा पार कर लिया है।

⇨ बहुमत पार कर काफी आगे निकल गए डोनाल्ड ट्रंप

⇨ सीनेट और हाउस में भी ट्रंप ने बहुमत हासिल किया

⇨ सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी ट्रंप को बधाई

⇨ ऐसी राजनीतिक जीत पहले कभी नहीं देखी गई : ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप की जीत की औपचारिक घोषणा हो गई है। यूनाइटेड स्टेट्स हाउस के स्पीकर जॉनसन ने ट्रंप के अमेरिका का राष्ट्रपति चुनाव जीतने की औपचारिक घोषणा कर दी है। हालांकि खबर लिखे जाने तक आखिरी दौर की मतगणना जारी थी। प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस ने अपनी हार की औपचारिक स्वीकारोक्ति भी नहीं की है। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी जीत के लिए लोगों का आभार जताया है।

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत तय होने के बाद ही सर्वप्रथम भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्रंप को बधाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर लिखा, मेरे दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को ऐतिहासिक चुनावी जीत पर हार्दिक बधाई। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ा रहे हैं, मैं भारत-अमेरिका संबंधों और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए सहयोग की आशा करता हूं। आइए हम सब मिलकर अपने लोगों की बेहतरी के लिए काम करें और वैश्विक शांति, स्थिरता और समृद्धि को बढ़ावा दें।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत तय होते ही डोनाल्ड ट्रंप ने समर्थकों को संबोधित किया। ट्रंप ने कहा, मैंने ऐसा जोश और जश्न कभी नहीं देखा। यह पल शानदार है। मेरी जीत हर अमेरिकी की जीत है। हम अमेरिका को फिर से महान बनाएंगे। सभी स्विंग स्टेट भी हमारे साथ रहे। अब मेरा हर पल अमेरिका के लिए रहेगा। हम मिलकर अमेरिका के भविष्य के लिए काम करेंगे। ये जीत ऐतिहासिक और अविश्वसनीय रही। अमेरिका ने मुझे अभूतपूर्व जनादेश दिया।

ट्रंप ने अपने परिवार का शुक्रिया अदा किया। साथ ही चुनाव में उनके लिए काम करने वालों की मेहनत का भी जिक्र किया। उन्होंने अरबपति कारोबारी एलन मस्क का भी जिक्र किया। ट्रंप ने कहा कि वह एलन मस्क से प्यार करते है और उनके समर्थन के लिए आभार जताते हैं। ट्रंप ने मस्क की संचार व्यवस्था स्टारलिंक का जिक्र किया और नॉर्थ कैरोलाइना में बाढ़ प्रभावितों की मदद से जुड़ा किस्सा सुनाया। ▶10पर

देखना है कि यूक्रेन युद्ध रुकवाने के लिए ट्रंप क्या करते हैं: रूस

मास्को, 06 नवंबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप की जीत से रूस को भी उम्मीद है उसके और यूक्रेन के बीच छिड़े युद्ध को विराम मिलेगा। पूरी दुनिया यह जान चुकी है कि अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन यूक्रेन को उकसावा देकर युद्ध को जारी रखने का काम कर रहे थे और यूक्रेन को अपने हथियार बेच रहे थे। जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अगर वे राष्ट्रपति रहते तो रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध होने ही नहीं देते। ▶10पर

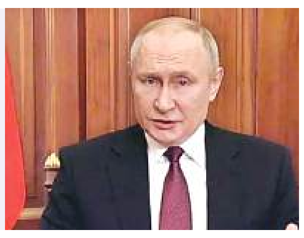

जम्मू कश्मीर में आतंकियों से निपटने की बड़ी योजना

आतंकियों को संरक्षण देने वालों पर चलेगा बुलडोजर

श्रीनगर, 06 नवंबर (एजेंसियां)। योगी सरकार की पहचान बन चुका बुलडोजर एक्शन अब जम्मू-कश्मीर में किए जाने की तैयारी हो रही है। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने लोगों को चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर किसी ने आतंकियों को पनाह देने की कोशिश की तो उनके घर को जमींदोज कर दिया जाएगा। एलजी ने लोगों से आतंक के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोग, सुरक्षाबल और स्थानीय प्रशासन अगर एक हो जाए तो सालभर में जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद समाप्त हो सकता है।

एलजी मनोज सिन्हा ने बारामूला में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, मैंने सुरक्षाबलों को निर्देश दिया है कि वे किसी भी निर्दोष को नुकसान न पहुंचाएं, लेकिन दोषियों को कतई नहीं बख्शें। अगर कोई आतंकवादियों को पनाह देता है तो उसके घर को जमींदोज कर दिया जाएगा। इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों का कहना है कि आतंकवादियों को पनाह देने वालों पर अत्याचार हो रहे हैं।

एलजी ने की लोगों से अपील आतंकियों को पनाह न दें

कश्मीर के लोग साथ दें तो एक साल में आतंकवाद खत्म

यह अत्याचार नहीं है, बल्कि न्याय की मांग है और ऐसा न्याय जारी रहेगा।

मनोज सिन्हा ने कहा कि हमारा पड़ोसी अशांति फैलाने का प्रयास कर रहा है, लेकिन यह हमें चिंतित नहीं कर रहा बल्कि यहां के लोग ही उसके निर्देश पर ऐसा कर रहे हैं यह चिंता का विषय है। ऐसे लोगों की पहचान करना सिर्फ सुरक्षा बलों और प्रशासन का ही काम नहीं है, बल्कि लोगों का भी काम है।

उन्होंने कहा कि अगर लोग आतंकियों को पनाह देते हैं और फिर कहते हैं कि हम उनके साथ अन्याय कर रहे हैं, तो यह सही नहीं है। वह गंदेरबल जिले के गगनगीर इलाके में सुरंग निर्माण स्थल पर 20 अक्टूबर को आतंकवादियों द्वारा एक स्थानीय चिकित्सक और छह प्रवासी मजदूरों की हत्या का संदर्भ दे रहे थे। उपराज्यपाल ने कहा, अगर लोग ऐसे तत्वों के खिलाफ खड़े नहीं होंगे, तो यह स्थिति कभी नहीं बदलेगी। मेरा मानना है कि जो लोग केवल औपचारिकता के लिए बयान जारी करते हैं, वे उनसे (आतंकवादियों) से भी बदतर हैं। उनकी यह टिप्पणी घाटी में आतंकवाद संबंधी ▶10पर

पार्टी से बगावत पर भाजपा सख्त

महाराष्ट्र में 40 बागी नेताओं को किया बाहर

मुंबई, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए मतदान में अब दो हफ्ते ही बचे हैं। नामांकन के बाद सभी दल अपने अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ बागी रुख दिखाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने भी बुधवार को बगावत करने वाले 40 नेताओं पर सख्त कदम उठाते हुए उन्हें दल से बाहर कर दिया है। पार्टी ने यह कार्रवाई 37 सीटों पर उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ने वाले बागियों के खिलाफ की है। इस निष्कासन के पीछे पार्टी का उद्देश्य अनुशासन बनाए रखना और चुनावों में बगावत की प्रवृत्ति को रोकना है। भाजपा ने इस फैसले से अन्य नेताओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

भाजपा से निकाले गए नेताओं में धुले जिले से श्रीकांत करलें और सोपान पाटील जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। जलगांव शहर से मयूर कापसे और आश्विन सोनवणे को भी निष्कासित किया गया है। इसके अलावा अकोट से गजानन महाले और वाशिम से नागेश घोपे को भी पार्टी से बाहर कर दिया गया है। इसी तरह अमरावती और अचलपुर से भी कई नेताओं पर यह कार्रवाई की गई है। ▶10पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर कट्टरपंथियों का कहर जारी

सेना भी हिंदुओं को बना रही निशाना

ढाका, 06 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों का हिंदुओं पर कहर जारी है। ताजा शिकार चटगांव हुआ है, जहां कट्टरपंथियों के साथ मिल कर बांग्लादेश की सेना भी हिंदुओं को निशाना बना रही है। सेना और कट्टरपंथी मिल कर हिंदुओं के घरों में लूटपाट कर रहे हैं। हिंदुओं के घरों का पूरा डेटा बांग्लादेश की सेना के पास है और इसी के जरिए हिंदुओं की पहचान की जा रही है। बांग्लादेश के पीड़ित हिंदुओं ने अन्य देश के हिंदुओं और वहां की सरकारों से मदद की अपील की है।बांग्लादेश में शेख हसीना को सत्ता से बेदखल करने के बाद से ही हिंदुओं और अल्पसंख्यकों पर अत्याचार जारी है। शेख हसीना के पार्टी के नेताओं की हत्या तो की ही गई, हिंदुओं को भी निशाना बनाया गया। हिंदू महिलाओं और बेटियों का अपहरण और दरिंदगी की खबरें आईं। जो हिंदू अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया जा रहा है। कट्टरपंथी जिहादी अब इस्कॉन को भी निशाने पर ले रहे हैं। कल रात चटगांव से एक खौफनाक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें देखा जा सकता है कि कैसे जेहादियों की भीड़ आती है और हिंदुओं को पीटना शुरू कर देती है।

सेना और कट्टरपंथी मिलकर हिंदुओं को लूट रहे हैं

बांग्लादेश के हिंदुओं ने विश्व से मदद की अपील की

बांग्लादेश की सेना भी उनका पूरा साथ दे रही है। कई एक्स हैंडल से ये वीडियो शेयर किए जा रहे हैं।बांग्लादेश की सेना ने हिंदुओं पर अंधाधुंध हमलों और गोलीबारी के सबूतों को मिटाने के लिए सीसीटीवी कैमरे नष्ट कर दिए। यह नहीं पता है कि कितने हिंदू मारे गए। बांग्लादेश की सेना हिंदुओं के घरों को लूट रही है। एक हृदय रोगी को पीटा गया और उसकी बेटी के साथ सैन्य बलों ने छेड़छाड़ की। चटगांव में बहुत खराब हालात हैं। बांग्लादेश की सेना चटगांव में हिंदुओं के घरों में घुसकर नरसंहार कर रही है।बांग्लादेश में इस्लामी कट्टरपंथियों के बाद अब पुलिस और सेना भी हिंदू समुदाय पर अत्याचार में जुट गई है। हिंदुओं और उनके आराध्यों पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले पर कार्रवाई के बजाय पुलिस उन्हें ही निशाना बना रही है। बांग्लादेश के चटगांव में हिंदुओं पर पुलिस और सेना का कहर बरपा है। मंगलवार को बांग्लादेश के चटगांव के हज़ारी गोली में हिंदू समुदाय पर पुलिस और सेना समेत बाक़ी सुरक्षा एजेंसियों ने हमला बोल दिया। यहां हिंदुओं को ढूंढ़ ढूंढ़ कर मारा गया और उनके साथ बर्बरता हुई। कई हिंदुओं को पुलिस पकड़ ले गई। ▶10पर

मोदी कैबिनेट का महत्वपूर्ण फैसला

मेधावी छात्रों के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना मंजूर

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

- पीएम विद्या लक्ष्मी योजना को मंजूरी
- भारतीय खाद्य निगम को 10,700 करोड़ मिलेंगे
- मेधावी छात्र उच्च शिक्षा के लिए 10 लाख तक का लोन ले सकेंगे
- 7.5 लाख रुपए तक के ऋण पर भारत सरकार 75% क्रेडिट गारंटी देगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में आज कई अहम फैसले लिए गए। मेधावी बच्चों की पढ़ाई में कोई अड़चन न आए, इस मकसद से सरकार ने पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि पीएम विद्यालक्ष्मी योजना का लाभ एजुकेशन लोन में मिलेगा। जरूरतमंद बच्चों की पढ़ाई के लिए बैंकों से 10 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण सस्ती दरों पर लिया जा सकेगा। मेधावी बच्चे उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई के लिए बैंकों से लोन ले सकेंगे। इससे पैसे की कमी के कारण बच्चों की उच्च शिक्षा में कोई अड़चन नहीं आएगी।

शिक्षा ऋण गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान में प्रवेश लेने वाले छात्रों के पाठ्यक्रम से संबंधित ट्यूशन फीस और अन्य खर्चों की पूरी राशि को कवर करेगा। वैष्णव ने बताया कि बैंकों और वित्तीय संस्थानों से समर्थन-मुक्त और गारंटर-मुक्त ऋण लिया जा सकेगा। वैष्णव ने बताया कि ऐसे परिवार जिनकी वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपए है। इन परिवारों के छात्रों की पढ़ाई के लिए पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत 10 लाख रुपए तक के ऋण पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान मिलेगा। 7.5 लाख रुपए तक के ऋण पर भारत सरकार 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी देगी। ▶10पर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जेबीएन वी-कनेक्ट रेफरल मीट का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ महिला विंग के अंतर्गत जेबीएन वी-कनेक्ट रेफरल मीट का आयोजन अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना के नेतृत्व में राजाजीनगर कार्यालय में आयोजित हुआ। मुख्य प्रशिक्षक हिप्नोथैरेपी एवं लाइफ कोच संगीता जैन ने अपने व्यवसाय की जानकारी देते हुए कहा कि हिप्नोथैरेपी चिकित्सा के तहत स्किल्ड हिप्नोटिस्ट खास तकनीक का उपयोग करते हैं, जिससे रोगी के अंदर गहरी शांति, ध्यान और फोकस की भावना पैदा होती है। जिसमें अधिकांश नकारात्मक विचार निकाले जा सकते है। व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक तौर पर रिलैक्स और शांत किया जाता है, ताकि वह अपने जीवन को बिना किसी परेशानी के व्यतीत कर पाए।

अपने व्यवसाय से जुड़ी और अधिक जानकारी व अनुभव साझा करते हुए संगीता जैन ने जीवन जीने के मूल मंत्र बताए। मधु जैन ने शैक्षिक सूचना के अन्तर्गत धन्यवाद पर्ची संबंधित जानकारी साझा की। रेफरल प्रमुख सीमा शाह ने सभी का स्वागत किया। रेफरल लीड मीना जैन ने रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं रेफरल सचिव लीला पितलिया ने धन्यवाद व्यक्त किया। सभी जेबीएन सदस्यों को इनोवेशन थीम के साथ 30 सेकेंड की व्यवसाय संबंधी पिच साझा करने का अवसर मिला। सर्वश्रेष्ठ पोशाक हेतु संगीता जैन, सर्वश्रेष्ठ 30 सेकेंड प्रस्तुति हेतु सीए सुख देवी जैन और सर्वोच्च व्यवसाय दाता सुमन रांका को अच्छे प्रदर्शन हेतु पुरस्कृत किया गया। 2 नए सदस्यों को शामिल किया गया। बैठक के आँकड़े सामूहिक उपलब्धियों में पारित रेफरल की कुल संख्या 29, कारोबार की कुल संख्या 20,162 रुपये, लॉन्च के बाद से कुल कारोबार 24,21,643 रुपये, वन-टू-वन की कुल संख्या 197 हुए। इस रेफरल मीट में जेबीएन वी कनेक्ट पूर्वाध्यक्ष सुष्मिता सेठिया, सुमन रांका, उपाध्यक्ष पिंकी जैन, महिला विंग उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा उपस्थित थी। बैठक का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन रविवार को सुबह 10 बजे से माइक्रो लैब्स फार्म हाउस में अध्यक्ष कैलाश भंसाली और मानद मंत्री राजेश भण्डारी के सानिध्य में आयोजित होगा।

उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि विशिष्ट प्रतिभावानों तथा प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं का बहुमान सहमंत्री कमलराज, केवलराज भण्डारी के सहयोग से किया जाएगा। सदस्य परिवारों के लिए आयोजित स्नेह मिलन के प्रायोजक उम्मेद, लव और कुश मेहता परिवार हैं। दिवाली बंपर लॉटरी और सुरमई गीतों पर आधारित मनोरंजक कार्यक्रम भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

ज्ञान का हो सदुपयोग: आचार्य

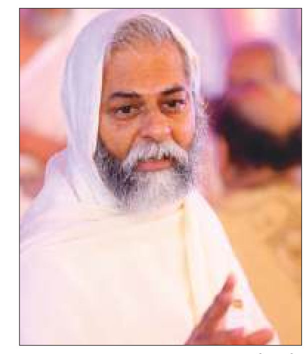

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सीमंधर-शांतिसूरी जैन संघ, वीवी पुरम में ज्ञान पंचमी के अवसर पर प्रवचन के दौरान आचार्य अरिहंतसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि किसी भी धर्म का प्रवाह शास्त्रज्ञान और ज्ञानियों के सहारे निरंतर बहता है। ज्ञानियों ने अपनी अगली पीढ़ियों को ज्ञान प्रदान कर ज्ञान की परंपरा आगे बढ़ाई है। बदले में किसी भी भौतिक अपेक्षा के बगैर वर्तमान की ज्ञान परंपरा के ढांचे में आए बदलाव पर खेद जताते हुए उन्होंने कहा कि हमारे यहां प्राचीन काल से ही निःस्वार्थ भाव से ज्ञान प्रदान करने की परंपरा रही है। लेकिन आज व्यवसायिकरण के दौर में शिक्षा भी इससे प्रभावित हुए बिना नहीं रह पाया। ज्ञान को एक बिक्री योग्य साधन बना दिया गया है और इससे ज्ञान गलत हाथों में चलता गया। नतीजन पिछले दो सौ - ढाई सौ वर्षों में जो कुछ विध्वंस, विनाश, शोषण हुआ वह ज्ञान के दुरुपयोग के कारण हुआ। आज चारों ओर शिक्षा का बोलबाला है लेकिन वह शिक्षा मात्र व्यवहारिक है जो व्यक्ति को इस भव में रोजगार या जीवन यापन का माध्यम प्रदान करती है। लेकिन धर्म की शिक्षा याने सम्यक् ज्ञान की घोर उपेक्षा हो रही है जो अत्यंत चिंताजनक विषय है।

ट्रेंडसेटर जेबीएन वी-प्रेनर्स की ओर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ट्रेंडसेटर जेबीएन वी-प्रेनर्स की पहली सोशल द ग्रैंड विलेज में आयोजित हुई, जिसका थीम टच ऑफ मारवाड़ था। पूरे इवेंट में खेल, मनोरंजन, आपसी बंधन और व्यापारिक रेफरल का आदान-प्रदान शामिल था। कार्यक्रम की शुरुआत सभी सदस्यों ने नवकार मंत्र के जाप से हुई। रेफरल हेड नीलम शांड, रेफरल लीड लताशा भंडारी और रेफरल सचिव ज्योति कोचट्टा ने सभी को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए स्वागत किया। इसके बाद कार्यक्रम की शुरुआत संगीता के मारवाड़ी ड्रामा से हुई। इस कार्यक्रम के मीडिया पार्टनर किक्स एंड गिगल्स से अंजना जैन थीं, जिन्होंने कार्यक्रम के पलों को कैप्चर किया। खेलों में विजेताओं के लिए गिफ्टिंग वाउचर पार्टनर रेफरल हेड नीलम शांड (मनोरंजन फैब्रिक्स से), रेफरल लीड लताशा भंडारी (आद्रता आर्टिस्ट्री से) और राजुल जैन (उर्जा स्माइल से) थे। हैंपर गिफ्टिंग पार्टनर सोनिया मंधोत (बेक ग्लैमर से), रचिता सुराना (फ्रोजन लेमन से) और दिव्या जैन (बोहेमिया ब्रेड्स से) थीं। पूरा शो रेफरल सचिव एमसी ज्योति कोचड्डा द्वारा होस्ट किया गया, जिन्होंने सदस्यों को अद्भुत खेलों के माध्यम से आपस में जोड़ा। इस कार्यक्रम में 27 वी-प्रेनर्स सदस्यों ने भाग लिया। एलटी टीम ने कार्यक्रम कोऑर्डिनेटर्स अदिति गुलेचा और गिरिशा जैन को बधाई दी और उनकी योजना की सराहना की। कार्यक्रम का समापन सभी ने गरबा और मारवाड़ी गानों पर डांस कर के किया। पारंपरिक संगीत की धुनों ने सभी को एक साथ जोड़ दिया, और सभी ऊर्जा और उत्साह के साथ नाचते रहे।

सत्य और ईमानदारी पर कार्यशाला आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित खुशी का रास्ता कार्यशाला के छटे चरण का आयोजन केंगेरी स्थित सरकारी स्कूल में किया गया। कार्यशाला अध्यक्ष सुमन पटावरी के निर्देशन में आयोजित हुआ। जिसका विषय सत्य और ईमानदारी था। पूनम दक ने नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला की शुरुआत की। उन्होंने बच्चों को कहानी के माध्यम से समझाया कि हमेशा हमें सत्य का साथ देना चाहिए। दीपिका देरासरिया ने महाप्राण ध्वनि का अभ्यास कराया। दीपिका दक ने बच्चों को खेल खिलाया और विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। सकारात्मकता के साथ कार्यशाला संपन्न हुई। बच्चों ने संकल्प किया कि वे दी हुई जानकारी का पालन करेंगे। स्कूल की अध्यापिकाओं का पूरा सहयोग मिला।

सरस्वती की आराधना का दिन है ज्ञान पंचमी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुवर पूज्य मलयप्रभ सागर जी एवं साध्वी स्वर्णांजना श्री की निश्रा में ज्ञान पंचमी की आराधना के अन्तर्गत श्रुतदेवी सरस्वती माता की आराधना की गई। दादावाड़ी ट्रस्ट द्वारा समस्त सदस्यों को ज्ञान पंचमी की शुभकामनाएं प्रदान की गई। पूज्य गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने पांच प्रकार के मतिज्ञान, श्रुतज्ञान, अवधिज्ञान, मनपर्यव ज्ञान और केवलज्ञान के 51 भेदों के बारे में बताया और पांचों ज्ञान के पांच चैत्यवन्दन करवाए। पांच वर्ष और पांच माह यानि पैंसठ माह तक प्रति शुक्ल पक्ष की पंचमी की आराधना करने हेतु अनेक सदस्यों ने आराधना प्रारंभ की। गुरुवर ने सुविहित स्वर सेना की स्थापना की, जिसका मुख्य कार्य पूजन और महापूजन पढ़वाना रहेगा। साध्वी स्वर्णांजनाजी ने कहा कि जिस प्रकार बाती और तेल मिलकर अपने आप को जलाकर भी दूसरों को प्रकाश प्रदान करते हैं उसी तरह हमें भी तेल और बाती की भांति खुद को जिन शासन की सेवा में लगाना है। ज्ञान पंचमी एक महत्वपूर्ण दिन है, जो ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति की पूजा के लिए समर्पित है। यह दिन विद्या और बुद्धिमत्ता की देवी सरस्वती की पूजा के लिए भी विशेष है। ज्ञान ही शक्ति है, शिक्षा से ही जीवन में सफलता मिलती है, ज्ञान और समझ के बिना जीवन अधूरा है, विद्या और बुद्धिमत्ता की देवी सरस्वती की कृपा से जीवन में ज्ञान और समझ बढ़ती है। आज के दिन हमें श्रुत और आगमों की भी विशेष पूजा आराधना करनी है। ज्ञान पंचमी की आराधना में दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर आराधना भवन में आगमों की विशेष साज सज्जा की गई।

धूमधाम से कर्नाटक राज्योत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एसपी रोड के बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक्स डीलर्स एसोसिएशन के तत्वावधान में टीम युवा शक्ति द्वारा कर्नाटक राज्योत्सव मनाया गया। प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कर्नाटक माते भुवनेश्वरी देवी से राज्य के लोगों की खुशहाली और समृद्धि की कामना की गई। इसी दौरान 1500 के करीब लोगों को बेड़ा और टीम युवा शक्ति के सदस्यों के सहयोग से भोजन भी करवाया गया। कार्यक्रम में एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी, उपाध्यक्ष ललित डाकलिया, किशोर राजपुरोहित, महामंत्री अरुण लुणावत, सहमंत्री दिनेश चारण, सह कोषाध्यक्ष कैलाश बोहरा, संगठन मंत्री आलोक गंग, युवा शक्ति के प्रमुख नीरज वोरा के साथ कार्यकारिणी और एसोसिएशन के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

व्यक्ति के लिए अपनी मातृभूमि का विशेष महत्व : बिन्दु रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आऊवा जैन महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी का आयोजन दमयंती रमेश रायसोनी के सूरत स्थित निवास स्थान पर अध्यक्ष कांता रायसोनी के नेतृत्व में किया गया। जिसका विषय मातृभूमि से लगाव था। पूर्व मंत्री बिन्दु रायसोनी ने कहा कि व्यक्ति के लिए अपनी मातृभूमि का विशेष महत्व होता है। यह वो जगह होती है, जहाँ व्यक्ति जन्म लेता है। जहाँ की मिट्टी में खेलकर वह बड़ा होता है। जहाँ की हवा में साँस लेकर वो जीवन में आगे बढ़ता है। इसके प्रति हमारे ऊपर ऋण होता है, जो हमें सेवा कर चुकाना है। जिसमें हमने जन्म लिया। मातृभूमि की याद लोगों के दिल में हमेशा बनी रहती है, वो चाहे सात समुंदर पार क्यों न चला जाए। इसलिए मातृभूमि का अपना महत्व होता है। पूर्व अध्यक्ष मंजु चण्डालिया ने कहा कि आऊवा मण्डल से जुड़ा हर सदस्य आपसी सौहार्द व प्रेम के साथ अपनी भूमि से जुड़ा है। ये जड़ें सदा मजबूत रहें ऐसी प्रेरणा दी। अध्यक्ष कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। सहमंत्री मंजु रायसोनी ने धन्यवाद व्यक्त किया। वसंता रायसोनी, संखेबरी बरलोटा, राखी सुंदेशा मुथा, तारा रायसोनी, रेखा रायसोनी आदि उपस्थित थे। संगोष्ठी का प्रारंभ मंगलाचरण से हुआ।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर में स्थित ईस्ट वेस्ट पब्लिक स्कूल में 69वां कर्नाटका राज्योत्सव मनाया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित की। विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी, जिससे माहौल कन्नड़ मय हो गया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा कर्नाटक की धरती पर मुझे यहां के लोगों से अपार प्यार और अपनापन मिला। मैं कर्नाटक की सेवा में तन मन धन से सदैव समर्पित हूं। विद्यालय के शिक्षकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान परिषद ने मासिक सेवा आयाम के अन्तर्गत केजी रोड स्थित पूज सिंधी पंचायत में कमलेश भरत डुंगरवाल के सौजन्य से जरूरतमंद लोगों के लिए अन्नदान सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का प्रारंभ पूज सिंधी पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राम कपाई ने भगवान राधा कृष्ण की प्रार्थना के साथ किया। लगभग 250 लोगों ने अन्नदान का लाभ लिया। प्रायोजक परिवार की ओर से स्नेह डुंगरवाल, भरत डुंगरवाल और महिमा डुंगरवाल उपस्थित थे। परिषद् की ओर से मंत्री विनय बैद उपस्थित थे।

ज्ञानपंचमी के अवसर पर सरस्वती मंत्र जाप अनुष्ठान

ज्ञान का प्रकाश आंतरिक आत्मा का प्रकाश है: डॉ वरुणमुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर के तत्वावधान में उप प्रवर्तक पंकजमुनि के सानिध्य में डॉ. वरुणमुनि ने ज्ञानपंचमी के पावन अवसर पर कहा कि यह पर्व ज्ञान का पर्व है। प्रभु की वाणी को पहले लिखने की परंपरा नहीं थी, इसलिए इसका नाम श्रुत था। इसे सौभाग्य पंचमी और लाभ पंचमी के रूप में भी जाना जाता है। ज्ञान आंतरिक आत्मा का प्रकाश है। यह एक प्राकृतिक प्रकाश है। यह जीवन की एक उज्ज्वल लौ भी है। इसके प्रकाश के बिना हम कुछ भी नहीं देख सकते हैं। हम सत्य और असत्य ज्ञान का भेद भी नहीं जान सकते, दूसरा सूर्य और तीसरा नेत्र कहलाता है। इसलिए ज्ञान पंचमी की पूजा करनी चाहिए। मान्यता है कि इस पर्व को मनाने से सभी बुरे कर्मों का नाश हो जाता है। इस अवसर पर समस्त स्वाध्यायियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वालों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भगवान महावीर चिकित्सालय, बेंगलूरु को गुरु अमर स्वास्थ्य सेवा सम्मान, व्यक्तिगत श्रेणी में महेन्द्र जैन (नरेला मंडी, दिल्ली) को भक्त शिरोमणि, रामनिवास जैन (रोहिणी, दिल्ली) को श्रावकरत्न, गिरधारीलाल जैन (लुधियाना) को मानवसेवा, डॉ. दिलीप धींग (चेन्नई) को श्रुतसेवा, विनोद जैन (दिल्ली) और सुरेखा प्रकाशचंद कटारिया को साहित्य सेवा, किशनलाल खाबिया (चेन्नई) और डॉ. अजयकुमार जैन बीके (मैसूरु) को जीवदया, प्रकाशचंद राठड़िया मूथा (केजीएफ) को सामायिक स्वाध्याय, डॉ. अशोक चंपालाल बोरा (पूना) को आरोग्य सेवा, शुभम जैन (दिल्ली) को प्रचार-प्रसार सेवा और डॉ. दीपसागर सोनी (पदमपुरा) को स्वास्थ्य सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रवर्तक अमरमुनि के संयम अमृत वर्ष के उपलक्ष्य में ये राष्ट्रीय सम्मान अखिल भारतीय गुरु अमर संयम अमृत वर्ष महोत्सव समिति द्वारा प्रदान किए गये। कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के स्वाध्यायियों एवं पाठशाला के अध्यापक-अध्यापिकाओं का शास्त्र द्वारा बहुमान किया गया। शास्त्रीय भाषा प्राकृत का प्रतिक्रमण कंठस्थ करने वाले बालक-बालिकाओं को सम्मानित किया गया। गुरु पदमुनि के जन्मोत्सव एवं गुरु अमरमुनि के दीक्षा हीरक महोत्सव वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के स्वाध्यायियों एवं सेवा शिक्षा और चिकित्सा में सेवा देने वाले सुश्रावकों का बहुमान समारोह, माँ सरस्वती जाप आयोजन एवं 3100 जरूरतमंद बच्चों को ज्ञानवर्धक पाठ्य सामग्री का विभिन्न स्कूलों के माध्यम से वितरण किया गया।

समारोह में ज्ञान पंचमी के उपलक्ष्य में सरस्वती मंत्र जप साधना अनुष्ठान किया गया। श्रुताचार्य अमरमुनि की प्रेरणा से प्राकृत भाषा के जैन आगमों का हिंदी व अंग्रेजी अनुवाद के साथ पहली बार सचित्र प्रकाशन का ऐतिहासिक कार्य हुआ। गुरुभक्त दिलीप धींग, सुरेखा प्रकाश कटारिया, स्वाध्यायी मीठालाल पटवा, शांतिलाल बोहरा व अन्य ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर भगवान महावीर अस्पताल से पारसमल भंडारी, संजय सिसोदिया, जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कैलाश बोहरा, मोक्षद्वार के प्रधान गौतमचंद ओस्तवाल, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. नरपत सोलंकी, जैन कॉन्फ्रेंस ज्ञान प्रकाश योजना के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं शास्त्र लाभार्थी किशोर दलाल और विनोदकुमार अमित कुमार डांगी, जाप कार्ड लाभार्थी चेतन रेदासनी, पारसमल लोढ़ा, सुरेश बिट्टू जैन, पारस चैनल से रुपेश शर्मा, जीत मोशन से ललित सुराणा, पुणे से प्रकाशचंद कटारिया व अन्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष प्रकाश चाणोदिया, उपाध्यक्ष रोशनलाल नाहर, मंत्री नेमीचंद दलाल, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट, ज्ञानचंद लोढ़ा, प्यारेलाल टपरावत, सुशीलाबाई बोहरा, रेखा पोखरना, नीतू लुंकड़, सीमा बोहरा, ललिता कटारिया व अन्य समस्त पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्यों का सहयोग रहा। युवा धीरज नाहर ने आभार ज्ञापित किया। पुणे से डॉ. श्वेता राठौड़ एवं संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने संचालन किया।

छठी मैया एवं आस्ता चल सूर्य की विधिवत पूजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सूर्य उपासना के व्रत महापर्व छठ के दूसरे दिन बुधवार को खरना के तहत व्रत धारियों ने छठी मैया एवं आस्ता चल सूर्य की विधिवत पूजा करने के बाद केले के पत्ते पर प्रसाद का भोग लगाया। इसमें गेहूं आटा का बना हुआ रोटी, खीर एवं पका हुआ केला मुख्य रूप से चढ़ाया गया। इस पूजा में उपासना की प्रधानता है। जिस प्रकार भगवान सूर्य सब के लिए एक समान अपना प्रकाश देते हैं, उसी प्रकार यह पर्व भी सबके लिए एक समान है। सभी तरह के लोग मिलकर एक जगह एकत्रित होकर मानते हैं। यह सद्भावना एवं भाईचारे का त्योहार भी है। मूल रूप से इसमें प्रकृति की पूजा की जाती है। सूर्य भगवान की उपासना से आरोग्यता, धन-धान्य की वृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।

मुडा घोटाला मामला : लोकायुक्त पुलिस ने सीएम सिद्धरामैया से दो घंटे तक की पूछताछ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से लोकायुक्त पुलिस ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में बुधवार को करीब दो घंटे तक पूछताछ की। सिद्धरामैया दोपहर 12 बजे मैसूरु लोकायुक्त अधीक्षक टी.जे. उदेश के कार्यालय से बाहर आए। वे सुबह 10.10 बजे लोकायुक्त के समक्ष पेश हुए। बाहर आने के बाद सीएम सिद्धरामैया मैसूरु शहर के सरकारी गेस्ट हाउस पहुंचे। सूत्रों ने बताया कि सीएम ने अधिकारियों से कहा कि वे प्रक्रिया को पूरा करें और उन्हें कोई छूट न दें। उन्होंने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे भूल जाएं कि वे सीएम हैं और उनसे वे सभी सवाल पूछें जो वे जांच के लिए पूछना चाहते हैं। सूत्रों ने आगे बताया कि उनसे साइटों के आवंटन, भूमि रूपांतरण और अंत में आवंटित साइटों की वापसी के बारे में सवाल पूछे गए।

मुडा में कथित अनियमितताओं से संबंधित मामले में सीएम सिद्धरामैया को मुख्य आरोपी बनाया गया है। कर्नाटक के इतिहास में सत्ता में रहते हुए लोकायुक्त जांच का सामना करने वाले वे पहले मुख्यमंत्री हैं। यह पहली बार है जब सीएम सिद्धरामैया, जिनका रिकॉर्ड साफ-सुथरा है, अपने चार दशक के राजनीतिक करियर में जांच का सामना कर रहे हैं। बेंगलूरु से मैसूरु पहुंचे सिद्धरामैया का सरकारी गेस्ट हाउस में समाज कल्याण मंत्री एच.सी. महादेवप्पा और पशुपालन मंत्री के. वेंकटेश ने स्वागत किया। सीएम सिद्धरामैया ने गेस्ट हाउस में नाश्ता किया और सीधे लोकायुक्त कार्यालय चले गए। सिद्धरामैया से उनके परिवार को 50:50 अनुपात में भूखंड आवंटित करने, भूमि रूपांतरण और दस्तावेजों के कथित फर्जीवाड़े में उनकी भूमिका के बारे में पूछताछ की गई। सूत्रों ने बताया कि अगर लोकायुक्त जांच में सीएम सिद्धरामैया को क्लीन चिट मिल जाती है तो इससे उन्हें यह मजबूती से तर्क देने में मदद मिलेगी कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच की जरूरत नहीं है और उनके खिलाफ आरोप राजनीतिक प्रकृति के हैं। साथ ही, सिद्धरामैया को गिरफ्तार किए जाने के डर के बिना जांच का सामना करना पड़ सकता है। सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर हाईकोर्ट 26 नवंबर को सुनवाई करेगा। कोर्ट ने लोकायुक्त से अपनी जांच रिपोर्ट पेश करने को भी कहा है। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने कहा है कि उन्होंने सीएम सिद्धरामैया से पूछे जाने वाले सवालों की एक सूची सौंपी है। अगर लोकायुक्त ये सवाल पूछने में विफल रहते हैं तो सीएम सिद्धरामैया को भविष्य में सीबीआई द्वारा पूछे जाने वाले उन्हीं सवालों का सामना करना पड़ेगा। मैसूरु में लोकायुक्त कार्यालय के आसपास के इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। लोकायुक्त ने इससे पहले सीएम सिद्धरामैया की पत्नी पार्वती, जो दूसरी आरोपी हैं, उनके साले मल्लिकार्जुनस्वामी, जो तीसरे आरोपी हैं और जमीन के मालिक जे. देवराजू, जो चौथे आरोपी हैं, से पूछताछ की थी।

अदालत का फैसला आने तक मुझ पर कोई दाग नहीं : सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने बुधवार को कहा कि मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में अदालत का फैसला आने तक उन पर या कुर्सी की गरिमा पर कोई दाग नहीं है। उन्होंने यह बयान बुधवार सुबह मुडा मामले के सिलसिले में मैसूरु लोकायुक्त अधीक्षक टी.जे. उदेश के समक्ष पेश होने के बाद दिया। पूछताछ के बाद आश्वस्त नजर आए सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि लोकायुक्त अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की है।

मैंने लोकायुक्त पुलिस के सभी सवालों के जवाब दे दिए हैं। मेरे बयान दर्ज किए गए हैं और उन्होंने मेरे जवाब भी पढ़े हैं और मैंने उनका समर्थन किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें बताया गया था कि उन्हें फिर से जांच में शामिल होना पड़ेगा, सीएम सिद्धरामैया ने कहा कि उन्हें फिर से पेश होने के लिए नहीं कहा गया है। भाजपा द्वारा सीबीआई

जांच की मांग के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की मांग क्या है? राज्यपाल ने जांच के आदेश दिए हैं। क्या भाजपा जांच के खिलाफ है? इससे पता चलता है कि उन्होंने झूठे आरोप लगाए हैं। क्या भाजपा नेताओं ने कोई मामला सीबीआई को सौंपा है? लोकायुक्त एक स्वतंत्र एजेंसी है। अगर सीबीआई जांच की मांग की जाती है तो मैं अदालत में मामला लड़ूंगा। सीएम सिद्धरामैया ने कहा साइटों के आवंटन की प्रक्रिया कानून के अनुसार हुई है। भाजपा और जेडी(एस) ने झूठे आरोप लगाए हैं और मैंने सभी आरोपों का जवाब दिया है। साइट इसलिए नहीं लौटाई गई क्योंकि मैंने गलती की थी, बल्कि आरोप सामने आने के बाद मेरी पत्नी ने स्वेच्छा से उन्हें लौटाया था। सीएम सिद्धरामैया ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा मुझसे झूठे आरोपों पर पूछताछ की गई। इस बारे में क्या किया जा सकता है? मुडा मामले में मेरी कोई भूमिका नहीं थी, इस संबंध में मेरे पास कोई दस्तावेज कैसे हो सकता है? जब तक अदालत फैसला नहीं करती, तब तक मुझ पर कोई दाग नहीं है। मैं अदालत में अपने खिलाफ लगे झूठे आरोपों का जवाब दूंगा।

कर्नाटक की संप्रभुता के प्रतीक मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा कम हो रही: बी वाई विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने आरोप लगाया है कि कर्नाटक की संप्रभुता के प्रतीक मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा कम हो रही है, क्योंकि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में लोकायुक्त की जांच का सामना कर रहे हैं।

सीएम बुधवार को मुडा मामले में जांच के लिए मैसूरु लोकायुक्त एसपी के समक्ष पेश हुए, जिसमें उन्हें प्रथम आरोपी बनाया गया है। विजयेंद्र ने बुधवार को कहा आरोपी नंबर एक सीएम सिद्धरामैया, पूरा देश देख रहा है कि आपने एक भ्रष्ट मुख्यमंत्री के रूप में कितनी बदनामी हासिल कर ली है, जो जांच का सामना करते हुए भी पद से चिपके रहते हैं।

विजयेंद्र ने आरोप लगाया विधानसभा में आप अपने कुख्यात मुडा घोटाले पर चर्चा से भाग गए और अब आप भ्रष्टाचार पर ऐसे बोलते हैं जैसे कोई राक्षस भगवद गीता का उपदेश दे रहा हो।

उन्होंने आरोप लगाया आपके परिवार पर एक निर्दोष दलित परिवार को धोखा देकर जमीन हासिल करने का आरोप है और आपके खिलाफ चल रही जांच के अनुसार इसी जमीन का दुरुपयोग मुडा ने 14 प्लॉट हासिल करने के लिए किया। विजयेंद्र ने कहा अगर आपने कुछ भी गलत नहीं किया था और अगर आपको दावे के मुताबिक 62 करोड़ रुपये मिलने थे, तो आपने बिना किसी शर्त के रातों-रात मुडा के प्लॉट क्यों लौटा दिए? अगर आप इतने साफ-सुथरे हैं, तो आप पारदर्शी जांच से इनकार क्यों करते हैं और इसके बजाय भ्रष्टाचार का बचाव क्यों करते हैं? नैतिकता को कूड़े में फेंकने वाले किसी व्यक्ति से ईमानदारी जैसे शब्द सुनना वाकई बहुत बुरा लगता है। राज्यपाल ने इन आरोपों के संबंध में आपके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी है। आपने इस पर अपील की, लेकिन हाईकोर्ट ने इसे खारिज कर दिया।

लोगों की अदालत ने लोकायुक्त को आपके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया है और लोकायुक्त में जांच चल रही है। उन्होंने कहा कि आपके अधीनस्थ अधिकारी आपकी जांच में कितनी दूर तक जाएंगे, इस बारे में संदेह के साथ, सीबीआई जांच के आदेश की मांग करते हुए हाईकोर्ट में एक रिट याचिका दायर की गई है, जो समीक्षाधीन है। विजयेंद्र ने कहा आपने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुली बहस के लिए चुनौती दी है, आपको पहले एक आम नागरिक, शिकायतकर्ता स्नेहमयी कृष्णा की कानूनी लड़ाई जीतने की कोशिश करनी चाहिए और फिर भ्रष्टाचार के बारे में बात करनी चाहिए।

विजयेंद्र ने दावा किया अपनी प्रतिष्ठा पर लगे दाग को साफ करने पर ध्यान दें क्योंकि आपके आचरण से कर्नाटक की संप्रभुता के प्रतीक मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा प्रतिदिन कम होती जा रही है।

विजयेंद्र ने कहा अदालत पहले ही यह फैसला सुना चुकी है कि आपने मेरे खिलाफ जो आरोप लगाए हैं, वे निराधार हैं। एक वकील के तौर पर, आपको बार-बार इन मामलों को उठाते देखना आपके विवेक की कमी को दर्शाता है। ऐसा लगता है कि कानून की कसती पकड़ ने आपकी शांति को भंग कर दिया है, जिससे आप गहरी बेचैनी की स्थिति में पहुंच गए हैं और आप इन झूठे आरोपों को बार-बार दो-हरा रहे हैं, मानो आप हताश हैं। उन्होंने आरोप लगाया आपकी सरकार के पास हमारे खिलाफ किसी भी आरोप को साबित करने के लिए त्वरित जांच करने की पूरी शक्ति है, फिर भी मुख्यमंत्री कार्यालय की गरिमा को त्यागकर ऐसे तुच्छ आरोपों को चुनावी प्रचार के तौर पर इस्तेमाल करना हास्यास्पद है।

कैब चालकों ने निजी वाहनों के व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए अवैध उपयोग का लगाया आरोप

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए सफेद नंबर प्लेट वाले निजी वाहनों के बढ़ते उपयोग ने लाइसेंस प्राप्त टैक्सी और कैब चालकों के बीच चिंता पैदा कर दी है, जो तर्क देते हैं कि यह अवैध प्रथा उनकी आजीविका को खतरे में डालती है और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा को बाधित करती है। येलो-बोर्ड वाहन संचालकों का कहना है कि आवश्यक व्यावसायिक परमिट के बिना चलने वाली निजी कारें नियमों को दरकिनार करती हैं, शुल्क से बचती हैं और उन्हीं सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करती हैं जिनका पालन करना उनके लिए आवश्यक है। उनका तर्क है कि इससे न केवल अनुचित व्यावसायिक वातावरण बनता है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा से भी समझौता होता है। एक दशक से अधिक अनुभव वाले कैब चालक मुकुंद कुमार ने कहा व्हाइट-बोर्ड वाहनों पर वही जाँच नहीं होती है जिससे हम गुजरते हैं। हम परमिट में निवेश करते हैं, सरकारी करों का भुगतान करते हैं और अपने वाहनों को व्यावसायिक मानकों के अनुरूप रखते हैं। जब निजी कारें इन जिम्मेदारियों के बिना बाजार में प्रवेश करती हैं, तो इसका खामियाजा वैध चालकों को

भुगतना पड़ता है। एक अन्य चालक सुरेश नाइक ने कहा कैब चलाने से होने वाली आय पहले से ही कम है। अब, जब बाजार में व्हाइट-बोर्ड वाहनों की बाढ़ आ गई है, तो हम और भी कम कमा रहे हैं क्योंकि उन्हें वह भुगतान नहीं करना पड़ता जो हम करते हैं।

यह सिर्फ अवैध नहीं है - यह हमारे परिवारों को नुकसान पहुँचा रहा है। इस बीच, कर्नाटक परिवहन विभाग के अधिकारियों ने कहा कि वे व्यावसायिक किराए के लिए सफेद प्लेट वाले निजी वाहनों के इस्तेमाल के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी कर रहे हैं, यह गतिविधि सिर्फ पीले बोर्ड वाले वाहनों के लिए आरक्षित है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि व्यावसायिक रूप से संचालित होने वाले किसी भी निजी वाहन को जब्त कर लिया जाएगा, और वाहन मालिक और ऑपरेटर दोनों को कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। परिवहन विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा हमें इन उल्लंघनों के बारे में कई शिकायतें मिली हैं। हम सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जांच की जाएगी और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए जाएँगे। परिवहन विभाग ने बेंगलूरु में अवैध व्यवहार पर नजर रखने और उसे रोकने के लिए 10 समर्पित दस्ते बनाए हैं। पिछले एक साल में, विभाग ने टैक्सियों के रूप में चलने वाले व्हाइट-बोर्ड वाहनों के खिलाफ कई मामले दर्ज किए हैं, और अधिकारी इस बात पर जोर देते हैं कि प्रवर्तन उपाय तेज होते रहेंगे। अधिकारियों का अनुमान है कि कर्नाटक में लगभग पाँच लाख पीले-बोर्ड वाहन हैं, जिनमें से सभी सरकारी करों और नियामक आवश्यकताओं के अधीन हैं। इसके विपरीत, सफेद प्लेट वाले निजी वाहन इन लागतों से बचते हैं, जिससे उन्हें बाजार में अनुचित बढ़त मिलती है, खासकर इसलिए क्योंकि उन्हें वाणिज्यिक वाहनों पर लागू होने वाले अंतर-राज्यीय करों से छूट दी जाती है। इस कर असमानता के निहितार्थों को समझाते हुए, परिवहन विभाग के एक अन्य अधिकारी ने कहा कई यात्री कर्नाटक से बाहर जाते समय व्हाइट-बोर्ड वाहनों को प्राथमिकता देते हैं क्योंकि उन पर अंतर-राज्यीय कर नहीं लगते हैं। हालाँकि, व्हाइट-बोर्ड कारों को टैक्सियों के रूप में इस्तेमाल करना परिवहन कानूनों का एक बड़ा उल्लंघन है, जो निजी और वाणिज्यिक उपयोग के बीच सख्ती से अंतर करते हैं। अधिकारी ने कहा व्यावसायिक वाहनों का कठोर निरीक्षण किया जाता है, उन्हें ज्यादा कर देना पड़ता है और वे कड़े सुरक्षा मानकों को पूरा करते हैं। ये उपाय यात्रियों की सुरक्षा और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करने के लिए किए गए हैं। व्हाइट-बोर्ड वाहनों को अवैध रूप से संचालित करने की अनुमति देना इस कानूनी ढांचे को दरकिनार कर देता है, जिससे वैध ऑपरेटरों की सुरक्षा और आजीविका दोनों प्रभावित होती है।

कर्नाटक के शराब व्यापारी भ्रष्टाचार के विरोध में 20 नवंबर को अपनी दुकानें बंद रखेंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार राज्य के आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर के खिलाफ भ्रष्टाचार के नए आरोपों के कारण आलोचन-ाओं में घिर गई है। कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन (केडब्ल्यूएमए) का आरोप है कि मंत्री अवैध लाइसेंस जारी करने के बदले में 300-700 करोड़ रुपये के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में शामिल हैं। उन्होंने कहा कि मंत्री का कार्यालय कथित तौर पर लाइसेंस जारी करने के लिए 30-40 लाख रुपये वसूलता है और पिछले एक साल में ऐसे 1000 लाइसेंस दिए गए हैं। एसोसिएशन का दावा है कि अवैध लाइसेंस जारी करने के लिए रिश्वत के अलावा, मंत्री ने अधिकारियों को अनुकूल तबादले देने के लिए भी कथित तौर पर रिश्वत ली है। आबकारी विभाग के भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन का विरोध करते हुए, राज्य भर के शराब व्यापारियों ने 20 नवंबर को अपनी दुकानें बंद रखने की योजना की घोषणा की है। केडब्ल्यूएमए ने अब मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से, जो वित्त विभाग की भी देखरेख करते हैं, आबकारी विभाग का नियंत्रण अपने हाथ में लेने का आह्वान किया है। हाल ही में लिखे पत्र में केडब्ल्यूएमए के अध्यक्ष एस गुरुस्वामी और महासचिव बी गो-विंदराज हेगड़े ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, तिम्मापुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को ये चिंताएं बताईं। उनका आरोप है कि आबकारी विभाग ने राज्य भर में होटलों और बोर्डिंग हाउसों को 1,000 अवैध सीएल7 बार लाइसेंस दिए हैं, जिनमें से प्रत्येक लाइसेंस 30-70 लाख रुपये की रिश्वत लेकर जारी किया गया है।

पत्र में कहा गया है कि सीएल7 लाइसेंस के लिए नियमित शुल्क प्रतिष्ठान के स्थान के आधार पर 4 लाख रुपये से 8.5 लाख रुपये तक है। पत्र में कहा गया है कि मंत्री द्वारा 30-70 लाख रुपये की रिश्वत लेकर सीएल7 बार लाइसेंस दिए गए और पिछले एक साल में आबकारी मंत्री द्वारा 1,000 ऐसे अवैध लाइसेंस दिए गए, जिनकी कीमत 300-700 करोड़ रुपये है। पत्र में आगे दावा किया गया है कि एक डिप्टी कमिश्नर ने अनुकूल ट्रांसफर की मांग करने वाले प्रत्येक अधिकारी से 25 लाख रुपये से 40 लाख रुपये के बीच स्वीकार किए। कथित तौर पर ये राशि अकेले बेंगलूरु में डिप्टी कमिश्नरों से 2.5 करोड़ रुपये से 3 करोड़ रुपये तक है। एसोसिएशन द्वारा कई अपीलों और विरोधों के बावजूद, जिसमें 25 अक्टूबर को बेंगलूरु में एक बड़ा प्रदर्शन भी शामिल है, उनका दावा है कि तिम्मापुर और सरकार ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इन आरोपों के बीच, शिग्गांव में वर्तमान में चुनाव प्रचार कर रहे मंत्री तिम्मापुर ने आरोपों का खंडन किया है और उन्हें राजनीतिक प्रेरणाओं से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा ये आर-ोप निराधार और राजनीति से प्रेरित हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ पदोन्नति की प्रक्रिया तो की गई, लेकिन मौद्रिक लाभ के लिए स्थानांतरण नहीं किए गए। जब ये लोग कुछ गलत करते हैं, तो अधिकारी उन्हें परेशान करते हैं। शराब व्यापारियों को खुद को सुधारना चाहिए। जबकि मैंने उचित माध्यमों से कुछ पदोन्नति को मंजूरी दी है, मैंने मौद्रिक लाभ के लिए किसी भी स्थानांतरण को अधिकृत नहीं किया। स्थानांतरण निष्पादित नहीं किए गए, लेकिन नियमित पदोन्नति उचित तरीके से की गई। लाइसेंस नवीनीकरण प्रक्रिया बिना किसी अनुचित दबाव या मौद्रिक मांग के संचालित की गई। इस तरह के निराधार आरोप लगाने के बजाय, एसोसिएशन को यह पता लगाना चाहिए कि वास्तव में भुगतान किसने प्राप्त किया। भाजपा नेता आर अशोक ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए इन आरोपों को प्रशासन के तहत भ्रष्टाचार के पैटर्न का हिस्सा बताया। सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए अशोक ने लिखा कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने सीएम सिद्धरामैया को लिखे अपने पत्र में आरोप लगाया है कि राज्य के आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर खुलेआम जबरन वसूली और रिश्वतखोरी में शामिल हैं, जो कर्नाटक में घोटाला करने वाली कांग्रेस सरकार द्वारा घोटालों की श्रृंखला का एक और काला प्रकरण है। राज्य भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा, सिद्धरामैया के शासन में भ्रष्टाचार केवल एक घोटाला नहीं है, बल्कि यह एक जीवनशैली है। भ्रष्टाचार के उनके 17 महीने के महाकाव्य के नवीनतम अध्याय में, कर्नाटक वाइन मर्चेंट्स एसोसिएशन ने आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर द्वारा चलाए जा रहे चौंका देने वाले जबरन वसूली रैकेट का पर्दाफाश किया है।

हर साल 180 करोड़ रुपये का हफ्ता

यह कोई आम भुगतान-कर-कराने की योजना नहीं है। उन्होंने कहा कि तिम्मापुर शराब की दुकानों से कथित तौर पर हर साल 180 करोड़ रुपये का हफ्ता कमा रहे हैं। हां, यह सब चुनावी उद्देश्यों के नाम पर किया जा रहा है। रिश्वत के लिए एक पूरा रेट कार्ड है।

सीएल7 बार लाइसेंस हासिल करने के लिए 30-70 लाख रुपये से लेकर लगभग 1,000 अवैध लाइसेंस जारी करने तक, यह ऑपरेशन व्यावहारिक रूप से भ्रष्टाचार का एक तरीका है, जिससे सालाना 700 करोड़ रुपये की कमाई होती है।

विजयेंद्र ने कहा कि यह औद्योगिक पैमाने की रिश्वत सूची से कम नहीं है। विडंबना यह है कि सिद्धरामैया, जिन्होंने बेबुनियाद आरोपों के आधार पर पिछली भाजपा सरकार को 40 प्रतिशत सरकार करार दिया था, अब कर्नाटक वाइन मर्चेंट एसोसिएशन द्वारा अपने मंत्री के खिलाफ किए गए 500 करोड़ रुपये प्रति वर्ष के चौंका देने वाले भ्रष्टाचार के दावे पर चुप हैं।

जम्मू कश्मीर विधानसभा: विशेष दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव पर हंगामा

श्रीनगर, 06 नवंबर (ब्यूरो)। बहुमत लेकर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में पहली सरकार बनाने वाली नेशनल कांफ्रेंस ने जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा वापस देने की मांग का प्रस्ताव आज विधानसभा में पारित कर दिया। भाजपा सदस्यों ने इसका जबरदस्त विरोध किया जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस सरकार को समर्थन देने वाली कांग्रेस के सदस्य इस पर खामोश रहे।

उप मुख्यमंत्री सुरेंद्र सिंह चौधरी द्वारा यह प्रस्ताव लाया गया था, जिसका अनुमोदन एक अन्य मंत्री सुश्री सकीना मट्टू ने किया।

इसके पहले पीडीपी के विधायक वाहिद पर्रा ने विधानसभा सत्र के पहले दिन प्रदेश में अनुच्छेद 370 की पुनरवापसी का प्रस्ताव रखा था, जिसे सत्ताधारी दल ने प्रचार-हथकंडा बताया था। विधानसभा में आज पारित हुए प्रस्ताव में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर को प्राप्त विशेष दर्जे तथा संवैधानिक गारंटी दी जाए। प्रस्ताव में कहा गया है कि यह विधानसभा भारत सरकार से आग्रह करती है कि राज्य के विशेष दर्जे की बहाली के लिए प्रदेश के चुने हुए प्रतिनिधियों से बातचीत करे।

प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि विशेष दर्जे की बहाली में राष्ट्रीय एकता और जम्मू कश्मीर के लोगों की आकांक्षाओं का ख्याल रखा जाए। इस प्रस्ताव का भाजपा के नेता सुनील शर्मा ने विरोध करते हुए इसे अस्वीकार्य बताया। भाजपा के सभी 28 विधायकों ने सरकार के इस कदम को राष्ट्र-विरोधी एजेंडा करार देते हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा नेताओं ने सदन के वेल में आकर नारेबाजी की और यह राष्ट्र-विरोधी एजेंडा है, हम प्रस्ताव को अस्वीकार करते हैं, के नारे लगाए।

भाजपा नेता शाम लाल शर्मा सदन के वेल में टेबल पर चढ़ गए और कहा कि यह 1947 से जम्मू कश्मीर के लोगों की भावनाओं और भावनाओं के साथ खेलने की नेशनल कॉन्फ्रेंस की चाल है। शाम लाल शर्मा ने कहा कि कल, आप कुछ और भाषा बोल रहे थे। यह राजनीतिक नौटंकी नहीं चलेगी। शेख अब्दुल्ला से लेकर उमर अब्दुल्ला तक, जम्मू कश्मीर को भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल करना आम बात रही है। स्पीकर को स्वतंत्र होना चाहिए और किसी भी पार्टी का पक्ष नहीं लेना चाहिए।

भाजपा नेताओं ने शर्म करो, शर्म करो के नारे लगाए। सदन के वेल में भाजपा विधायकों ने जहां हुए बलिदान मुखर्जी, वो कश्मीर हमारा है, देश द्रोही एजेंडा नहीं चलेगा, 5 अगस्त जिंदाबाद, राष्ट्र विरोधी एजेंडा नहीं चलेगा, भारत माता की जय, जय श्री राम जैसे नारे लगाए। भाजपा के नेता प्रतिपक्ष ने नेशनल कॉन्फ्रेंस पर यह भी आरोप लगाया कि वह शंकराचार्य हिल्स का नाम बदलकर तख्त-ए-सुलेमानी करना चाहती है।

दारुल उलूम देवबंद के फतवे पर मचा है सवाल

बैंक कर्मचारियों का वेतन हराम, उनसे शादी न करें

देवबंद, 06 नवंबर (एजेंसियां)। इस्लामिक संस्था दारुल उलूम देवबंद द्वारा जारी किया गया फतवा तूल पकड़ता जा रहा है। देवबंद ने मुसलमानों को बैंक कर्मचारियों से या उनके बच्चों से निकाह करने से मना किया है क्योंकि उनकी तनख्वाह ब्याज की कमाई से आती है।

फतवे में कहा गया है कि बैंक कर्मचारियों की कमाई हराम है, क्योंकि इस्लाम में ब्याज को हराम माना गया है।

यह फतवा अब न केवल मजहबी बल्कि सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर भी विवाद का विषय बन चुका है।

इस फतवे को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने इस फतवे पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने यह सवाल उठाया है कि मदरसों को सरकारी फंडिंग मिलती है, और यह फंडिंग ब्याज की कमाई से आती है, तो क्या मौलानाओं की लाखों रुपए की तनख्वाह भी हराम नहीं है? उनका कहना था कि अगर बैंक कर्मचारियों की मेहनत की कमाई हराम है, तो मदरसों को मिलने वाली सरकारी फंडिंग से मौलानाओं की तनख्वाह का क्या होगा?

प्रियंक कानूनगो का यह भी कहना है कि दारुल उलूम देवबंद जैसे संस्थानों का उद्देश्य आम मुसलमान के बच्चों की शिक्षा और तरक्की में रुकावट डालना हो सकता है। सरकार से मदरसा को फंडिंग मिलती रहे इसके लिए सुप्रीम कोर्ट में महंगे-महंगे कांग्रेसी वकील खड़े किए हैं। मदरसा दारुल उलूम देवबंद और अन्य मजहबी संस्थान सरकारी फंडिंग प्राप्त करते हैं, और यह फंडिंग ब्याज की कमाई से आती है। अगर बैंक कर्मचारियों की तनख्वाह हराम मानी जाती है, तो उन फंडिंग से प्राप्त मौलानाओं की तनख्वाह को क्या माना जाएगा? यह एक बड़ा सवाल है।

कर्नाटक सरकार के आबकारी मंत्री पर घूस लेने का आरोप

बेंगलुरु, 06 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के शराब विक्रेताओं ने राज्य के आबकारी मंत्री आरबी तिम्मापुर पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। कर्नाटक के वाइन मर्चेंट्स असोसिएशन ने आरोप लगाया है कि तिम्मापुर के दफ्तर में 16 करोड़ की रिश्वत अधिकारियों के तबादले के लिए ली गई।। असोसिएशन ने इसको लेकर राज्यपाल, मुख्यमंत्री और लोकायुक्त को पत्र लिखा है।

असोसिएशन ने आरोप लगाया कि 16 करोड़ की रिश्वत 45 छोटे-बड़े अफसरों के तबादले के लिए ली गई। यह आरोप भी लगाया कि तिम्मापुर का विभाग खुलेआम शराब की दुकानों से वसूली कर रहा है। असोसिएशन ने मंत्री पर अवैध रूप से शराब लाइसेंस देने का आरोप भी जड़ा है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में 300 से 700 करोड़ तक का भ्रष्टाचार हुआ है। उन्होंने इस मामले में जांच की मांग की है। भाजपा भी इस मामले में सिद्दारमैया सरकार पर हमलावर हो गई है।

भारतीय कंपनी लोकेश मशीन पर बाइडेन ने लगाया प्रतिबंध

भारतीय सेना खरीदेगी लोकेश की बनी अस्मि पिस्तौलें

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने 30 अक्टूबर को रूस के साथ व्यापारिक रिश्ते रखने पर 19 भारतीय कंपनियों और व्यक्तियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की थी। अमेरिका द्वारा प्रतिबंधित कंपनियों में हथियार निर्माता लोकेश मशीन्स लिमिटेड भी शामिल है। भारतीय सेना ने उत्तरी कमान की विभिन्न लड़ाकू इकाइयों के लिए उसी लोकेश मशीन्स लिमिटेड की बनी 550 अस्मि पिस्तौलों को सेना में शामिल करने की घोषणा की है।

भारतीय सेना ने अस्मि पिस्तौल की उपयोगिता और गुणवत्ता की तारीफ की है। भारतीय सेना के कर्नल प्रसाद बंसोड़ द्वारा डीआरडीओ के सहयोग से विकसित इस हथियार का निर्माण हैदराबाद स्थित लोकेश मशीन्स लिमिटेड द्वारा किया जा रहा है। सेना ने कहा कि यह 100 प्रतिशत भारतीय है और बेहद कारगर है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत ने पाकिस्तान को फिर लगाई लताड़

कश्मीर मुद्दा उठाने पर हुई सार्वजनिक किरकिरी

नई दिल्ली, 06 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे को अनावश्यक रूप से उठाने के पाकिस्तान के बार-बार के प्रयासों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने पड़ोसी देश को खरीखोटी सुनाते हुए कहा कि पाकिस्तान का प्रतिनिधिमंडल लगातार कश्मीर मुद्दे को उठाने की कोशिश करता है। साथ ही गलत जानकारी फैलाता है, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। उन्होंने कहा, एक बार फिर पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने इस मंच का इस्तेमाल झूठ और फर्जी जानकारी फैलाने के लिए किया है। झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाना इस प्रतिनिधिमंडल की आदत बन गई है। यहां तक कि इस मंच पर भी झूठ बोलता है। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूं कि वास्तविक लोकतांत्रिक देश अलग तरह से काम करते हैं। हाल ही में हुए स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में जम्मू-कश्मीर के लोगों ने रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। चाहे कितने भी झूठ फैलाए जाएं, जमीनी हकीकत नहीं बदलेगी।

यूएनजीए की चौथी समिति की आम बहस में, राज्यसभा सांसद राजीव शुक्ला ने कहा, एक प्रतिनिधिमंडल ने फिर से झूठी और फर्जी जानकारी फैलाने के लिए इस सम्मानित मंच का इस्तेमाल किया है। इस प्रतिनिधिमंडल के लिए इस मंच पर गलत और भ्रामक जानकारी का सहारा लेना आदत बन गई है। यह प्रतिनिधिमंडल दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को इसी तरह के मानदंडों का उपयोग करके मापता है। उन्होंने कहा, वास्तविक लोकतंत्र अलग तरह से काम करते हैं। हाल ही में संपन्न स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में जम्मू-कश्मीर के लोगों ने रिकॉर्ड संख्या में मतदान किया। कोई भी गलत या भ्रामक सूचना जमीनी हकीकत को नहीं बदल सकती। मैं इस प्रतिनिधिमंडल से आग्रह करता हूं कि वह अपने विभाजनकारी राजनीतिक एजेंडे के लिए इसका इस्तेमाल करने के बजाय इस मंच में अधिक रचनात्मक रूप से शामिल हों।

भारत-अमेरिका ने की रक्षा क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा

नई दिल्ली, 06 नवम्बर (एजेंसियां)। भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग समूह (एमसीजी) की 21वीं बैठक में यहां रक्षा क्षेत्र में सहयोग की समीक्षा की गई। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यहां बताया कि आज यहां संपन्न हुई दो दिन की इस बैठक में क्षमता निर्माण, प्रशिक्षण आदान-प्रदान, रक्षा औद्योगिक सहयोग और पारंपरिक तथा हाइब्रिड खतरों के लिए तैयारियों को बढ़ावा देने वाले संयुक्त अभ्यासों की प्रगति सहित कई विषयों पर चर्चा की गई।

बैठक की सह-अध्यक्षता भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल जेपी मैथ्यू और अमेरिका का प्रतिनिधित्व करने वाले यूएस इंडो-पैसिफिक कमांड के डिप्टी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल जोशुआ एम रुड ने की। दोनों देशों के वरिष्ठ अधिकारियों ने मौजूदा पहलों की समीक्षा करने के साथ साथ सहयोग के नए क्षेत्रों की संभावनाओं का पता लगाया। दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा साझेदारी के महत्व पर जोर दिया और सक्रिय जुड़ाव तथा बढ़ी हुई अंतर-संचालन क्षमता के माध्यम से इस रणनीतिक संबंध को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने हिन्द प्रशांत क्षेत्र की गतिशील चुनौतियों की साझा समझ के साथ भारत-अमेरिका सैन्य सहयोग के दायरे का विस्तार करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।

इस मंच का उद्देश्य रक्षा सहयोग को बढ़ाना तथा दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच रणनीतिक और परिचालन रक्षा सहयोग को बढ़ावा देना है। एमसीजी बैठक क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा सुनिश्चित करने, उभरते खतरों का मुकाबला करने तथा आपसी क्षमताओं का निर्माण करने के लिए भारत और अमेरिका के साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने की दिशा में एक कदम है।

राष्ट्रपति मुर्मू आज विमानवाहक पोत विक्रांत पर सवार होकर देखेंगी नौसेना की ताकत

नई दिल्ली, 06 नवम्बर (एजेंसियां)। तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु गुरुवार को स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार होंगी और समुद्र में नौसेना के विभिन्न अभियानों को देखेंगी।

नौसेना प्रवक्ता ने बुधवार को यहां बताया कि नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी आईएनएस हंसा (गोवा में नौसेना वायु स्टेशन) पर राष्ट्रपति की अगवानी करेंगे और 150 जवानों का औपचारिक सलामी गारद पेश करेंगे। इसके तुरंत बाद राष्ट्रपति गोवा के तट पर स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार होंगी। यह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु की स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार होकर बहु-क्षेत्रीय नौसेना अभियानों की पूरी श्रृंखला देखने की पहली यात्रा है। इन अभियानों में सतह जहाजों के अभियान, युद्ध कार्रवाई, पनडुब्बी अभ्यास, डेक-आधारित लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों द्वारा उड़ान भरने और उतरने सहित वायु शक्ति प्रदर्शन और नौसेना के विमानों द्वारा फ्लाईपास्ट शामिल हैं।

तटरक्षक बल के डिजिटल डाटा सेंटर की रखी गई आधारशिला

नई दिल्ली, 06 नवम्बर (एजेंसियां)। भारतीय तटरक्षक बल के उप महानिदेशक (नीति एवं योजना), महानिरीक्षक आनंद प्रकाश बडोला ने यहां महिपालपुर में प्रोजेक्ट डिजिटल कोस्ट गार्ड (डीसीजी) के टियर- 3 डेटा सेंटर की आधारशिला रखी।

तटरक्षक बल ने बुधवार को यहां बताया कि नवीनतम तकनीक से लैस, प्रोजेक्ट डीसीजी का टियर- 3 डेटा सेंटर सभी अनुप्रयोगों और महत्वपूर्ण सूचना प्रौद्योगिकी संसाधनों की निगरानी और प्रशासन के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में काम करेगा, जिससे तटरक्षक बल के प्रशासनिक कामकाज में बड़ी मदद मिलेगी। टेलीकम्युनिकेशंस कंसल्टेंट्स इंडिया लिमिटेड द्वारा क्रियान्वित इस परियोजना में अत्याधुनिक डेटा सेंटर का निर्माण, कर्नाटक के न्यू मैंगलोर में आपदा रिकवरी डेटा सेंटर और जहाजों सहित आईसीजी स्थानों के बीच अखिल भारतीय कनेक्टिविटी और एंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग एप्लिकेशन का कार्यान्वयन भी शामिल है।

एलएमवी लाइसेंस धारक 7,500 किग्रा से कम वजन वाली गाड़ी चलाने का हकदार

नई दिल्ली, 06 नवम्बर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कहा कि हल्का मोटर वाहन (एलएमवी) लाइसेंस धारक 7500 किलोग्राम से कम वजन वाले माल या सवारी गाड़ी भी चला सकते हैं।

मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति पंकज मिथल और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि इससे उन हल्के मोटर वाहन धारकों को अपने बीमा दावा करने में मदद मिलेगी, जो 7500 किलोग्राम से कम वजन वाले वाहन को चलाते हुए पाए जाते हैं। पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए

कहा कि इस दलील के विपरीत कोई आंकड़ा नहीं पेश नहीं किया गया है।

पीठ की ओर से फैसले के अंश पढ़ते हुए न्यायमूर्ति रॉय ने कहा कि लाइसेंसिंग व्यवस्था हमेशा एक जैसी नहीं रह सकती, क्योंकि उसे (पीठ को) उम्मीद है कि मौजूदा खामियों को दूर करने के लिए कानून में उपयुक्त संशोधन किए जाएंगे। शीर्ष अदालत ने सड़क सुरक्षा को वैश्विक स्तर पर एक गंभीर सार्वजनिक मुद्दा बताते हुए कहा कि भारत में सड़क दुर्घटनाओं की वजह से 1.7 लाख लोग मारे गए हैं। पीठ ने अपने फैसले में सीट बेल्ट नियमों का पालन न करने, मोबाइल का उपयोग करने, नशे में होने आदि जैसे कारणों का जिक्र करते हुए यह भी बताया कि वाहन चलाने के लिए विशेष कौशल की आवश्यकता होती है, लेकिन यह कहना कि यह (दुर्घटना) हल्के मोटर वाहन चालकों के कारण हुआ, निराधार है।

पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि सड़क सुरक्षा को कानून के सामाजिक उद्देश्य के साथ संतुलित किया जाना चाहिए और वह संविधान पीठ में सामाजिक नीति के मुद्दों पर फैसला नहीं कर सकती है।

इस परिप्रेक्ष्य में अदालत ने केंद्र से पूछा कि क्या इस कानूनी सवाल पर कानून में बदलाव की आवश्यकता है कि क्या हल्के मोटर वाहन (एलएमवी) ड्राइविंग लाइसेंस रखने वाला व्यक्ति किसी विशेष वजन के परिवहन वाहन को चलाने का हकदार है।

डेपसांग में गश्त को लेकर किसी तरह की बाधा नहीं: सेना

नई दिल्ली, 06 नवम्बर (एजेंसियां)। सेना ने बुधवार को स्पष्ट किया कि भारत और चीन के सैनिक पूर्वी लद्दाख के डेपसांग में गश्त को लेकर बनी आम सहमति का पालन कर रहे हैं और किसी भी पक्ष की ओर से इसमें बाधा उत्पन्न नहीं की जा रही है।

सेना ने एक अंग्रेजी दैनिक में डेपसांग में गश्त बहाल करने पर बातचीत बाधित हुई शीर्षक से प्रकाशित समाचार पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि गत 21 अक्टूबर को बनी सर्वसम्मति के आधार पर, दोनों पक्षों ने प्रभावी ढंग से सैनिकों को पीछे हटाया है । भारतीय पक्ष ने अपने पारंपरिक गश्त वाले क्षेत्रों में गश्त फिर से शुरू कर दी है। दोनों पक्ष आम सहमति का पालन कर रहे हैं और

किसी भी पक्ष द्वारा कोई बाधा उत्पन्न नहीं की गई है। सेना ने कहा है कि यह स्पष्ट किया जाता है कि इस अंग्रेजी दैनिक में बुधवार को प्रकाशित लेख काल्पनिक और तथ्यों से परे है।

सेना ने मीडिया से अनुरोध किया है कि वह ऐसे संवेदनशील लेख प्रकाशित करने से पहले तथ्यों को सत्यापित कर लें।

उल्लेखनीय है की अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित खबर में कहा गया है कि गश्त के तौर तरीकों को लेकर भारत और चीन के सैन्य अधिकारियों के बीच बातचीत में गतिरोध उत्पन्न हो गया है। उल्लेखनीय है कि भारत और चीन के बीच करीब साढ़े चार वर्षों के गतिरोध के बाद 21 अक्टूबर को गश्त व्यवस्था को लेकर आम सहमति बनी थी, जिसके बाद दोनों पक्षों ने अपने-अपने सैनिकों को पीछे हटाया था और डेपसांग तथा डेमचोक दोनों क्षेत्रों में गश्त शुरू हो गई थी।

शुभ लाभ

महाराष्ट्र की तीन रैलियों में गरजे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

जिन्हें बजरंग बली पसंद नहीं, उन्हें जो पसंद हैं वहीं जाएं : योगी

औरंगाबाद को संभाजी नगर के रूप में पहचान मिलनी चाहिए

वाशिम/अमरावती/अकोला, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को महाराष्ट्र के चुनावी दौरे पर रहे। महाअघाड़ी पर बरसते हुए उन्होंने इसे 'महाअनाड़ी' गठबंधन बताया। अमरावती की जनसभा में सीएम योगी ने दो टूक कहा कि नवनीत राणा यहां हनुमान चालीसा के लिए भी संघर्ष कर रही थीं। त्रेतायुग में जब बजरंग बली रहे होंगे, तब इस्लाम नाम की वस्तु ही नहीं रही होगी। उन्होंने कहा कि किन कारणों से रामनवमी की शोभायात्रा निकालने और हनुमान चालीसा पढ़ने से रोका जाता है। जिन्हें बजरंग बली पसंद नहीं है, उन्हें जो पसंद हैं, वे वहीं जाएं। आखिर भारत में कौन भारतीय है, जो राम व बजरंग बली को नहीं मानता है।

सीएम योगी ने कहा कि चुनाव में दो महागठबंधन लड़ रहे हैं। एक तरफ पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा, शिव-सेना व एनसीपी का महायुति गठबंधन है तो दूसरी तरफ महाअघाड़ी के रूप में महाअनाड़ी गठबंधन है। जिसे देश, धर्म, राष्ट्रीयता, समाज-राष्ट्र में मूल्यों-आदर्शों के मर्यादाओं की चिंता न हो, वह अनाड़ी होता है। महाअनाड़ी गठबंधन यही कार्य कर रहा है। महाविकास अघाड़ी के लिए सत्ता भ्रष्टाचार, लूट-खसोट का जरिया है। राजनीतिक स्वार्थ के लिए आतंकवाद-नक्सलवाद को बढ़ावा देना इनका उद्देश्य है। महायुति गठबंधन मोदी जी के नेतृत्व में कहता है- तेरा वैभव अमर रहे मां- हम दिन चार रहें न रहें, महाअघाड़ी वाले कहते हैं कि मेरा वैभव अमर रहे मां- चाहे तुम रहो न रहो।

सीएम योगी ने कहा कि सत्ता आएगी और जाएगी, लेकिन हमारा भारत रहना चाहिए और मोदी जी के नेतृत्व में दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनना चाहिए। महाअनाड़ी गठबंधन भारत और भारतीयता के सम्मान व स्वाभिमान के साथ खेलने वाला है। कांग्रेस और एनसीपी के लोग कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। राम का विरोध करने वालों को भी अब राम याद आने लग गए। सीएम ने कहा कि 500 वर्ष बाद रामलला ने अपनी जन्मभूमि पर दीपावली व दीपोत्सव के साथ आनंद लिया है। सीएम योगी ने कहा कि शिवाजी महाराज का संघर्ष भारत के स्वाभिमान व सम्मान का संघर्ष था। औरंगजेब की सत्ता को चुनौती देने के लिए शिवाजी महराज आगरा गए थे। वहां म्यूजियम बन रहा था, जब मैं मुख्यमंत्री बना तो आगरा गया। वहां बताया गया कि यह मुगल म्यूजियम है और इसमें औरंगजेब से जुड़ी हुईं स्मृतियां रहेंगी। मैंने कहा कि औरंगजेब तो विदेशी आक्रांता था, उससे तुम लोगों का क्या संबंध है। इस म्यूजियम का नाम बदलो, इसका नाम छत्रपति शिवाजी की स्मृति में होगा।

सीएम योगी ने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस ने लंबे समय तक शासन किया, लेकिन कभी ईमानदारी से भारत और भारतीयता के बारे में नहीं सोचा। एक समय था, जब पाकिस्तान भारत में आतंकी वारदात करता था, पाकिस्तानी घुसपैठिए कभी भी भारत में बम विस्फोट करते थे, चीन भारत की सीमा का अतिक्रमण करता था। हम लोग मुद्दा उठाते थे तो कांग्रेस के लोग कहते थे कि बोलिए नहीं, संबंध खराब हो जाएंगे। उन्हें संबंधों की चिंता थी, देश की सुरक्षा की नहीं, पर आज मोदी के नेतृत्व का नया भारत है, सीमा पर अतिक्रमण करोगे तो राम नाम सत्य की ही यात्रा निकलेगी। विस्फोट करोगे तो जोरदार एयर स्ट्राइक व सर्जिकल स्ट्राइक होगी, जिससे उनका आका पाकिस्तान भी कांप उठेगा। कांग्रेस सरकार के समय राष्ट्रीय सुरक्षा दांव पर लगी थी, लेकिन मोदी के नेतृत्व में नया भारत अपमान का घूंट पीकर चुपचाप नहीं बैठता है। सीएम ने कहा कि तीन दिन पहले का समाचार पढ़ा होगा कि चीन की सेना पीछे हट रही है और भारतीय सेना बॉर्डर पर गश्त कर रही है।

सीएम योगी ने बताया कि वे जम्मू-कश्मीर चुनाव में जम्मू एयरपोर्ट पर उतरे तो एक मौलवी ने राम-राम किया, मैं समझा नहीं, फिर उसने कहा कि योगी जी राम-राम।

यह देख एयरपोर्ट के अधिकारी भौचक हुए तो मैंने कहा कि आश्चर्य न कीजिए, यह धारा-370 हटने का इफेक्ट है। सीएम योगी ने कहा कि जब श्रीराम वन के लिए प्रस्थान कर रहे थे तो निषादराज ने सबसे पहले अपने राज्य में शरण दी थी। कहा कि आप राजा और मैं सेवक के रूप में कार्य करूंगा, तब श्रीराम ने कहा था कि मैं पिता की आज्ञा का पालन करने जा रहा हूं। हमारी मित्रता है, लेकिन मुझे किसी राज्य में नहीं, बल्कि वन में रहना है। उन्होंने कहा कि आप अयोध्या के बाहर कहीं भी रह सकते हैं, तब श्रीराम ने कहा कि नहीं, यह मेरे लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन आने वाली पीढ़ी क्या कहेगी। प्रभु राम निषादराज के साथ मित्रता निभाते हैं, लेकिन उनके राज्य में राज का सुख नहीं भोगते। सुग्रीव-विभीषण को सत्ता दिलाई, लेकिन एक भी दिन राजमहल में नहीं गए। यह भगवान राम का त्याग और आदर्श है, इसलिए राम हमारे रग-रग में हैं। हम सदैव एक ही नाम स्मरण करते हैं-श्रीराम का।

सीएम योगी ने कहा कि नया भारत न डिगता-झुकता है और न ही पीछे हटता है, बल्कि 140 करोड़ लोगों की सुरक्षा व समृद्धि के लिए कार्य कर रहा है। जब रामलला विराजमान हो रहे थे तो मोदी जी ने कहा था कि यह तो सिर्फ शुरुआत है। अयोध्या ही नहीं, अब हम काशी और मथुरा की तरफ भी बढ़ चुके हैं। सीएम योगी ने कहा कि छत्रपति शिवाजी ने जिस दुष्ट अफजल को मार गिराया था, उसके नाम पर रखे औरंगाबाद का नाम हटना चाहिए। इसे संभाजी नगर के रूप में पहचान मिलनी चाहिए। छत्रपति शिवाजी महाराज ने हर भारतवासी को जोड़ा था। उनसे प्रेरणा लेकर ही मैं बार-बार कहता हूं कि बंटिए मत, जब भी बंटे थे तो कटे थे। एक हैं तो नेक-सेफ हैं। एक रहेंगे तो शोभायात्रा पर कोई पथराव नहीं करेगा, बल्कि आपके आगे-आगे झाड़ू लगाकर सफाई करते जाएगा। लड़ना और बंटना नहीं है, बल्कि एकजुट होकर महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन को जिताना है और महाअनाड़ी गठबंधन को हराना है।

तिवसा में सीएम योगी ने कहा कि भारत में जब भी पर्व-त्योहार या शोभायात्रा निकलती है तो कुछ लोग गर्व व श्रद्धा की बजाय पाकिस्तान का झंडा लहराते दिखाई देते हैं। भारत की चिंता करने की बजाय पाकिस्तान व फिलीस्तीन के लिए घड़ियाली आंसू बहाते हैं। भारत के अंदर हमारे लिए सिर्फ राष्ट्रधर्म होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि जब भी देश में संकट आता है तो कांग्रेस के नेता बाहर जाकर पिकनिक मनाते हैं। संकट के समय राहुल गांधी भारत में नहीं, इटली में होते हैं। दुनिया में जाकर भारत को कोसने में कोताही नहीं बरतते हैं। कांग्रेस ने अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों को आरक्षण से वंचित करने के लिए षडयंत्र किए थे।

सीएम ने महापुरुषों व संतों को किया याद

सीएम योगी ने तीन ज्योतिर्लिंग की धरा महाराष्ट्र को प्रणाम किया। सीएम योगी ने हिंदवी स्वराज के संस्थापक छत्रपति शिवाजी, बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर, सावित्रीबाई फूले, मां जीजाबाई, समर्थ गुरु रामदास, महात्मा फूले, वीर सावरकर, तानाजी महाराज, संभाजी महाराज, तात्या टोपे, लोकमान्य तिलक आदि महापुरुषों का स्मरण किया। उन्होंने कहा कि इस धरा ने कई शौर्यवीरों, संतों व समाज सुधारकों को दिया है। इस धरा पर विधर्मी कहां ठहरने वाले हैं।

केजीबीवी की छात्राओं में आत्मविश्वास भर रही योगी सरकार

लखनऊ, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश सरकार शैक्षणिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सशक्त व आत्मनिर्भर बनाने के लिए विशेष प्रयास कर रही है। इस क्रम में, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) एक बड़ा माध्यम साबित हो रहा है जिसके जरिए प्रदेश की हजारों बेटियां शिक्षा, खेल और प्रशासनिक क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। इन प्रयासों के बल पर बेटियां न केवल पढ़ाई में बल्कि खेलकूद व प्रतियोगी परी-क्षाओं में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। इससे उनमें गुणों का संचार और आत्मविश्वास में वृद्धि हो रही है तथा वह समाज में एक नई भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रही हैं।

राज्य सरकार शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों की बालिकाओं को शिक्षा की मुख्यधारा में जोड़ने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। इसी के परिणामस्वरूप केजीबीवी में पढ़ाई कर रही बालिकाएं अब प्रगति की सीढ़ियां चढ़ रही हैं और न केवल खेलकूद, क्विज बल्कि विभिन्न प्रतियोगी परीक्ष-ाओं में अपनी योग्यता साबित कर प्रशासनिक पदों पर भी चयनित हो रही हैं। राज्य स्तर पर भी चमक रही हैं बालिकाएं योगी सरकार के प्रयास का ही प्रतिफल है कि अमरोहा की निधि ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की परीक्षा में 39वीं रैंक हासिल कर एसडीएम के रूप में चयनित हुई हैं और अपनी कार्यशैली से प्रदेश का मान बढ़ा रही हैं। उन्नाव की केजीबीवी में पढ़ाई करने वाली अर्चना देवी ने अंडर-19 महिला क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। महोबा की केजीबीवी की छात्रा निदा खातून ने भी नीट परीक्षा पास कर एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त की और अब चिकित्सा क्षेत्र में लगातार आगे की ओर अपना कदम बढ़ा रही हैं।

वर्ष 2024-25 की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में केजीबीवी की बालिकाओं ने शानदार प्रदर्शन किया है। अंडर-14 फुटबॉल में उपविजेता का खिताब जीता। वहीं, राष्ट्रीय फुटबॉल टीम में अंडर-14 और अंडर-17 वर्ग में चार-चार बालिकाओं का चयन हुआ है। इसके अलावा, गतका मार्शल आर्ट में बालिकाओं ने 2 रजत और 2 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। इसी तरह जूडो और कुश्ती में भी एक-एक रजत और कांस्य पदक जीते गए। थांगता मार्शल आर्ट में 2 स्वर्ण पदक जीतकर बालिकाओं ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपनी जगह बनाई है। केजीबीवी की बालिकाओं को गाइड का प्रशिक्षण देकर उनमें आत्मनिर्भरता और नेतृत्व क्षमता का विकास किया जा रहा है। उच्चीकृत केजीबीवी विद्यालयों में एनसीसी यूनिट स्थापित करने के लिए एनसीसी निदेशालय से भी अनुरोध किया गया है, ताकि बालिकाएं सेना और अन्य रक्षा सेवाओं में करियर बना सकें।

शारीरिक और मानसिक विकास के लिए केजीबीवी की बालिकाओं को खेलकूद में भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। केजीबीवी को राज्य स्तरीय खेल यूनिट के रूप में मान्यता दी है। यहां बालिकाएं फुटबॉल, जूडो, कुश्ती, गतका जैसे खेलों में भाग लेकर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं। वर्ष 2004-05 में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय (केजीबीवी) की स्थापना गरीब परिवारों की बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा और आवासीय सुविधा प्रदान करने के लिए की गई थी। इसका उद्देश्य वंचित वर्गों की बालिकाओं को शिक्षा का अधिकार देना था।

योगी सरकार के गठन के साथ 2017 में इस योजना को और अधिक गति मिली। अनुसूचित जाति, जनजाति, अल्पसंख्यक समुदाय और अन्य पिछड़े वर्गों की बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के प्रयास तेज किए गए। गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की उन बालिकाओं को भी शिक्षा की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया गया, जिन्होंने स्कूल छोड़ दिया या कभी स्कूल नहीं गईं। योगी सरकार के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह का कहना है कि केजीबीवी में पढ़ाई करने वाली गरीब परिवारों की बेटियों के उन्नयन के लिए सरकार कृत-संकल्पित है। अब सरकार ने 2025-26 तक सभी केजीबीवी को कक्षा 12 तक उच्चीकृत करने का लक्ष्य रखा है। अब तक 680 विद्यालयों का उच्चीकरण हो चुका है, जहां कक्षा 6 से 12 तक की बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षा और आव-ासीय सुविधा प्रदान की जा रही है। वर्तमान में यूपी में 746 केजीबीवी हैं, जिनमें कुल 81,280 बालिकाएं नामांकित हैं, जो अपने करियर को आगे बढ़ाने में सक्षम हो रही हैं।

महाकुंभ 2025 : महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी

प्रयागराज, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

महाकुंभ 2025 के वृहद आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रतिबद्ध योगी सरकार हर आपात स्थिति से निपटने की तैयारी कर रही है। दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में परिंदा भी पर न मार सके, इसके लिहाज से स्वास्थ्य कर्मियों के साथ एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की कई टीमें मिलकर काम कर रही हैं। महाकुंभ से पहले केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर प्रॉब्लम से निपटने के लिए भी टीम को तैयार कर लिए जाने की योजना है। इसके लिए बाकायदा कर्मचारियों को हर आपदा से निपटने की विधिवत ट्रेनिंग दी जाएगी। यही नहीं योगी सरकार के निर्देश पर श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए भी प्रयागराज के अस्पतालों को स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी अपग्रेड करने में लगे हैं।

संयुक्त निदेशक (चिकित्सा स्वास्थ्य) प्रयागराज वीके मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ के दौरान स्वास्थ्य विभाग सभी इंतजाम पुख्ता करने में जुटा है। इसके तहत कर्मचारियों को महाकुंभ में हर आपात स्थिति से निपटने की ट्रेनिंग दी जाएगी। महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के मेडिकल टेस्ट के लिए टीबी सप्रू और स्वरूपरानी अस्पताल को तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम के साथ स्वास्थ्य कर्मियों के मिलकर काम करने की योजना बनाई गई है। सनातन धर्म के सबसे बड़े आयोजन के दौरान हर एक श्रद्धालु को केमिकल, बायलॉजिकल, रेडिएशनल और न्यूक्लियर संबंधी हर प्रॉब्लम से सुरक्षित रखने के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं।

महाकुंभ के दौरान देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की देखरेख के लिए 291 एमबीबीएस व स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की तैनाती रहेगी। इसके अलावा 90 आयुर्वेदिक और यूनानी विशेषज्ञ भी इस अभियान में सहयोग के लिए मौजूद रहेंगे। साथ ही 182 स्टॉफ नर्स इन चिकित्सकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर जरूरतमंदों के स्वास्थ्य की देखभाल करेंगी। इस प्रक्रिया में ज्यादातर अनुभवी चिकित्सकों को ही महाकुंभ के दौरान तैनाती दी जा रही है।

कुम्भ में मुस्लिमों पर बैन लगा तो हिंदुओं को दरगाह में घुसने नहीं देंगे

संभल, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के संभल से समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि आगामी महाकुम्भ मेले में मुस्लिमों पर प्रतिबन्ध लगाया गया तो वह लोग भी हिंदुओं को दर-गाहों में नहीं घुसने देंगे। बर्क ने कहा कि अगर प्रतिबन्ध लगा तो मुस्लिमों के धार्मिक स्थानों में एंट्री न देने पर विचार हो सकता है।

बर्क का बयान अखाड़ा परिषद की उस मांग के बाद आया है जिसमें महाकुम्भ के दौरान मुस्लिमों को दुकान न देने की मांग की गई थी।

अखाड़ा परिषद के साथ ही पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री बागेश्वर बाबा ने भी इस मांग का समर्थन किया है।

कुछ विद्वानों ने कहा है कि जिस तरह सऊदी अरब हज यात्रा के दौरान हिंदुओं सहित गैर-मुसलमानों के लिए मक्का और मदीना में एंट्री पर बैन लगाता है, उसी तरह मुसलमानों को हिंदू धर्म के सबसे बड़े पवित्र आयोजन का सम्मान करना चाहिए और दूरी बनाए रखनी चाहिए।

महाकुंभ-2025: महाकुंभ से पहले चमकते नजर आएंगे हाईवे और रोड्स

प्रयागराज, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी सरकार महाकुंभ के अवसर को ऐतिहासिक बनाने पर जोर दे रही है। इसी क्रम में हाईवे से लेकर प्रयागराज सिटी को जोड़ने वाली सड़कों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप एनए-चएआई और पीडब्ल्यूडी हाईवे और सिटी को जोड़ने वाली सड़कों को चमकाने में जुट गए हैं। महाकुंभ 2025 के दौरान जब देश और दुनिया से करोड़ों श्रद्धालु सड़क मार्ग से होकर प्रयागराज पहुंचेंगे तो उन्हें चौड़ी सड़क के साथ ही निश्चित अवधि में मल्टीलिंग्वल साइनेज बोर्ड, ग्रीनरी और पेंटिंग नजर आएगी। यही नहीं, टोल प्लाजा के पास भी उन्हें तमाम सुविधाएं प्राप्त हो सकेंगी।

बुधवार को प्रयागराज मेला प्राधिकरण स्थित सभागार में एनएचएआई के चेयरमैन संतोष कुमार यादव ने प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात और प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान के साथ एनएचएआई के कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि महाकुंभ ऐतिहासिक अवसर है और इस दौरान हमें सिर्फ सड़क नहीं बनानी है,बल्कि उसे अच्छी और खूबसूरत भी बनाना है। प्रयागराज को जोड़ने वाली जितनी भी सड़कों पर काम चल रहा है उस पर सेफ्टी आर्डिटर्स लेकर अधिक से अधिक साइनेज लगाए जाएं। ब्यूटीफिकेशन का काम हो, पेंटिंग हो, लाइटिंग हों और इसे कैमरे से युक्त होना चाहिए। यही नहीं, रोड्स पर ऐसे साइनेज भी पर्याप्त मात्रा में होने चाहिए जो श्रद्धालुओं का स्वागत कर रहे हों।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में करोड़ों लोग आएंगे। रोड ऐसी हो कि जिसकी चमक श्रद्धालुओं को आनंदित करे। यह पूरी दुनिया के सामने अपने काम को शोकेस करने का शानदार जरिया है। उन्होंने अपने अधिकारियों से कहा कि जहां भी कैट्स आई लगानी हैं, लगाई जानी चाहिए। एंट्री गेट पर फ्लॉवरिंग होनी चाहिए। डिवाइडर पर पेंटिंग हो, ताकि फॉग के समय श्रद्धालुओं को समस्या न हो। एनएच की रोड लाइट्स चेक करके सुव्यवस्थित की जाएं। एनएचएआई के कंट्रोल रूम नंबर को हाईलाइट करें और साथ ही एनएचएआई के राजमार्ग यात्रा एप के विषय में भी लोगों को जागरूक करें, ताकि वो इसके माध्यम से अपनी यात्रा को सुगम बना सकें।

टोल प्लाजा को लेकर भी एनएचएआई चेयरमैन ने कहा कि कुंभ के रास्ते में पड़ने वाले टोल प्लाजा की लगातार मॉनीटरिंग होनी चाहिए। टोल प्लाजा सुंदर दिखाई देने चाहिए, ताकि लोगों को बेहतर अनुभव हो। यहां दी जाने वाली सुविधाओं को सुव्यवस्थित किया जाना चाहिए। टॉयलेट्स साफ सुथरे हों। टोल प्लाजा स्टाफ की हर हाल में बिहेवियरल ट्रेनिंग कराई जाए। साथ ही टोल प्लाजा पर 3 शिफ्ट में ही कर्मचारी कार्य करें, ये सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त इंसिडेंट व्हीकल के साथ ही पर्याप्त संख्या में एंबुलेंस की व्यवस्था भी सुनिश्चित होनी चाहिए। इस अवसर पर मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, एडीजी भानु भाष्कर, मेलाधिकारी विजय किरण आनंद, डीएम रविंद्र कुमार मांदड़, एसएसपी कुंभ राजेश कुमार द्विवेदी समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हर रोज करिए 15 मिनट योग, कभी नहीं होंगे डिप्रेशन के शिकार

बोस्टन, एजेंसी। हफ्ते में दो बार योग और प्राणायाम करने से अवसाद के लक्षणों से उबरने में मदद मिलती है। इसका असर अवसाद की दवा लेने या नहीं लेने वाले पर समान रूप से होता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, अध्ययन से इस तथ्य को बल मिलता है कि योग, अवसाद का दवाओं से इलाज का विकल्प हो सकता है। इतना ही नहीं दवाओं से इलाज के साथ-साथ योग की पद्धतियां अपनाकर उपचार को और कारगर बनाया जा सकता है।

अमेरिका के बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के एसोसिएट प्रोफेसर क्रिस स्ट्रीटर ने कहा कि अवसाद के विकार को दूर करने में योग या प्राणायाम काफी मददगार होता है। जर्नल ऑफ ऑल्टरनेटिव एंड कॉम्प्लिमेंटरी मेडिसिन में प्रकाशित अध्ययन में आयंगर योग (योग का एक रूप) का इस्तेमाल किया गया, जिसमें आसन एवं श्वसन नियंत्रण में बारीकियों पर ध्यान दिया जाता है।

भारतीय परमाणु वैज्ञानिकों ने बनाई कैंसर की आयुर्वेदिक दवा

भाभा आण्विक अनुसंधान केंद्र (बार्क) के परमाणु ऊर्जा वैज्ञानिकों ने कैंसर रोगियों के लिए आयुर्वेदिक दवा का आविष्कार किया है। यह दवा फेफ ?ों और त्वचा के कैंसर के लिए बहुत असरकारी साबित हुई है। जैव कार्बनिक विभाग के वैज्ञानिक डॉ. वीएस पात्रो ने सोमवार को बताया कि बार्क में करीब तीन दशकों से आयुर्वेदिक औषधियों से कैंसर के उपचार पर शोध चल रहा है। इसमें कैंसर को लेकर दो महत्वपूर्ण दवाओं को खोजने में सफलता हासिल हुई है। एक दवा कीमोथैरेपी के दुष्प्रभावों और पी ?ा को कम करने के लिए है, जबकि दूसरी दवा रेडियोथेरेपी के दुष्प्रभावों को कम करती है। इसके अलावा बार्क के वैज्ञानिकों ने परमाणु दुर्घटना की स्थिति में अतिशय विकिरण के शिकार रोगियों के उपचार के लिए भी एक आयुर्वेदिक दवा तैयार की है।

मामूली कीमत पर मिलेगी दवा : डॉ. पात्रो ने बताया कि दुनिया में पहली बार खाने वाली गोली की शक्ल में कैंसर की औषधियां तैयार की गई हैं। इन सभी दवाओं की कीमत बहुत मामूली होगी।

पालन-पोषण

बच्चों को खाना खिलाने अपनाएं ये तरीके

छोटे बच्चों को बाजार की चीजें अधिक पसंद होती हैं। अक्सर बच्चे प्लेट में चावल, दाल, रोटी सब्जी देखकर खाने से मना कर देते है। ऐसे में उन्हें खाना परोसने और उनके लिए खाना बनाने में ये तरीके अपनाने चाहिए। बच्चे के खाने को आकर्षक तरीके से परोसें। ऐसा करने से आपकी बेहद साधारण डिश को भी बच्चा पूरे उत्साह के साथ खाएगा। बच्चों को रंग पसंद होते हैं।

कोशिश करें कि उनके खाने में तरह-तरह के रंग शामिल हों। साथ ही उन्हें तरह-तरह के शेप में बना डिश परोसें। अपने बच्चे के ऐसे दोस्तों को खाने पर घर बुलाएं जो खाने के मामले में नखरेबाज नहीं हैं। अपने दोस्तों को खाता देखकर आपका बच्चा भी अपने नखरे कम कर देगा। अगर आपका बच्चा हेल्दी और फिट है। उसकी लंबाई और वजन उम्र के हिसाब से ठीक है, तो खाने की उसकी आदतों की वजह से आप चिंता करना बंद कर दें। आप उसे किसी चीज को खाने के लिए जितना ज्यादा कहेंगी, वह उस खाने से उतना ही दूर भागता जाएगा।

खाना खाने के अनुभव को अपने बच्चे के लिए मजेदार बनाएं ताकि वह इस वक्त का बेसब्री से इंतजार करे। आप उसे खाने से जुड़ी कोई मजेदार कहानी सुना सकती हैं या फिर उसे बता सकती हैं कि आपको कोई चीज बचपन में पसंद नहीं थी, तो आपकी मां ने आपको वह डिश खिलानी कैसे शुरू की। पूरा परिवार एक साथ खाना खाए, इसे घर का नियम बनाएं। सबसे जरूरी यह है कि आप खुद हेल्दी खाना खाएं ताकि बच्चा आपको देखकर खुद में अच्छी आदतें विकसित कर सके।

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चे को वही खाना दिया जाए, जो डाइनिंग टेबल पर दूसरे लोग खा रहे हैं। अगर बच्चे के सामने आप विकल्प रखेंगी, तो वो नखरे ज्यादा करेगा। बच्चे को कोई खास चीज खाने की आदत न डलवाएं। शुरुआत में तो आपको परेशानी नहीं होगी, पर कुछ दिनों बाद देखेंगी कि बच्चा कोई और चीज खाने के लिए तैयार ही नहीं हो रहा है। खाने के मामले में उसके नखरों को शुरुआत से ही ज्यादा महत्व नहीं देना चाहिए।

युवाओं में बढ़ा शॉपिंग का फैशन

मानते है इससे कम होता है तनाव

आजकल युवा ऑनलाइन शॉपिंग से लेकर मॉल या बाजार में जाकर अपनी पसंद की चीजों की खरीददारी करते हैं। अक्सर उनका मानना होता है कि शॉपिंग, तनाव को दूर करने का कारगर टूल होता है। ऐसे में तनाव को दूर करने के लिए युवाओं में शॉपिग करने की प्रवृत्ति बढ़ी है। हालांकि कई मामलों में शॉपिंग तनाव करने का काम करने करती है, लेकिन अगर ये लत बन जाए, तो तनाव को कम करने के बजए बढ़ा सकती है। शॉपिंग करने से तनाव कम कैसे होता है, इसके बारे में मनोविज्ञानियों की राय है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हमारे पास खुद के लिए समय ही नहीं होता। धीरे-धीरे हमारा सामाजिक दायरा खत्म होता जाता है। शॉपिंग अप्रत्यक्ष रूप से किसी व्यक्ति को समाज से जोड़ती है, ऐसे में लोगों को ऐसा लगने लगता है कि शॉपिंग स्ट्रेस बस्टर है।

माहौल में बदलाव

प्रायः लोगों के साथ ऐसा होता है कि रोजमर्रा की जीवनशैली बहुत उकताऊ सी हो जाती है। ऑफिस, रूटीन काम और फिर वापस घर। इसलिए शॉपिंग लोगों के माहौल में बदलाव लाती है। वह बाहरी दुनिया से जुड़ते हैं। साथ ही उनका ध्यान भी कुछ देर के लिए रोजना की उबाऊ जिंदगी से हट जाता है।

अधिकांश लोगों के साथ ये समस्या होती है कि वे बदलते जमाने से कदमताल नहीं कर पाते। उन्हें बाहर के बारे में जो भी जानकारी मिलती है, वह भी अखबार, मैगजीन या इंटरनेट के द्वारा। ऐसे में वह हीन-भावना से ग्रसित हो जाता है, क्योंकि चीजों के बारे में जानकारी न होने के कारण लोगों के बीच में बैठने से कतराने लगता है।

» शॉपिग आत्मविश्वास बढ़ाने में भी कारगर साबित होती है। शॉपिंग के दौरान प्राय मनपसंद चीज की खरीदारी तनावमुक्त करती है। वह किसी को बीती बातों व कड़वी स्मृतियों से मुक्त करती है। अपनों को करीब लाने लिए की गई खरीदारी आपको उनके और करीब लाती है। उपहार खरीदकर देना संबंधित व्यक्तियों से भावनात्मक रूप से जोड़ता है और आपके संबंधों का मजबूत बनाता है।

» महिलाएं प्राय समूह में खरीदारी करने जाती हैं। वे खूब मोलभाव करती हैं, वेरायटी देखती हैं और चीजों को चुनने में अधिक समय लगाती हैं। इस बीच वे आपसी सुख-दुख और घर-परिवार के हालात पर भी चर्चा करती रहती हैं। एक दूसरे से बातें करने से तनाव कम होता है। आज के दौर में न्यूक्लियर फैमिली का चलन बढ़ा है। जिसकी वजह से अकसर लोग अकेलापन महसूस करते हैं। शॉपिंग उनके लिए लोगों से मिलने और उनके सुख-दुख में शामिल होने का माध्यम भी बन जाती है।

» मनोवैज्ञानिकों का ये मानना है कि जिन लोगों की कोई हॉबी नहीं होती, अक्सर उनके लिए शॉपिंग तनाव दूर करने का प्रमुख माध्यम बन जाती है। मनोवैज्ञानिक यह भी सलाह देते हैं कि अपनी हॉबी जरूर बनाएं, भले ही वह बागवानी हों, किताबों या म्यूजिक का कलेक्शन करना या फिर कोई वाद्ययंत्र बजना ही क्यों न हो।

» अनावश्यक वस्तुओं का संग्रह करना भी एक बीमारी है। यह एक ऐसी बीमारी है, जो किसी को भी हो सकती है। इस बीमारी को इंपल्स कंट्रोल डिसॉर्डर कहते हैं। यह क्लिप्टोमेनिया या पाइरोमेनिया जैसी बीमारियों की तरह ही होती है। इस रोग में लोग अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाते हैं।

» कई बार देखा गया है कि लोग दिखावे में ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि आमतौर पर कई लोग शॉपिग के इस फोबिया के शिकार हो जाते हैं। वह दूसरे की खरीदारी को देखकर अवसाद या डिप्रेशन की स्थिति में आ जाते हैं। वह अमुक व्यक्ति से खरीदारी के मामले में तुलना करने लगते हैं।

» वर्तमान में आम आदमी क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल पर्सनल मनी फ्रेंड के तौर पर करता है। ऐसे में आम आदमी बिना इस बात की चिंता किए कि जेब में पैसा हैं या नहीं, वह खरीदारी करता रहता है। इसकी वजह से लोग अपनी आर्थिक स्थिति से ज्यादा खरीदारी कर जाते हैं। बाद में ज्यादा बिल आने पर लोगों के लिए डिप्रेशन का कारण बन जाता है।

» अक्सर लोग कुछ देर की संतुष्टि के लिए शॉपिंग करते हैं, लेकिन बाद में उन्हें एहसास होता है कि उन्होंने उम्मीद से ज्यादा खरीदारी कर ली है और वह इसे लेकर आत्मग्लानि का शिकार हो जाते हैं। वह कहते हैं कि जरूरी है कि आप ध्यान, व्यायाम करें और साथ ही अनावश्यक खरीदारी की आदत पर स्वयं नियंत्रण रखे।

पैरेंटिंग टिप्स

नहीं है फ्रिज तो भी खराब नहीं होगी ये चीजें

मौसम बदल गया है और गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा टैंशन तब हो जाती है जब फ्रिज अचानक खराब हो जाए। इसके लिए परेशान करने वाली बात यह है कि फ्रिज में रखा खाना या और जरूरी चीजों को खराब होने से कैसे बचाया जाए। गर्मियों में तो कोई भी खाने की चीज फ्रिज के बिना नही रखी जा सकती। ऐसे में कुछ स्मार्ट टिप्स अपना कर इन चीजों को सही तरह से रख सकते हैं।

1. **दूध :** फ्रिज के बिना दूध को ठीक रखना है तो इसे उबाल कर रखें। उबाल कर रखा हुआ दूध जल्दी खरीब नहीं होता। जिस जगह पर दूध रख रहे हैं वहां पर पंखा चला दें।

2. **दही :** फ्रिज के बिना दही खट्टा हो जाता है। इसके बैक्टीरिया और भी जल्दी पनपने लगते हैं,जिससे स्वाद खराब हो जाता है। इसके लिए दही में 2-3 चम्मच शहद डाल दें। इसके बाद बिना फ्रिज के भी खराब नहीं होगा।

3. **जैम और सॉस :** फ्रिज में जगह की कमी के कारण जैम और सॉस की बोतल रखने की जगह नहीं रहती। इसके लिए आसान उपाय है कि कि जैम की बोतल को ठंडे पानी में रखें। जिससे यह खराब नहीं होगे।

4. **आटा :** कई बार टाइम की कमी के कारण हम ज्यादा आटा गूंथ लेते हैं। इसे फ्रिज में रखें बिना खराब हो जाता है। आप आटे को पॉलीथीन में अच्छे से कवर कर लें और इसे ठंड़े पानी में रख दें। ध्यान रखें कि पानी आटा के बीच में न जाए।

खान-पान

परीक्षा देने जाने से पहले खाएं केला

अक्सर कहा जाता है कि परीक्षा देने जाने से पहले दही खाना चाहिए। लेकिन परीक्षा देने से पहले अगर आप केले का सेवन करते है तो आपके लिए यह बहुत मददगार होगा। आयुर्वेद के जानकारों का ऐसा मानना है कि केले में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जिसके आधार पर ऐसा दावा किया जा रहा है। ऐसा माना जाता है कि केले में याददाश्त को दुरुस्त करने वाले जबरदस्त ताकत पाई जाती है। आयुर्वेद के जानकार केला में एक दर्जन से अधिक पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जो आपके शरीर को मजबूती के साथ-साथ दिमाग को भी तंदुरुस्त रखते है। इसके इस्तेमाल से ब्लडप्रेशर कंट्रोल में रहता है और गला भी कम ही सूखता है। इसलिए प्यास भी नहीं के बराबर लगती है। परीक्षा से पहले केला खाना अच्छा होता है। क्योंकि इसमें पाए जाने वाला पोटैशियम दिमाग को चुस्त और अलर्ट रखता है।

ऊर्जा के साथ-साथ, याददाश्त रहेगी मजबूत

» पोटैशियम की प्रचूरता की वजह से यह ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल रखता है।

» केला विटामिन बी6 का बढ़िया स्त्रोत है, जो नर्वस सिस्टम को मजबूत करता है। याददाश्त और दिमाग को तेज करता है। इसमें ट्राईप्टोफान एमिनो एसिड होता है, जो हार्मोन उत्पन्न करता है। इससे तनाव दूर रहता है और मूड अच्छा रहता है। केला खाने से खून में हीमोग्लोबीन बढ़ता है। इसलिए एनीमिया के रोगियों को केला अवश्य खाना चाहिए। केले में 100 कैलोरी और दूध में 80 कैलोरी पाई जाती है। इसलिए वजन कम करने के लिए इसका इस्तेमाल जरुरी है। इसमें थाईमिन, रिबोफ्लेविन, नियासिन, फोलिक एसिड, विटामिन ए, बी, बी6, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटैशियम पाए जाते हैं, जो शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाता है ओर शरीर में ताकत प्रदान करता है।

बिना सलाह न लें सप्लीमेंट्स

बरतें सावधानियां

अक्सर युवा जिम जाने पर ार सप्लीमेंट्स लेना शुरू कर देते हैं, पर क्या वाकई उन्हें इन सप्लीमेंट्स की जरूरत होती है। ऐसे सप्लीमेंट्स आपके लिए कितने उचित हैं और क्या आप सप्लीमेंट्स संबंधी आवश्यक सावधानी बरतते हैं?

जिम जाने का उद्देश्य

सबसे पहले इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि जिम जाने का उद्देश्य क्या है। आप फिट रहने के लिए जिम जा रहे हैं, पतला होने के लिए जिम जा रहे हैं, वहां जाकर तनाव कम करना चाहते हैं या प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जाने का निर्णय लिया है? यदि आप प्रोफेशनल बॉडी बिल्डिंग के लिए जिम जा रहे हैं, तभी आपको सप्लीमेंट्स लेने की जरूरत है अन्यथा आप केवल अच्छा आहार लेकर प्राकृतिक खान-पान से भी सप्लीमेंट्स की जरूरत पूरी कर सकते हैं।

प्रशिक्षक की सलाह

किसी को देख कर या किसी की होड़ में सप्लीमेंट्स का सेवन न करें। अगर आप किसी को देख कर सप्लीमेंट्स लेने के लिए उत्साहित होते भी हैं तो सबसे पहले अपने प्रशिक्षक की सलाह अवश्य लें, ताकि वह आपका सही मार्गदर्शन कर सकें।

भरोसेमंद से लें सलाह

यह भी गौर करना बहुत जरूरी है कि आप सप्लीमेंट्स के बारे में किससे सलाह ले रहे हैं। क्या वह वाकई में आपकी सेहत को ध्यान में रख कर सलाह दे रहा है। कोशिश करें कि सप्लीमेंट्स लेने के बारे में उसी व्यक्ति की बात मानें, जो भरोसेमंद हो।

बिल अवश्य लें

वर्कआउट वंडर्स जिम के प्रमुख व कोच जोगिन्दर सिंह सलूजा बताते हैं कि आजकल नकली सप्लीमेंट्स भी बहुत मिलते हैं, इसलिए सस्ते के चक्कर में ऐसे सप्लीमेंट्स भूल से भी न लें। सप्लीमेंट्स अच्छी दुकान से खरीदें और उनका बिल भी जरूर लें।

इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स

हमारे देश में इम्पोर्टेड सप्लीमेंट्स काफी मिलते हैं। सलूजा के मुताबिक, अगर युवा ऐसे सप्लीमेंट्स लेते हैं तो ध्यान दें कि जितनी मात्रा का सेवन उसमें लिखा हो, उसका तीस प्रतिशत कम मात्रा में सेवन करें, क्योंकि विदेश का मौसम और भारत के मौसम में बहुत फर्क होता है। यहां के मौसम के अनुसार सप्लीमेंट्स की मात्रा लें। इसके लिए संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर ले लें।

स्विमिंग के दौरान बालों की शाईन को यूं रखें बरकरार

स्विमिंग करना हमारे शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद माना जाता है। वहीं यदि स्विमिंग के दौरान हम अपने बालों की केयर नहीं करते तो हमें बालों की कई समस्याओं से जूझना पड़ सकता है। क्योंकि पानी में होने वाली गंदगी और बैक्टीरिया को खत्म करने के लिए क्लोरीन की काफी मात्रा स्विमिंग पूल में मिलाई जाती है। यह एक तरफ पानी को शुद्ध करने का काम करता है, तो वहीं काफी लंबे समय तक इसके पानी में रहने से पानी खराब भी हो जाता है। आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताएगें जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों को खराब होने से बचा सकते हैं।

स्विमिंग करने से पहले-

1. स्विमिंग करने से पहले आपको अपने बालों की सुरक्षा के लिए शॉवर जरूर लेना चाहिए। इससे बाल पहले ही शॉवर के पानी से गीले हो जाएगें और फिर स्विमिंग के दौरान क्लोरीन युक्त पानी से आपके बाल खराब होने से भी बच जाएगें।
2. स्विमिंग पूल में जाने से पहले आप अपने बालों में स्विमिंग कैप भी पहन सकते हैं।
3. आप अपने बालों में कंडीश्नर लगाएं। इससे आपके बाल कमजोर होकर टूटेंगे नहीं और साथ ही क्लोरीन युक्त पानी का असर भी बालों पर नहीं हो पाएगा।
4. यदि आपने अपने बालों पर कलर किया हुआ है तो ऐसे में आप अपने बालों पर किसी अच्छे से तेल की मसाज करके ही स्विमिंग करें क्योंकि स्विमिंग पूल में क्लोरीन आपके बालों को नुकसान पहुंचा सकता है।

स्वीमिंग के बाद-

1. स्विमिंग पूल से निकलने के बाद आप फिर दोबारा से शॉवर लें। इससे क्लोरीन के अंश पूरी तरह से आपकी त्वचा और बालों से निकल जाएगें।
2. स्विमिंग के पानी का असर खत्म करने के लिए आप किसी अच्छे शैम्पू का उपयोग कर क्लोरीन के असर को खत्म कर सकते हैं। आप इसकी जगह बेकिंग सोडा या सेब साइडर सिरके से भी बालों को धो सकते हैं। ये बालों की जड़ों की गदंगी को पूरी तरह से साफ कर देता है।
3. बालों को साफ करने के बाद आप या तो बालों को कंडीश्नर करें या फिर तेल की मसाज करें। अगर हो सके तो आप अपने बालों में ऐलोवेरा जेल भी लगा सकते हैं।

रेसिपी

रिबन पकौड़ा

- » 1 कप चावल का आटा
- » 2 चम्मच बेसन
- » 2 चम्मच चना दाल पाऊडर
- » 1/2 चम्मच अचवाइन
- » 1 चम्मच लाल मिर्च पाऊडर
- » नमक स्वादानुसार
- » तेल आवश्यकतानुसार

विधि

1. सबसे पहले एक कटोरे में चावल का आटा, नमक, बेसन, चना दाल पाऊडर, अजवाइन, लाल मिर्च पाऊडर और 2 चम्मच तेल डाल कर अच्छी तरह मिला लें।
2. अब थोड़ा थोड़ा पानी मिलाकर चकली के आटे की तरह गूथ लें।
3. इसके बाद कड़ाही में तेल गर्म करें। अब चकली मशीन में रिबन पको?ा बनाने वाला साचे को सेट करें। फिर उसमे आटे को भर कर गरम तेल में मशीन को हाथ से दबाते हुए लम्बा लम्बा गुमते हुए रिबन पकौड़ा बनाएं।
4. पकौड़ों को दोनों तरफ से गोल्डन ब्राउन होने तक तल लें।
5. आपका रिबन पकौड़ा तैयार है।

होममेड मसाला ओट्स

» 2 कप ओट्स » 1/2 प्याज » 1 चम्मच अदरक लहसुन पेस्ट » 1/2 चम्मच राई » 4 कढ़ी पत्ते » 2 हरी मिर्च » 1 टमाटर » 1 चुटकी हल्दी » 1 चम्मच गर्म मसाला » 2 गाजर » 100 ग्राम बींस »1/2 शिमला मिर्च » 1 चम्मच तेल » नमक स्वादानुसार

विधि

1. एक पैन में तेल गर्म करें और उसमें राई, कढ़ी पत्ते भूनें। 2. फिर प्याज हल्का ब्राउन होने तक भूनें। 3. इसके बाद अदरक लहसुन पेस्ट डाल कर 3 मिनट पकाएं। 4. एक अलग पैन में गाजर,बींस,शिमला मिर्च थोड़ा पानी और तेल डालकर गलने तक पकाएं। 5. अब प्याज भूने हुए पैन में कटे टमाटर, नमक, हल्दी और गर्म मसाला पाउडर डालें। 6. फिर इसमें पकी हुई सब्जियां पानी से छानकर डालें और अच्छे से हिलाएं। 7. इसमें ओट्स डाल कर ऊपर से सब्जियों का पानी डालें। 8. सारे मिक्सचर को अच्छे से हिलाते हुए 1 से 2 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। 9. मसाला ओट्स तैयार हैं आप इसे हरे धनिए सो गार्निश करके सर्व कर सकते है।

संपादकीय

क्या कनाडा 'खालिस्तान' है?

क्या कनाडा खालिस्तानी देश बन गया है? खालिस्तान समर्थक गुंडों और अतिवादियों ने जिस तरह दो हिंदू मंदिरों में घुस कर उत्पात मचाया। हिंसा में महिलाओं और बच्चों तक को नहीं छोड़ा। हिंसा के ऐसे सिलसिले जारी रहे, कनाडा के हिंदू मंदिरों पर हमले बढ़ते रहें, प्रधानमंत्री ट्रूडो खालिस्तानी अतिवादियों के खिलाफ एक भी शब्द न बोलें, कार्रवाई करना तो दूर की कौड़ी है, तो उस देश को क्या मानेंगे? जब 2021 में ट्रूडो तीसरी बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन स्पष्ट बहुमत नहीं मिल सका, तो उन्हें खालिस्तान समर्थकों के सहारे ही सरकार बनानी पड़ी। कनाडा में खालिस्तानी निरंकुश होते गए और सरकार में उनका दखल बढ़ता रहा। खालिस्तानी गुंडों ने गौरीशंकर, जगन्नाथ, विष्णु, लक्ष्मीनारायण और रामधाम आदि मंदिरों पर हमले किए। दैवीय समेत महात्मा गांधी की प्रतिमाओं को तोड़ा, गोलीबारी की और हिंदुत्व का अपमानित किया। कनाडा में करीब 9.5 लाख हिंदू रहते हैं। अधिकतर कनाडा के ही नागरिक हैं। जाहिर है कि वे अल्पसंख्यक भी हैं। आश्चर्य है कि कनाडा समेत अमरीका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सरीखे बड़े देश इन हमलों के मद्देनजर न तो हिंदुओं के मानवाधिकार और अभिव्यक्ति की आजादी की बात करते हैं और न ही खालिस्तानी अतिवाद की भत्सना करते हुए कनाडा का विरोध करते हैं। इन सभी देशों के साथ भारत के 'रणनीतिक साझेदार' के संबंध हैं और रहे हैं। यदि ऐसी ही हिंसा भारत में हो जाए, तो सभी पश्चिमी देश मुसलमानों और ईसाइयों के सामाजिक मानवाधिकारों का प्रलाप करने लगेंगे। भारत को नसीहत देने लगेंगे और कुछ चेतावनी भी। सवाल यह है कि कनाडा में खालिस्तान के हमलावर समर्थकों को हिंदुओं से ऐसी नफरत क्यों है कि वे मंदिरों पर लगातार हमले कर रहे हैं और श्रद्धालुओं के साथ मारपीट भी करते हैं? ऐसी कोई परंपरागत दुश्मनी भी नहीं है। दोनों समुदाय मूलतः भारतीय हैं। सिखों की मानसिकता तो धर्मनिरपेक्ष है और अधिकतर सिख 'खालिस्तान' के पक्षधर और समर्थक भी नहीं हैं। बीते रविवार को जो हंगामा हुआ, हिंसा की गई, उसमें भारत के राष्ट्रीय ध्वज 'तिरंगे' का भी कुचल-कुचल कर अपमान किया गया। खालिस्तान न तो कोई देश है, न ही उसका कोई संविधान है और न ही उसका कोई अधिकृत झंडा है, लेकिन कनाडा की पुलिस खालिस्तान के कथित झंडे की ऐसी सुरक्षा कर रही थी मानो वह मान्यता प्राप्त देश का राष्ट्रीय ध्वज हो! उस झंडे के लिए हिंदुओं को हड़काया जा रहा था कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। बहरहाल 'वैश्विक मानव स्वतंत्रता सूचकांक' में कनाडा का स्थान 13वां है। धार्मिक आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को वहां बड़ा महत्व दिया जाता रहा है। फिर ये हिंदू पूजास्थलों पर हमले और हिंसा क्यों किए जा रहे हैं? दरअसल भारत-कनाडा के राजनयिक रिश्ते इतने बिगड़ चुके हैं कि दोनों देशों ने, अन्य देश के, राजनयिकों को देश से निकाल दिया। दोनों ने अपने-अपने उच्चायुक्तों को भी वापस बुला लिया। भारत ने उनकी सुरक्षा के संदर्भ में ट्रूडो सरकार पर भरोसा नहीं किया। कनाडा ने भारत को उस श्रेणी के देशों में डाल दिया है, जिसमें ईरान और उत्तरी कोरिया जैसे देश हैं। क्या खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या से ही दोनों देशों के संबंध इतने बिगड़े हैं? कनाडा आज तक एक भी सबूत नहीं दे पाया है कि निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंसियों का हाथ था। बल्कि अमरीका ने भी बार-बार भारत से आग्रह किया है कि वह कनाडा की जांच में सहयोग करे, लेकिन खालिस्तानी अतिवादियों की हिंसा के संदर्भ में अमरीका कनाडा को कोई परामर्श नहीं देता कि मानवीय हिंसा नहीं होनी चाहिए। अमरीका में कथित खालिस्तानी आतंकवादी पन्नू खुलेआम सक्रिय है। अमरीका उसे वकील और बौद्धिक-सामाजिक शख्सियत करार देता रहा है। 'आतंकवादी' को लेकर अमरीका समेत पश्चिमी देशों और भारत की परिभाषाएं भिन्न हैं। बहरहाल इन घटनाओं पर भारत के प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है- 'हिंदू मंदिरों पर जानबूझ कर किए गए हमलों की मैं कड़ी निंदा करता हूं। हमारे राजनयिकों को धमकाने की कायरतापूर्ण कोशिशें भी भयावह हैं। ऐसे कृत्य भारत के संकल्प को कमजोर नहीं कर पाएंगे। उम्मीद है कि कनाडा की सरकार न्याय सुनिश्चित करेगी।'

हिंसा के ऐसे सिलसिले जारी रहें, कनाडा के हिंदू मंदिरों पर हमले बढ़ते रहें, प्रधानमंत्री ट्रूडो खालिस्तानी अतिवादियों के खिलाफ एक भी शब्द न बोलें, कार्रवाई करना तो दूर की कौड़ी है, तो उस देश को क्या मानेंगे? जब 2021 में ट्रूडो तीसरी बार प्रधानमंत्री बने, लेकिन स्पष्ट बहुमत नहीं मिल सका, तो उन्हें खालिस्तान समर्थकों के सहारे ही सरकार बनानी पड़ी। कनाडा में खालिस्तानी निरंकुश होते गए और सरकार में उनका दखल बढ़ता रहा। खालिस्तानी गुंडों ने गौरीशंकर, जगन्नाथ, विष्णु, लक्ष्मीनारायण और रामधाम आदि मंदिरों पर हमले किए। दैवीय समेत महात्मा गांधी की प्रतिमाओं को तोड़ा, गोलीबारी की और हिंदुत्व का अपमानित किया। कनाडा में करीब 9.5 लाख हिंदू रहते हैं। अधिकतर कनाडा के ही नागरिक हैं। जाहिर है कि वे अल्पसंख्यक भी हैं।

भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है

भारत की आर्थिक प्रगति में समाज से अपेक्षा

प्रहलाद सबनानी

पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं।

विश्व के लगभग समस्त देशों में पूंजीवादी मॉडल को अपनाकर आर्थिक विकास को गति देने का प्रयास पिछले 100 वर्षों से भी अधिक समय से हो रहा है। पूंजीवाद की यह विशेषता है कि व्यक्ति केवल अपनी प्रगति के बारे में ही विचार करता है और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के एहसास को भूल जाता है। जिससे, विभिन्न आर्थिक गतिविधियों के चलते समाज में असमानता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। विनिर्माण इकाईयों में मशीनों के अधिक उपयोग से उत्पादन में तो वृद्धि होती है परंतु रोजगार के पर्याप्त अवसर निर्मित नहीं हो पाते हैं। रोजगार की उपलब्धता में कमी के चलते समाज में कई प्रकार की बुराईयां जन्म लेने लगती हैं क्योंकि यदि किसी नागरिक के पास रोजगार ही नहीं होगा तो वह अपनी भूख मिटाने के लिए चोरी चकारी एवं हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त होने लगता है। पूंजीवाद की नीतियों के अनुपालन के चलते वर्तमान में विश्व के कई देशों में सामाजिक तानाबाना छिन्न भिन्न हो रहा है। परंतु, प्राचीनकाल में भारत में उपयोग में लाए जा रहे आर्थिक मॉडल को अपनाए जाने के कारण भारत में प्रत्येक नागरिक को रोजगार उपलब्ध रहता था। भारत में अतिप्राचीन काल से ग्रामीण क्षेत्र ही विकास के केंद्र रहते आए हैं। भारत का कृषि क्षेत्र तो विकसित था ही, साथ में, कुटीर उद्योग भी अपने चरम पर था। पीढ़ी दर पीढ़ी व्यवसाय को आगे बढ़ाया जाता था। नौकरी शब्द तो शायद उपयोग में था ही नहीं क्योंकि परिवार के सदस्य ही अपने पुरखों के व्यवसाय को आगे बढ़ाने में रुचि लेते थे अतः भारत के प्राचीन काल में नागरिक उद्यमी थे। नौकरी को तो निकृष्ट कार्य की श्रेणी में रखा जाता था। भारत में भी आर्थिक विकास की दर में तेजी तो दृष्टिगोचर है तथा प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हो रही है और आज यह लगभग 2500 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो गई है। प्रति व्यक्ति आय यदि 14000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष हो जाती है तो भारत विकसित राष्ट्र की श्रेणी में शामिल हो जाएगा। अतः प्रति व्यक्ति आय को बढ़ाने के लिए भारत में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की आय में वृद्धि करने पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। भारत में आर्थिक विकास के साथ साथ मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या भी बढ़ रही है। परंतु, साथ में आय की असमानता की खाई भी चौड़ी हो रही है, क्योंकि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय तुलनात्मक

रूप से तेज गति से बढ़ रही है। हालांकि केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा गरीब वर्ग, विशेष रूप से गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों, के लिए कई विशेष योजनाएं चलाई जा रही हैं और इसका असर भी धरातल पर दिखाई दे रहा है। हाल ही के वर्षों में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की संख्या में भारी कमी दिखाई दी है। भारत में आर्थिक प्रगति के चलते सम्पत्ति के निर्माण की गति भी तेज हुई है। वित्तीय वर्ष 2023 के अंत में आयकर विभाग में जमा की गई विवरणियों के अनुसार, 230,000 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की बताया है। यह संख्या पिछले 10 वर्षों के दौरान 5 गुणा बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2012-13 में 44,078 नागरिकों ने अपनी कर योग्य आय को एक करोड़ रुपए से अधिक की घोषित किया था। उक्त आंकड़ों में वेतन पाने वाले नागरिकों का प्रतिशत वित्तीय वर्ष 2022-23 में 52 प्रतिशत रहा है, वित्तीय वर्ष 2021-22 में यह 49.2 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2012-13 में यह प्रतिशत 51 प्रतिशत था। इस प्रकार एक करोड़ रुपए से अधिक का वेतन पाने वाले नागरिकों की संख्या में कोई परिवर्तन नहीं आया है। जबकि व्यवसाय करने वाले नागरिकों की आय और अधिक तेज गति से बढ़ी है। 500 करोड़ रुपए से अधिक की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में समस्त करदाता व्यवसायी हैं। 100 करोड़ रुपए से 500 करोड़ रुपए की कर योग्य आय घोषित करने वाले नागरिकों में 262 व्यवसायी हैं एवं केवल 19 वेतन पाने वाले नागरिक हैं। भारत के एक प्रतिशत नागरिकों के पास देश की 40 प्रतिशत से अधिक की सम्पत्ति है। अतः देश में आय की असमानता स्पष्टतः दिखाई दे रही है। एक अनुमान के अनुसार यदि उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवार की आय में 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह केवल 10 रुपए का खर्च करता है एवं 90 रुपए की बचत करता है जबकि एक गरीब परिवार की आय में यदि 100 रुपए की वृद्धि होती है तो वह 90 रुपए का खर्च करता है एवं केवल 10 रुपए की बचत करता है। इस प्रकार किसी भी देश को यदि उपभोक्ताओं की संख्या में वृद्धि करना है तो गरीब वर्ग के हाथों में अधिक धनराशि उपलब्ध करानी होगी। जबकि विकसित देशों एवं अन्य देशों में इसके ठीक विपरीत हो रहा है, उच्चवर्गीय एवं उच्च मध्यमवर्गीय परिवारों की आय में तेज गति से वृद्धि हो रही है जिसके चलते कई विकसित देशों में आज उत्पादों की मांग बढ़ने के स्थान पर कम हो रही है और इन देशों के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की दर बहुत कम हो गई है तथा इन देशों की अर्थव्यवस्था में आज मंदी का खतरा मंडरा रहा है। उक्त परिस्थितियों के बीच वैश्विक पटल पर भारत आज एक दैदीप्यमान सितारे के रूप में चमक रहा है। भारत में आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत के आसपास आ गई है और इसे यदि 10 प्रतिशत के ऊपर ले जाना है तो भारत में ही उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करनी होगी इसके लिए गरीब वर्ग की आय में वृद्धि करने सम्बंधी उपाय करने होंगे तथा रोजगार के अधिक से अधिक अवसर निर्मित करने होंगे। प्राचीनकाल में भारत में उपयोग किए जा रहे आर्थिक दर्शन को एक बार पुनः देश में लागू किए जाने की आवश्यकता है। आज भारत में शहरों को केंद्र में रखकर विकास की विभिन्न योजनाएं (स्मार्ट सिटी, आदि) बनाई जा रही है, जबकि, आज भी 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामीण इलाकों में ही निवास करती है। इसलिए भारत को पुनः ग्रामों की ओर रूख करना होगा। न केवल कृषि क्षेत्र बल्कि ग्रामीण इलाकों में कुटीर एवं लघु उद्योगों की स्थापना की जानी चाहिए जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर ग्रामीण इलाकों में ही निर्मित हों और इन स्थानों पर उत्पादित की जा रही वस्तुओं के लिए बाजार भी ग्रामीण इलाकों में ही विकसित हो सकें। लगभग 50 गावों के क्लस्टर विकसित किए जा सकते हैं, इन इलाकों में निर्मित उत्पादों को इस क्लस्टर में ही बेचा जा सकता है और यदि इन इलाकों के स्थित कुटीर एवं लघु उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है तो उसे आस पास के अन्य क्लस्टर एवं शहरों में बेचा जा सकता है। इससे स्थानीय स्तर पर ही उत्पादों की मांग को बढ़ावा मिलेगा एवं रोजगार के अवसर निर्मित होने से ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे परिवारों के शहरों की ओर पलायन को भी रोका जा सकेगा।

दृष्टिकोण

समृद्धि के लिए कर्मचारियों में कार्य नैतिकता जरूरी

किसी देश या प्रदेश के आर्थिक एवं सामाजिक विकास अथवा समृद्धि के लिए यह अति आवश्यक है कि सरकारी एवं अद्र्ध-सरकारी विभागों में कार्यरत कर्मचारी एवं अधिकारी कार्य नैतिकता एवं संस्कृति से प्रेरित हों। तभी उन विभागों व संगठनों के उद्देश्यों को प्राप्त किया जा सकता है। विभाग के प्रबंधन को पहले खुद कायदा-कानूनों का पालन करना पड़ता है। तभी कर्मचारी इनका अनुसरण करते हैं। कर्मचारियों को भी व्यक्तिगत एवं पेशेवर नैतिकता बनाए रखनी चाहिए। तभी लंबे समय के लिए उनके हित सुरक्षित रह सकते हैं। कर्मचारियों में कार्य नैतिकता एवं संस्कृति लाना प्रबंधन तथा कर्मचारियों के नेताओं का दायित्व है। विभागों के प्रबंधकों को भी कर्मचारियों के मौलिक अधिकारों को, जो संविधान में वर्णित हैं, मानना होगा। देश के दुर्लभ संसाधनों के उचित बंटवारे के लिए आवश्यक है कि सभी विभागों के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को कत्र्तव्यनिष्ठा व ईमानदारी से कार्य कर संगठन/संस्था के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति करनी चाहिए। राजनेताओं को भी इन संगठनों के प्रशासकों से स्वार्थपूर्ण नीतियां नहीं बनवानी चाहिए। संगठन/संस्था समाज का अपरिहार्य हिस्सा होता है। संस्था चाहे उद्योग हो या सेवा प्रतिष्ठान हो, नैतिकता के नियम जो समाज में प्रचलित हों, उनकी समझ तथा पालना होनी चाहिए। यह विभाग के प्रबंधन का कत्र्तव्य है कि वह कार्य नैतिकता के लिए समय-समय पर कर्मचारियों को प्रेरित करे। हिमाचल प्रदेश के लोग ईमानदारी और कत्र्तव्यनिष्ठा के लिए दुनिया में जाने जाते हैं, परंतु वर्तमान में प्रदेश में भी सरकारी एवं अद्र्ध सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार ने अपने पांव पक्की तरह पसार दिए हैं तथा कार्य संस्कृति का स्तर नीचे गिर रहा है। भ्रष्टाचार सतत विकास के लिए बाधा है, क्योंकि यह साधनों को डायवर्ट करता है। जहां इनकी जरूरी सेवाओं और आर्थिक विकास में आवश्यकता होती है, वहां इनका उपयोग नहीं होता है। यह समाज तथा प्रदेश के सामाजिक एवं आर्थिक विकास के लिए सही नहीं है। इस ओर सरकार को ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि वित्तीय संकट में दुर्लभ संसाधनों का सदुपयोग तथा कार्य गुणवत्ता लाई जा सके। वैसे तो बहुत से भ्रष्टाचार के मामले रोज समाचार पत्रों में पढने को मिलते हैं, परंतु उनमें से मात्र कुछ यहां वर्णित केसों से पता लगता है कि हिमाचल में कर्मचारी अपने विभागों के मानदंडों तथा कार्य नैतिकता का पालन नहीं कर रहे हैं। नैतिकता की प्रेरणा ही किसी संगठन तथा संस्था को पूर्णतया सुचारू, पारदर्शी तथा नैतिक मूल्यों पर आधारित कार्यशील कर सकती है। पुलिस थाना नालागढ़ में एक दंपति के साथ पुलिस द्वारा मारपीट तथा प्रताड़ित करने के मामले में 6 पुलिस कर्मचारियों पर प्रदेश हाई कोर्ट के आदेशों पर 27 दिसंबर 2023 को मामला दर्ज किया गया। पालमपुर के कारोबारी पर पुलिस अधिकारी द्वारा जानलेवा हमला किया गया, जिसका केस हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट में चल रहा है। नादौन में कार्यरत रहा एसएचओ घूसखोरी और ड्रग्स केस में विजिलैंस की ग्रिफिथ से भाग निकला, जिसे दिसंबर 2021 में विजिलेंस ने बुक किया। जवाली में कार्यरत एसडीपीओ को अगस्त 2019 में 45000 रुपए रिश्वत लेते पकड़ा गया था। लोगों को पुलिस द्वारा डराना-धमकाना तो सामान्य बात हो गई है। पुलिस मुख्यालय की संदिग्ध सत्यनिष्ठा की लिस्ट में 121 पुलिस कर्मचारी हैं। ये कांस्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर तक हैं। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने हमीरपुर जिला के एक पटवारी को जमीन से संबंधित कागजात बनाने की एवज में 1000 रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में 3 अक्टूबर 2024 को दो साल की सजा सुनाई। पालमपुर में जाली दस्तावेजों पर राजस्व विभाग के कर्मचारियों की मिलीभग्त से धारा 118 का उल्लंघन करते हुए गैर हिमाचली के नाम जमीन कर दी। 11 अक्टूबर 2024 को नगरोटा में कृषि प्रमाणपत्र के लिए संबंधित पटवारी ने मलां निवासी मनोज कुमार से 20000 रुपए की रिश्वत ली और पकड़ा गया। राजस्व विभाग के कर्मचारियों से तो जनता को काम करवाना एक टेढ़ी खीर है। बहुत से म्यूटेशन, जमाबंदी, अतिक्रमण, निशानदेही, हक्मी और खानगी तकसीम सहित राजस्व मामले पेंडिंग रहते हैं। फील्ड में पटवारी एवं कानूनगो सर्वेसर्वा होते हैं। वो जो चाहें, वो ही होता है, क्योंकि उच्च अधिकारी फील्ड में कम ही जाते हैं। इसलिए इस विभाग में घूसखोरी ज्यादा होने के आरोप हैं। विजिलेंस की टीम ने पिछले कुछ सालों में राजस्व विभाग के घूसखोर पकड़े।

कुछ अलग

लक्ष्मी पूजा में ध्वस्त हूं...

तो जनाब! अबके भी दीपावली को हुआ यों कि हर बार की तरह दीपावली को प्रभु राम के आने पर उनके स्वागत की फुल तैयारी थी। दाल-सब्जी के तडक़े में नकली सरसों का तेल डलता रहे तो डलता रहे, पर शुद्ध सरसों के तेल के दीए तैयार थे जलने को। ताकि वे आएं तो मेरे घर में कम से कम अब राम राज की स्थापना हो। ऑफिस में दिन में दस दस चूहे खाने के बाद हर बार पेट पर हाथ फेरते सोचा, जो एक बार प्रभु राम मेरे घर दीपावली को आ जाएं तो इन चूहों को खाने पचाने से मुक्ति मिले और मैं इज्जत के साथ रिटायर हूं। बदनाम होकर बहुत नौकरी कर ली। अब मैं भी शेष निःशेष बचा बाबाओं की तरह सुधर जाऊं और मेरा बचा घर भी। वे आएं तो मैं उनकी शरण में बैठ उनकी तरह आदर्शवादी मुखिया हो जाऊं तो मेरी बीवी उनकी पत्नी की तरह। ताकि फिर ऐसा न हो कि लड़े भी वही और मुझे कोसती मायके को भी जाए वही। मित्रो! विवाह से पहले मैं विशुद्ध आदर्शवादी था, विशुद्ध शाकाहारियों की तरह। इसलिए मैंने जबसे दीपावली को राम के आने के महत्व के बारे में जाना, हर बार उनका मन से इंतजार किया। रात रात भर किया। पर वे नहीं आए तो नहीं आए। मत पूछो! तब मेरी भावनाओं को कितनी ठेस लगी होगी? इधर विवाह हुआ और ज्यों ज्यों इधर उधर की चकाचौंध में गृहस्थी का भार धीरे धीरे जैसे मेरे कमजोर सरकारी पद के कंधों पर बढऩे लगा तो मैं दीपावली को प्रभु राम के इंतजार की ओर से विमुख हो लक्ष्मी मां के पूजन की ओर शनैः शनैः उन्मुख होने लगा। मुझे लगा ज्यों घर सही ढंग से चलाने के लिए प्रभु राम की नहीं, मां लक्ष्मी की जरूरत हो। वैसे आदर्शों से घर नहीं चला करते जनाब! रेंगा करते हैं। जिस तरह गीता पर हाथ रखकर कसम खाने के बाद भी सच-झूठ बोल कोर्ट में केस नहीं जीते जाते, उसी तरह से लाख आदर्शों की बातें करने के बाद भी मां लक्ष्मी की ऐसी वैसी कृपा के बिना घर नहीं चला करते। खासकर आज के दौर में जब पीउन भी महाराजाओं सी मस्ती करने को अपने ऑफिस के स्टूल पर बैठा कुलांचे मार रहा हो। ज्यों ही सबसे लीडिंग अखबार में बताया मां लक्ष्मी के पूजन का विशेष मुहूर्त हम दोनों के सिर पर मंडराया तो मैं और मेरी लक्ष्मी प्रिया श्रीमती साष्टांग मां लक्ष्मी के श्री चरणों में। मेरी श्रीमती ने तो तस्वीर में विराजमान मां लक्ष्मी के चरण ऐसे पकड़ लिए कि पूछो ही मत। श्रीमती ऐसे जैसे कोई अनड्यू प्रमोशन पिपासु अपनी प्रमोशन के लिए किसी नेता के चरण पकड़ लेता है। श्रीमती ऐसे जैसे कोई अनड्यू प्रमोशन पिपासु अपनी प्रमोशन के लिए अपने बॉस के आगे-पीछे चरण पकड़े पूंछ हिलाता है। श्रीमती ऐसे जैसे कोई अनड्यू प्रमोशन प्रिय अपनी प्रमोशन के लिए गधे के चरणों में भी सहर्ष लोटपोट जाता है। ये प्रमोशन है ही कंबख्त ऐसी कुत्ती चीज! बड़े-बड़े आदर्शवादियों के मजे से गधों के आगे नाक रगड़वा देती है। क्योंकि सबको पता है कि प्रमोशन है तो धन है। धन है तो मस्त-मस्त जीवन है। मेरे जैसा नौकरी क्यों करता है? ऑफिस में आकर जनता के काम करने के लिए नहीं? न बाबा न! मौका मिलते ही प्रमोशन पाने के लिए। बचे टाइम में जहां से जो मिला, प्रभु का प्रसाद समझ खाने के लिए। और तब जितनी भी ऑनलाइन, ऑफ लाइन मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए हमारे घर में आरतियां मौजूद थीं, हम दोनों ने मिलकर बड़े तरन्नुम में गाईं। उस वक्त जो हमारे सुर-ताल को वहां आकर सूरदास भी सुनते तो वे भी दांतों तले उंगली दबा लेते। उस वक्त जो हमारे सुर-ताल को वहां आकर मीरा भी सुनतीं तो वे भी दांतों तले उंगली दबा लेतीं। उन्हें लगता कि उनका असली रैदास तो मैं हूं। इधर हम मां लक्ष्मी को लुभाने-रिझाने के लिए पूरे चालूपन वाले समर्पण से एक से एक आरती गा रहे थे कि उधर दरवाजे पर दस्तक हुई। कोई बेल पर बेल बजाते भीतर आने की परमिशन मांग रहा था, 'मे आई कम इन जी? मे आई कम इन जी?' 'बस भी करो यार बेल बजाना! कान खा कर रख दिए। देखते नहीं, अभी लक्ष्मी पूजा में व्यस्त हूं, बाद में आना', पड़ोसी ही होगा। भगवान तो माया सवारियों के घर आने से रहे।

देश दुनिया से

महिला अस्मिता का पक्ष

मैरिटल रेप, यानी पत्नियों के ऊपर यौन हिंसा जायज है या फिर नाजायज, इसको लेकर चर्चा जोरों पर है। आखिर मैरिटल रेप क्या है? भारतीय न्याय संहिता के तहत अगर कोई पुरुष किसी महिला की सहमति के बगैर उसके साथ संबंध बनाता है तो यह बलात्कार है। इसके लिए कम से कम दस साल की सजा का प्रावधान है और कुछ मामलों में यह सजा उम्रकैद भी हो सकती है। हालांकि बिना सहमति के कोई व्यक्ति अगर अपनी पत्नी के साथ संबंध बनाए और अगर पत्नी की उम्र 18 साल या उससे अधिक है तो यह कानूनन बलात्कार नहीं है। इस समय यह ज्वलंत मुद्दा देश की न्याय व्यवस्था के समक्ष विचाराधीन है। भारत उन तीन दर्जन देशों में से एक है जहां शादी के बाद अपनी पत्नी से बिना मंजूरी के संबंध बनाने को बलात्कार नहीं माना जाता है। दुनिया के 185 देशों में से, 77 देशों में मैरिटल रेप पर कानून बना है। बाकी 108 देशों में से 74 देश ऐसे हैं जहां महिलाओं को रिपोर्ट दर्ज कराने का अधिकार है, जबकि भारत समेत 34 देश ऐसे हैं जहां पत्नी से रेप करने वाले पति को समाज के साथ कानून भी दोषी नहीं मानता है। इंटीमेसी यानी कामुकता और सेक्स संबंध पति-पत्नी के रिश्ते का अहम पहलू है, लेकिन अगर पति-पत्नी के बीच दुष्कर्म की बात कही जाए तो शायद कुछ लोग इसे मानने से इनकार करेंगे। लेकिन मैरिटल रेप पर हमारे देश में आए दिन चर्चाएं हो रही हैं। मैरिटल रेप यानी जब पति पर अपनी ही पत्नी के दुष्कर्म के आरोप लगें। जब पति ही पत्नी का शारीरिक शोषण करे, तो अनेक सवाल खड़े हो जाते हैं। अब आप कहेंगे कि पति-पत्नी के बीच तो शारीरिक संबंध होते ही हैं, तो फिर यह मैरिटल रेप दुष्कर्म कैसे हुआ? दरअसल मैरिटल रेप को लेकर हमारे देश में दो मत हैं। एक वर्ग का मानना है कि मैरिटल रेप जैसे कानून के आने के बाद इसका गलत इस्तेमाल किया जाएगा, क्योंकि शादी से जैसे रिश्ते में यह तय करना कि कब रेप हुआ है और कब नहीं, बेहद मुश्किल है। मैरिटल रेप के आरोपी को अपने आपको निर्दोष साबित करने में कठिनाई होगी। साथ ही कुछ पत्नियों द्वारा कानून का ज्यादातर दुरुपयोग किया जाएगा। वहीं महिला संगठन इसे महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जरूरी मानते हैं। उनका मानना है कि मैरिटल रेप स्त्री-पुरुष के बीच एक मनोविकार है। वैवाहिक जीवन में संतुष्टि का आनंद तभी मिलता है जब स्त्री और पुरुष के बीच सहमति होती है। लेकिन असहमति तमाम विद्वेष और विकारों को जन्म देती है। इस तरह की हरकत से स्त्री की निगाह में पुरुष गिर जाता है। उस स्त्री की नजरों में देवता बना पति दानव बन जाता है। यूं तो किसी भी वैवाहिक संबंध में पति और पत्नी लगातार एक-दूसरे से उचित यौन संबंध की अपेक्षा रखते हैं। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि पति अपनी पत्नी के शरीर की आजादी को हिंसक तरीके से भंग कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने भी 1993 में महिलाओं के खिलाफ हिंसा संबंधी अपने घोषणापत्र में मैरिटल रेप को शामिल किया था। यूएन ने सभी देशों से कहा था कि इसे महिलाओं के साथ हिंसा के तौर पर ही देखा जाए। साथ ही, इससे जुड़े कानून बनाने की भी गुजारिश की थी। विश्लेषकों के अनुसार, चूंकि यह अपराध घर के बंद कमरों में होता है, इसलिए इसे लेकर समाज में शुरू से ही एक तरह की मौन स्वीकृति रही है। यौन हिंसा को लेकर बड़े स्तर पर अलग-अलग देशों के कानून में प्रगतिशील बदलाव देखे गए हैं। वहीं, पति द्वारा किए जाने वाले 'वैवाहिक बलात्कार' को आज भी एक सवालिया नजर से देखा जाता है। अमरीकी थिंक टैंक प्यू रिसर्च के एक सर्वे के मुताबिक, हर 10 में से 9 भारतीयों का यह मानना है कि पत्नियों को पतियों की बात माननी चाहिए। बात न मानने की सूरत में और महिलाओं की शारीरिक स्वायत्तता के हनन का नतीजा अक्सर हिंसा के रूप में सामने आता है। अब भी दुनिया के एक बड़े हिस्से में इस अवधारणा को सामाजिक स्वीकृति मिली हुई है कि शादी के रिश्ते में सेक्स के लिए सहमति का कोई महत्व नहीं है। दूसरी तरफ आज की तारीख में 150 देशों में मैरिटल रेप को अपराध घोषित किया जा चुका है। प्रथाओं के चलते, अपने देश में कुछ खास दिनों में सेक्स से परहेज अनिवार्य होता था। लेकिन ये सब अवरोध पुरुषों के लिए थे। एक तरह से यह मान कर चला जाता था कि सेक्स पर स्त्री मौन रहेगी। जब भी उसका पति उसके साथ सहवास की इच्छा व्यक्त करेगा, पत्नी ना-नुकुर नहीं कर सकती। यदि कहीं किसी स्त्री ने अपनी पहल पर पति से सेक्स की इच्छा व्यक्त की तो उसे बेहया और बेशरम कहा जाता था। स्त्री की यह स्थिति दुनिया के सभी कथित समाजों में है। अपने यहां क्या स्थिति है, हम सब भली-भांति सब कुछ शायद जानते हैं। गहराई से सोचें तो मैरिटल रेप का मसला सीधे तौर पर महिलाओं की शारीरिक आजादी से जुड़ा है। लेकिन स्त्री शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के चलते अब एक बड़ा वर्ग यह मानने लगा है कि यदि पत्नी की इच्छा नहीं हो और पुरुष उससे जबरदस्ती सेक्स करे तो यह यौन दुष्कर्म होगा। इसे मैरिटल रेप कहा जाएगा। शादीशुदा जिंदगी में पुरुषों को इस तरह के हालात से बचना चाहिए, क्योंकि यह वैवाहिक रिश्तों का एक शर्मनाक पहलू है। जब यौन संतुष्टि यौन हिंसा में बदल जाए तो स्त्री-पुरुष संबंध अच्छे नहीं हो सकते। भारत के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 के मुताबिक, हर तीन में से एक महिला के साथ उसके पति ने शारीरिक या यौन हिंसा की थी। सबसे अधिक महिलाओं ने इस बात की शिकायत की कि इनकार करने के बावजूद पति उनके साथ जबरन यौन संबंध बनाते हैं। क्या सामाजिक दृष्टि और कानूनी नजरिए से इसे मान्यता दी जा सकती है? साल 2022 के नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे के अनुसार 18 से 49 साल की 82 फीसदी शादीशुदा महिलाओं के साथ देश में उनके पति यौन हिंसा करते हैं। क्या यह जायज है या फिर आपराधिक दृष्टिकोण से मुक्त है? मानव अधिकारों के चश्मे से देखें, तो देश की सभी महिलाओं के ऊपर यौन हिंसा का स्थान नहीं होना चाहिए, चाहे वह मैरिटल रेप ही क्यों न हो।

आप का नजरिया

पर्यटन के अशांत पहिए

कुल्लू घाटी के जगतसुख में तकरार की दीवार खूंखार हो गई और पार्किंग के मसले पर एक की जान चली गई। पर्यटन के पहिए अशांत होते दिखाई दे रहे हैं। ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हिमाचल की छवि को नुकसान पहुंचाती हैं। अभी ज्यादा समय नहीं हुआ जब डलहौजी व भागसूनाग की घटनाओं ने पर्यटन को बदनाम किया और इस बार जगतसुख में पार्किंग के झगड़े ने मौत का मंजर लिख दिया। जाहिर है हम पर्यटकों को बाजार में गिनते हुए यह भूल रहे हैं कि हर पर्यटक को लाने वाले पहिए को सुरक्षा की गारंटी देनी पड़ेगी। पाठकों को याद होगा कि हम समय-समय पर पांच करोड़ पर्यटकों के आंकड़े को छूने की वकालत को वाहनों की बढ़ती तादाद के साथ खतरनाक मोड़ पर देखते रहे हैं। पर्यटन, परिवहन और वाहनों की बढ़ती संख्या को सुरक्षित मानदंडों से जोडऩा होगा। हर तीन पर्यटकों के साथ अगर औसतन एक वाहन जुड़ रहा है, तो इसकी अपनी चुनौतियां हैं। अटल टनल गवाह है कि सुरंग पर्यटन ने बढ़ते वाहनों से सारे ट्रैफिक को कई-कई घंटे जाम या कछुआ चाल में फंसा दिया है। प्रदेश में पर्यटक वाहनों के अलावा स्थानीय लोगों द्वारा बढ़ते निजी वाहनों की तादाद का दबाव सडक़ पर बढ़ रहा है। भाई दूज के दिन हमारी परिवहन व्यवस्था के कई मकबरे उभर आए और सडक़ यात्रा की चक्की में समय, संसाधन और सुकून की बर्बादी के अलावा प्रदूषण में भी इजाफा हो गया। इसके साथ सडक़ों पर आवारगी व अनुशासनहीनता भी बढ़ रही है। ट्रैफिक जाम की वजह कुछ वाहन चालकों के कारण भी चुनौतीपूर्ण बन रही है। यह व्यवस्था की आपाधापी भी मानी जा सकती है। अंततः सडक़ पर वाहन चालन का शिष्टाचार सिखाएगा कौन। हमीरपुर शहर में पुलिस ने खुद से वादा और समाज ने साथ दिया, तो वहां एक सुखद संस्कृति पैदा हो रही है, लेकिन बाकी शहरों में वाहन चालकों का तांडव सडक़ों पर खेला जा रहा है। यह दीगर है कि विभिन्न फोरलेन परियोजनाओं से वाहनों की गति बढ़ रही है, लेकिन मुख्य पर्यटक व प्रशासनिक शहरों के मार्ग सुस्त रफ्तार के गवाह बन गए हैं। फोरलेन से सीधे प्रमुख शहरों को टू-लेन से जोडऩे की जरूरत के अलावा प्रदेश में पर्यटक पार्किंग की सहूलियतें बढ़ानी होंगी। बाहरी राज्यों से आने वाले ड्राइवरों के लिए हिमाचल की परिस्थितियां भिन्न व जोखिमपूर्ण हैं। ऊपर से डेस्टिनेशन पार्किंग के लिए कोई प्रयास ही नहीं हुए, नतीजतन सडक़ों पर वाहनों का डेरा बढ़ रहा है। भविष्य में ट्रांसपोर्ट नगर, शहरों में महापार्किंग, पर्यटक वाहन पार्किंग व वोल्वो बसों की पार्किंग की दिशा में नीतिगत फैसले लेने होंगे, वरना पर्यटक हलचल में पार्किंग एक अपराध हो जाएगा। यही अपराध कुल्लू घाटी को अभिशप्त करने के उदाहरण सामने ले आता है। ऐसे में हिमाचल को अपनी सडक़ों की स्थिति और सडक़ों पर अपनी छवि सुधारनी पड़ेगी। यातायात प्रबंधन की दृष्टि से पुलिस पैट्रोलिंग व सडक़ पर वाहन चालन का शिष्टाचार सिखाना पड़ेगा।

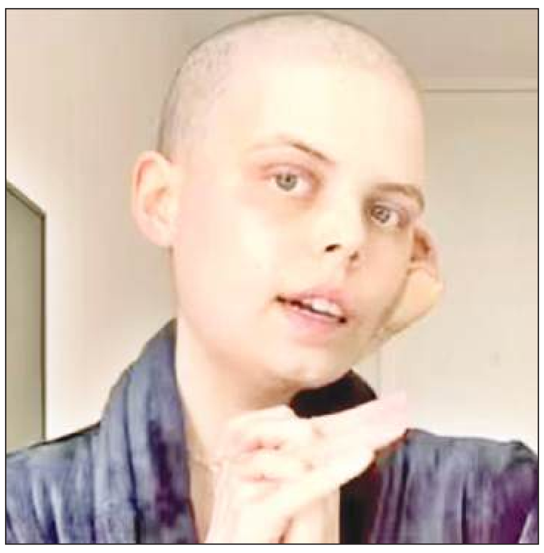

टिकटॉकर बेला की कैंसर से हुई मौत, अंतिम समय बनाया वीडियो देख रो दिए फैंस

लंदन, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

दुनिया में कभी जब किसी युवा का जान किसी बीमारी या दुर्घटना के कारण चली जाती है, तो वह दर्द उसके परिवार के लिए असहनीय होता है जिसे वह कभी भूल नहीं पाते हैं। ऐसा ही ऑस्ट्रेलिया की मशहूर टिकटॉकर बेला ब्रैडफोर्ड के परिवार और उनके फैंस के लिए एक गहरा दुख सामने आया। 24 साल की बेला की मौत दुर्लभ कैंसर रबडोमायोसारकोमा से हो गई जिसने उनके जीवन को समय से पहले ही खत्म कर दिया। एक रिपोर्ट के मुताबिक टिकटॉकर बेला ब्रैडफोर्ड ने अपनी मौत से ठीक पहले एक आखिरी वीडियो बनाया था, जिसे उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। इस वीडियो ने उनके फैंस और दर्शकों की आंखें आंसुओं से भर दीं। वीडियो में कमजोर दिख रही बेला ने अपने संघर्ष और भावनाओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि मुझे कैंसर है और दुर्भाग्य से अब तक मेरा जीवन खत्म हो चुका है। मैं मर चुकी हूं, लेकिन मैं एक आखिरी गेट रेडी विद मी करना चाहती थी, क्योंकि मुझे यह करना पसंद है और मुझे फैशन से प्यार है। इस मजेदार यात्रा में मेरा अनुसरण करने के लिए धन्यवाद। वीडियो में बेला ने आगे कहा कि मुझे उम्मीद है कि आप मेरे सभी वीडियो देखेंगे और उनमें से थोड़ी खुशी पाएंगे। हम हर दिन जीते हैं और केवल एक दिन मरते हैं, इसलिए हर दिन को खास बनाने की कोशिश करें। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा था कि बेला अपने प्रियजनों के साथ अंतिम समय बिता रही है। यह वीडियो उनके साहस और सकारात्मकता का प्रतीक बना और उनके प्रशंसकों के बीच गहरी संवेदना पैदा हुई। बेला की मौत 15 अक्टूबर को हुई थी। उन्हें पहली बार 2021 में इस दुर्लभ कैंसर का पता चला था, जो उनके जबड़े में था। इसके बाद एक साल तक उन्होंने कीमोथेरापी, रेडियोथेरापी और जटिल सर्जरी के जरिए से इलाज करवाया। सर्जरी के दौरान उनका जबड़ा फिर से बनाया गया था। हालांकि उनकी लड़ाई यहीं खत्म नहीं हुई। उन्होंने अपने फैंस को छह महीने पहले ही बताया था कि उनका कैंसर फिर लौट आया है, जब वह अपने दोस्तों के साथ यूरोप घूमने जाने वाली थीं। इस यात्रा से मात्र 10 दिन पहले उन्हें बीमारी की वापसी का पता चला। बेला का गेट रेडी विद मी वीडियो सीरीज जिसमें वे अलग-अलग फैशन में तैयार होती थीं, इंटरनेट पर बेहद लोकप्रिय था। उनकी मृत्यु के बाद उनका अंतिम वीडियो उनके प्रशंसकों के लिए एक अंतिम संदेश और यादगार के रूप में रह गया। उनके साहस, सकारात्मकता और जीवन के प्रति उनके दृष्टिकोण ने लोगों को प्रेरित किया और यह संदेश दिया कि हर दिन को खास बनाना अहम है।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू ने रक्षा मंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त किया-कहा- हमारे बीच भरोसा खत्म हो गया था; जंग में दुश्मन इसका फायदा उठा रहे

यरुशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को रक्षा मंत्री योव गैलेंट को बर्खास्त कर दिया। नेतन्याहू ने कहा कि उनके बीच विश्वास की कमी थी, जो जंग के समय में ठीक नहीं है वहीं, गिदियन सार अब इजराइल के विदेश मंत्री होंगे। नेतन्याहू के ऑफिस की तरफ से मंगलवार रात 8 बजे गैलेंट को एक लेटर सौंपा गया। इसमें नेतन्याहू ने लिखा था कि चिट्ठी मिलने के 48 घंटे बाद उनका कार्यकाल खत्म हो जाएगा। मैं बतौर रक्षा मंत्री आपकी सेवा के लिए धन्यवाद देता हूं। नेतन्याहू बोले- गैलेंट ने कैबिनेट के खिलाफ जाकर फैसले लिए इसके बाद नेतन्याहू ने एक वीडियो मैसेज के जरिए योव गैलेंट को पद से हटाने की जानकारी दी।

खास वजह के चलते- 17 लाख लोगों ने भारतीय महिला का अमेरिकी फ्लैट देखा

वॉशिंगटन। हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सारिका यादव नाम की महिला ने अमेरिका के एरिजोना राज्य में अपने नए फ्लैट का दौरा कराया है। सारिका ने इस वीडियो के माध्यम से न केवल अपने नए अपार्टमेंट का नजारा दिखाया, बल्कि यह भी बताया कि इस फ्लैट में कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सारिका ने अपने 2 बीएचके अपार्टमेंट का वीडियो शेयर करते हुए बताया कि यह फ्लैट फिनिक्स सिटी के पास है, जिसमें एक बालकनी है, जिससे स्विमिंग पूल और लॉन टेनिस कोर्ट का दृश्य दिखाई देता है। उन्होंने किचन, मास्टर बेडरूम, और गेस्ट रूम का भी विस्तार से वर्णन किया, जहां अटैच्ड बाथरूम और वॉर्डरोब जैसी सुविधाएं हैं। हालांकि, इस वीडियो का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा फ्लैट का किराया है, जो सारिका ने 1 लाख 60 हजार रुपये बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह फ्लैट शहर के केंद्र में होता, तो इसका किराया 2 लाख रुपये से ऊपर होता। वीडियो में सारिका ने दर्शकों से पूछा कि क्या यह किराया उचित है या नहीं। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, और अब तक इसे 17 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो पर लोगों के विभिन्न प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोगों ने इस किराए को अमेरिका की कीमतों के अनुसार सही बताया, जबकि अन्य ने भारतीय मानकों के आधार पर इसे अत्यधिक महंगा कहा। कई कमेंट में लोग यह सुझाव दे रहे हैं कि अमेरिका में फर्निश्ड अपार्टमेंट खरीदना अधिक लागत-कुशल हो सकता है, जबकि कुछ ने कहा कि अमेरिका में अधिकतर फ्लैट एक समान होते हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। एक अन्य कमेंट में कहा गया कि भारतीय घरों की गुणवत्ता अमेरिकी घरों से बेहतर है। यह वीडियो एक ओर जहां अमेरिका में रहने की वास्तविकता को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर यह भारतीयों के लिए वहां के जीवन की चुनौतियों और खर्चों को समझने का भी एक जरिया बन रहा है।

अमेरिका के एरिजोना में छोटा विमान उड़ान भरते समय वाहन से टकराया, पांच की मौत

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी राज्य एरिजोना में छोटे विमान के एक वाहन से टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई। यह यात्री होंडा जेट एरिजोना के मेसा में फाल्कन फील्ड से उड़ान भरने की कोशिश करते समय एक वाहन से टकरा गया। इसके बाद उसमें आग लग गई। पुलिस ने कहा कि यह हादसा मंगलवार शाम 4:40 बजे हुआ। होंडा जेट उड़ाने भरने की कोशिश के दौरान फाल्कन फील्ड की बाड़ को तोड़ता हुआ वाहन से टकरा गया। संघीय उड्डयन प्रशासन ने कहा कि विमान में पांच लोग सवार थे।

चुनाव हारने के बाद तमिलनाडु में कमला हैरिस के पैतृक गांव में मातम की स्थिति

तिरुवरूर, 06 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस के हारने के बाद तमिलनाडु के तिरुवरूर जिले में स्थित पैतृक थुलसेंद्रपुरम गांव में उदासी का माहौल छाया हुआ है, क्योंकि अमेरिकी चुनावों में अंतिम विजेता और रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प से उनकी मामूली हार हुई है।

ग्रामीणों ने कमला हैरिस की जीत के लिए प्रार्थना करते हुए उनके लिए विशेष पूजा का आयोजन किया था और चुनाव जीतने पर मुफ्त भोजन वितरित करने एवं विशेष अभिषेक करने सहित कई कार्यक्रम भी आयोजित किए थे। गांव वालों ने मामूली हार के लिए दुख व्यक्त किया। एक ग्रामीण ने एक निजी टीवी चैनल से कहा कि वह उनकी जीत को लेकर आश्वस्त हैं और विशेष प्रार्थना कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि वह फिर से चुनाव लड़ेंगी और अगला चुनाव जीतेंगी और अमेरिकी राष्ट्रपति बनेंगी। एक बुजुर्ग अमेरिकी महिला नागरिक, जो विजय उत्सव में शामिल होने के लिए इस गांव में आई थी, निराशा व्यक्त की। उनकी आंखों से आंसू था क्योंकि चुनावी रुझानों ने कमला की मामूली हार का अनुमान लगाया गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों में जीत के लिए प्रार्थना करते हुए धर्म संस्था सेवगा पेरुमल मंदिर में पिछले दो दिनों से विशेष पूजाएं आयोजित की गईं।

पी.वी. गोपालन, पूर्व भारतीय राजनयिक और कमला हैरिस के दादा का जन्म थुलसेंद्रपुरम गांव में हुआ था। गोपालन और उनकी पत्नी राजम गोपालन 1930 के दशक में अपने परिवार के साथ गांव छोड़कर चेन्नई चले गए, जहां कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन का जन्म हुआ। श्यामला 1958 में 19 साल की उम्र में पढ़ाई के लिए अमेरिका चली गईं, जहां उन्होंने 1963 में जमैका के डोनाल्ड जे. हैरिस से शादी की। दंपति की दो बेटियां कमला हैरिस और माया हैरिस हैं। कमला हैरिस का जन्म 1964 में कैलिफोर्निया के ओकलैंड में हुआ था।

पूर्व स्पीकर डेमोक्रेट नैंसी पेलोसी दोबारा चुनी गईं

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद की पूर्व स्पीकर डेमोक्रेट नैंसी पेलोसी ने कैलिफोर्निया के 11वें कांग्रेसनल डिस्ट्रिक्ट में अमेरिकी सदन के लिए दोबारा चुनाव जीत लिया है। नैंसी पेलोसी का लगभग पूरा परिवार राजनीति में है। 84 वर्षीय नैंसी के पिता थॉमस डी एलेसेंड्रो जूनियर बाल्टीमोर के मेयर रहे हैं। उन्होंने पांच बार कांग्रेस में शहर का प्रतिनिधित्व किया। नैंसी के भाई थॉमस डी एलेसेंड्रो-3 भी बाल्टीमोर के मेयर रह चुके हैं। पेलोसी पहली बार 1987 में सदन के लिए चुनी गई थीं। उन्होंने अमेरिकी राजनीति में सबसे शक्तिशाली महिलाओं में से एक के रूप में कार्यकाल पूरा किया। डेमोक्रेटिक नेता पेलोसी ने 2007 में पहली महिला स्पीकर बनकर इतिहास रचा। फिर 2019 में उन्होंने स्पीकर का पद हासिल किया। स्पीकर के तौर पर उनका कार्यकाल जनवरी 2023 में पूरा हुआ। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ओबामा के महत्वाकांक्षी अफोर्डेबल केयर एक्ट को लागू करने में नैंसी पेलोसी की अहम भूमिका रही। पेलोसी उस समय विश्व भर में चर्चाओं में आईं जब अगस्त 2022 में ताइवान को लेकर चीन और अमेरिका के बीच चल रही तनातनी के बीच अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी अभूतपूर्व हवाई सुरक्षा के बीच यूएस एयरफोर्स के विमान पर सवार होकर ताइवान पहुंच गई थी। उनकी इस यात्रा से पहले चीन ने अमेरिका को ताइवान से दूर रहने और इसके गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

वैज्ञानिकों की नई खोज: मच्छरों की वृद्धि रोकने वाला बैक्टीरिया

लंदन, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक विशेष बैक्टीरिया की खोज की है, जो बीमारियां फैलाने वाले मच्छरों की वृद्धि को रोकने में सहायक हो सकता है। एक्सेटर और वगेनिंजेन विश्वविद्यालयों की शोधकर्ताओं की टीम ने दिखाया है कि यदि मच्छरों के लार्वा असाइआ बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं, तो उनकी वृद्धि में तेजी आती है। यह खोज डेंगू, पीला बुखार, और ज़ीका जैसी मच्छरों द्वारा फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम में मदद कर सकती है। हाल ही में एक मैग्जीन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, इस बैक्टीरिया ने मच्छरों के विकास के समय को एक दिन बढ़ा दिया है। यह अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के जीवन चक्र को प्रभावित कर सकते हैं। इससे पहले भी ऐसे कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिसमें बिना काटने वाले नरों को पैदा करके छोड़ा गया है, ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके।

यह तरीका कीटनाशकों के मुकाबले अधिक प्रभावी साबित हो सकता है, खासकर जब मच्छरों ने कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लिया है। शोधकर्ता प्रोफेसर बेन रेमंड ने बताया, असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के स्वास्थ्य में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन इसे एडीस इजिप्टी पर पहले कभी पूरी तरह से नहीं आजमाया गया था। हमारे अध्ययन में पाया गया कि कुछ असाइआ बैक्टीरिया इस मच्छर के लार्वा की वृद्धि को सहायक बना सकते हैं। बैक्टीरिया का प्रभाव: शोध में मच्छरों के लार्वा वाले पानी में असाइआ बैक्टीरिया मिलाए गए, और यह देखा गया कि दो विशेष प्रकार के असाइआ बैक्टीरिया लार्वा के विकास को तेज करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बैक्टीरिया सीधे पोषण नहीं देते, बल्कि अन्य बैक्टीरिया को बदलकर लार्वा की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं। शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि असाइआ बैक्टीरिया ऑक्सीजन की मात्रा को घटाकर ऐसे हार्मोन उत्पन्न करते हैं, जो लार्वा की वृद्धि को तेज करते हैं।

काठमांडू के विमानस्थल से 5 किलो सोने की तस्करी में एक चीनी सहित 3 विदेशी गिरफ्तार

काठमांडू, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

नेपाल के विमानस्थल से सोने की तस्करी का मामला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल से बुधवार को सुबह तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से तस्करी के लिए लाया गया 5 किलो से अधिक सोना बरामद किया गया है। सोने की यह खेप स्पीकर के भीतर छिपा कर लाई गई थी। गिरफ्तार तस्करों में एक चीनी और दो म्यांमार के नागरिक हैं। डीएसपी थापा के मुताबिक बुधवार की सुबह शारजाह से काठमांडू आई एयर अरेबिया के विमान से आने वाले यात्रियों की नियमित जांच की जा रही थी। इसी दौरान तीन विदेशीं नागरिकों के पास से पांच किलो से अधिक सोना बरामद किया गया। सोना लाने वाले तीनों यात्रियों को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। विमान स्थल की सुरक्षा कमान संभाल रहे सशस्त्र प्रहरी बल के डीएसपी शैलेन्द्र थापा ने बताया कि इन तीनों यात्रियों के पास से 5 किलो 700 ग्राम सोना बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए यात्रियों में चीनी नागरिक जियान जोंग और म्यांमार के नागरिक सान दाइंग तुंग तथा नोंग फु हैं, जिन्हें कस्टम विभाग को सौंप दिया गया है।

सऊदी अरब में बर्फबारी, रेगिस्तान बन गया वंडरलैंड

रियाद, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

सऊदी अरब के अल-जौफ क्षेत्र में हाल ही में हुई बर्फबारी ने रेगिस्तान को एक शीतकालीन वंडरलैंड के तौर पर बदल दिया है। इस क्षेत्र में पहली बार बर्फबारी का नजारा देखने को मिला है।

सऊदी मीडिया के मुताबिक, यह बर्फबारी इस क्षेत्र के इतिहास में पहली बार देखी गई है और इसे एक असामान्य मौसमीय घटना के रूप में देखा जा रहा है। बर्फबारी से पहले क्षेत्र में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे मौसम अचानक ठंडा हो गया और तापमान अप्रत्याशित तौर पर गिर गया। यहां बताते चलें कि पिछले हफ्ते से ही सऊदी अरब के मौसम में असामान्य बदलाव देखे जा रहे हैं। अल-जौफ में बुधवार को भारी बारिश और ओले गिरे, जिसके बाद उत्तरी सीमा, रियाद और मक्का क्षेत्र सहित तबुक और अल बहाह क्षेत्रों में भी बदलते मौसम का प्रभाव नजर आया। सोमवार को अल-जौफ के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हुई, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई हैं। यूएई के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) ने इस असामान्य मौसम का कारण एक निम्न दबाव प्रणाली को बताया है, जो अरब सागर से ओमान तक फैली हुई है। इस प्रणाली से आई नमी भरी हवाओं ने पूरे क्षेत्र में गरज, ओले और बारिश की स्थिति पैदा की, जो अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है।

सऊदी में बर्फबारी एक दुर्लभ घटना

सऊदी अरब में बर्फबारी बेहद दुर्लभ मानी जाती है, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में जलवायु में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। कुछ साल पहले, सहारा के रेगिस्तान में तापमान -2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की घटना भी चर्चा में रही। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों का संकेत है, जिससे पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्र भी प्रभावित हो रहे हैं। बदलते वायुमंडलीय स्थितियों के कारण रेगिस्तानों में बर्फबारी जैसी असामान्य घटनाएं देखने को मिल रही हैं। इस साल की शुरुआत में, रियाद में भारी बारिश के कारण आई अभूतपूर्व बाढ़ और दुबई में बाढ़ ने भी क्षेत्र के बदलते मौसम को रेखांकित किया था। इस घटनाक्रम ने न केवल विशेषज्ञों को सोचने पर मजबूर किया है बल्कि आम लोगों का ध्यान भी जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों की ओर खींचा है।

इजराइल के हमले में दक्षिणी लेबनान के 29 गांव मलबे में तब्दील

बेरूत, 06 नवंबर (एजेंसियां)।

आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के खिलाफ इजराइल के हमले में दक्षिणी लेबनान के 29 गांव मलबे में तब्दील हो गए। इजराइल ने यहां हिजबुल्लाह की सुरंगों को निशाना बनाकर आतंकी समूह की कमर तोड़ दी है। लेबनान के अखबार बेरूत टुडे ने अपनी खबर में यह दावा सैटेलाइट फुटेज के आधार पर किया है। इसमें कहा गया है।

दक्षिणी लेबनान का मेस अल जबल गांव चार नवंबर को इजराइली सेना के शक्तिशाली विस्फोटों में मटियामेट हो गया।

यहां विनाश के अलावा कुछ नहीं बचा है। हिजबुल्लाह आतंकवादियों को सीमा से पीछे धकेलने के उद्देश्य से किए जा रहे हमलों से दक्षिणी लेबनान के गांवों में बार-बार तबाही हो रही है।

म्हाइबेब, मारवाहीन , ओडाइसेह, कफ्र किला हौला और एतारौन गांवों में सब कुछ सेकंडों में मलबे में तब्दील हो गया। इनफार्मेशन इंटरनेशनल के अनुसंधान निदेशक मोहम्मद शामेद्दीन का दावा है कि इजराइल ने सीमा पर कम से कम 29 गांवों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया है। लेबनान के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि इजरायली सेना का यह अभियान युद्ध अपराध है। इस पर इजराइल ने कहा कि उसका मकसद सीमा क्षेत्र में हिजबुल्लाह के सुरंगों के नेटवर्क को नेस्तनाबूत करना है।

लेबनान की राष्ट्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, लेबनान में मंगलवार को इजराइल की एयर स्ट्राइक में कम से कम 25 लोग मारे गए और 32 अन्य घायल हो गए। इजराइल ने माउंट लेबनान के चौफ जिले के बारजा में एक आवासीय अपार्टमेंट को निशाना बनाया। इस हमले में 15 लोग मारे गए। गांवों और कस्बों में हुए हमले में 10 अन्य लोग हताहत हुए हैं। इजराइल ने लेबनान और सीरिया के बीच मस्ना-जदीदत याबूस सीमा क्रॉसिंग पर एक वाहन को निशाना बनाया।

इस बीच, हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसके लड़ाकों ने गोलान में इजराइल की 810वीं हरमोन ब्रिगेड के मुख्यालय माले गोलानी बैरक पर रॉकेटों से हमला किया। कई इजरायली शहरों में भी रॉकेट दागे हैं।

आईपीएल 2025 मेगा-नीलामी के लिए पंजीकरण कराने वाले पहले इतालवी क्रिकेटर बने थॉमस ड्रेका

नयी दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)।

इटली के दाएं हाथ के तेज गेंदबाज थॉमस ड्रेका आगामी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 मेगा नीलामी के लिए देश से अपना नाम पंजीकृत कराने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बन गए हैं, जो 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में होने वाली है।

ड्रेका ने 30 लाख रुपये के बेस प्राइस के साथ ऑलराउंडर की श्रेणी में अपना नाम दर्ज कराया है। यह देखना दिलचस्प होगा कि आईपीएल फ्रेंचाइजी आगामी मेगा नीलामी में तेज गेंदबाज को खरीदने के लिए अपना उत्साह दिखाती है या नहीं। इतालवी तेज गेंदबाज ने इस साल जून में लक्जमबर्ग के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, जहां उन्होंने अपने चार ओवरों में 2/15 के आंकड़े दर्ज किए थे। उनकी टीम ने यह मैच 77 रनों से जीत लिया। उन्होंने अब तक खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए चार मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 8 विकेट चटकाए हैं।

इस तेज गेंदबाज ने हाल ही में ग्लोबल टी20 कनाडा 2024 में ब्रैम्पटन वॉल्व्स के लिए प्रतिस्पर्धा की और अपने असाधारण प्रदर्शन से सभी को चौंका दिया। ड्रेका ने छह मैचों में कुल 11 विकेट लेकर टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उनका औसत 10.63 और इकॉनमी रेट 6.88 रहा।

उन्होंने सरे के खिलाफ चार ओवर में 18 रन देकर 3 विकेट लेकर सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, जिससे उनकी टीम को 198 रनों का बचाव करने में मदद मिली, जहां उनकी टीम ने 59 रनों से जीत हासिल की। उन्होंने मिसिसॉगा और सरे के खिलाफ क्रमशः 3/10 और 3/30 के आंकड़े भी दर्ज किए, जिससे उनकी टीम को अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल करने में मदद मिली। ब्रैम्पटन प्रतियोगिता के दूसरे क्वालीफायर में टोरंटो नेशनल्स से पांच विकेट से हारकर बाहर हो गया था।

आईपीएल 2025 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी के लिए पंजीकरण आधिकारिक तौर पर बंद हो गया है, जिसमें कुल 1,574 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।

इसमें 1,165 भारतीय खिलाड़ी और 409 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं, जो दुनिया की प्रमुख टी20 लीग में जगह बनाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साहित हूं : यूपी योद्धा सहायक कोच उपेंद्र मलिक

हैदराबाद। हैदराबाद के जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के रोमांचक मैच में यूपी योद्धा को जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ 33-30 के स्कोर से हार का सामना करना पड़ा। हार के बावजूद, यूपी योद्धा ने पूरे मैच में शानदार डिफेंसिव प्रदर्शन किया। जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ 33-30 की करीबी हार पर यूपी योद्धा के सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने कहा कि टीम ने खेल के शुरुआती मिनटों में शानदार प्रदर्शन किया। पीकेएल की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में उपेंद्र मलिक के हवाले से कहा गया, टीम ने खेल के शुरुआती मिनटों में शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक मोड़ सुमित और हितेश के असाधारण प्रदर्शन के कारण आया, जिन्होंने डिफेंस में उल्लेखनीय समन्वय दिखाया। हालांकि, महत्वपूर्ण क्षणों में कुछ छोटी डिफेंसिव गलतियों ने मैच की गति को बदल दिया। मैच के मुख्य आकर्षणों में जयपुर पिंक पैंथर्स के अर्जुन को आउट करने के लिए सुमित द्वारा किया गया शानदार सुपर टैकल शामिल था, जबकि भरत हुड्डा ने चार रेड पॉइंट और एक टैकल पॉइंट के साथ प्रभावशाली प्रदर्शन किया। पहले हाफ में यूपी योद्धा ने 17-15 से बढ़त बनाई, जिसमें अटैक में गगन गौड़ा और डिफेंस में आशु सिंह का मजबूत साथ था। डिफेंडर सुमित ने टीम के प्रदर्शन पर कहा, कुल मिलाकर, हमने अच्छा खेला, लेकिन महत्वपूर्ण समय पर कुछ गलतियों ने निश्चित रूप से प्रभाव डाला। हमें अपने दृष्टिकोण को बेहतर बनाने की आवश्यकता है, और हम अगले मैच के लिए पहले से ही सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। हम मजबूत वापसी करने की कोशिश करेंगे। अपनी रक्षात्मक रणनीति में, योद्धा जयपुर के खतरनाक रेडर अर्जुन को रोकने में उल्लेखनीय रूप से प्रभावी रहे, जिनके रेड ने पिछले मुकाबलों में अक्सर समस्याएँ पैदा की हैं। मलिक ने बताया, हमने विशेष रूप से अर्जुन पर ध्यान केंद्रित किया, और हमारी रणनीति अच्छी तरह से काम आई। पिछले खेलों की तुलना में वह कम खतरनाक था, और उन्हें आगे बढ़ने के लिए बोनस अंकों पर निर्भर रहना पड़ा।

फातोर्डा में होगी गोवा और पंजाब एफसी की आक्रामक भिड़ंत

गोवा। बेहतरीन फॉर्म में चल रही दो टीमें एफसी गोवा और पंजाब एफसी बुधवार शाम फातोर्डा स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। एफसी गोवा ने बेंगलुरू एफसी पर 3-0 की शानदार जीत के साथ चार घरेलू मैचों में जीत से अपनी दूरी को समाप्त किया। लिहाजा, गौर्स इस मैच में नए आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। वहीं, पंजाब एफसी भी जबर्दस्त फॉर्म में है, वो पांच मैचों में चार जीत और एक हार से 12 अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है। इस दौरान उसे एकमात्र हार 18 अक्टूबर 2024 को बेंगलुरू एफसी से मिली थी। गौर्स ने आईएसएल 2024-25 में 18-यार्ड बॉक्स के अंदर से 12 गोल किए हैं, जो इस अवधि में सबसे ज्यादा हैं। उनमें से आर्मंडो सादिकु (6) और बोरा हेरारा (4) ने 10 गोल दागे हैं। गौर्स ने पिछले मैच में 16 हाई टर्नओवर (विपक्ष के गोल के 40 मीटर के भीतर गेंद को वापस जीतना) अपने नाम किए, जो सभी टीम में सबसे ज्यादा है। वहीं, पंजाब एफसी ने पिछले पांच मुकाबलों में चार जीत हासिल करके शानदार शुरुआत की है। इस दौरान बेंगलुरू एफसी के साथ उसका एकमात्र मैच था, जिसमें वो गोल करने में विफल रही थी। पंजाब ने प्रति मैच तीन बड़े मौके बनाए हैं, जो सभी टीम में सबसे अधिक है। इस सीजन में उनके नौ गोलों में से आठ उपरोक्त मौकों से आए हैं। एफसी गोवा के स्पेनिश हेड कोच मैनोलो मार्कुएज ने कहा कि वह खेल के परिणाम की परवाह किए बिना सकारात्मक बने रहना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, बतौर कोच मेरा अनुभव है कि यदि टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती है तो आप बहुत नकारात्मक या निराशावादी नहीं हो सकते। बेशक, आप क्रोधित हो सकते हैं, लेकिन मुझे शीर्ष टीमों और निचली टीमों (तालिका में) के बीच बहुत अंतर नहीं दिखता है। पंजाब एफसी के ग्रीक हेड कोच पैनागियोटिस दिलमपेरिस एफसी गोवा के गेमप्ले के साथ तालमेल बिठाने को लेकर अधिक चिंतित नहीं हैं। उन्होंने कहा कि उनकी टीम आगामी मैच में गौर्स को खेल शैली में बदलाव करने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कहा, हम उनके (एफसी गोवा की खेल शैली) के साथ तालमेल नहीं बिठाएंगे। हम अपने हिसाब से खेलने के लिए दबाव डालेंगे। हमें केवल इस बात की परवाह है कि दूसरी टीमें हमारे खिलाफ कैसे खेलती हैं।

ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम टी20 कप्तान बने इंगलिस, पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे वनडे में भी करेंगे कप्तानी

मेलबन, 6 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर जोश इंगलिस को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए अंतरिम टी20 कप्तान बनाया गया है। मिशेल मार्श और ट्रैविस हेड की अनुपस्थिति में, वह पर्थ में तीसरे और अंतिम वनडे में भी कप्तानी करेंगे, जिसमें पैट कमिंस, स्टीवन स्मिथ और जोश हेज़लवुड सभी आराम करेंगे।

कमिंस, स्मिथ, हेज़लवुड, मिशेल स्टार्क और मार्नस लाबुशेन बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए तीसरा मैच नहीं खेलेंगे, जबकि इंगलिस कप्तान के रूप में बागडोर संभालेंगे।

जेवियर बार्टलेट, स्पेंसर जॉनसन और जोश फिलिप सभी को पर्थ वनडे के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल किया गया है, जबकि लांस मॉरिस समूह के साथ बने हुए हैं, जो पहले वनडे के लिए हेज़लवुड के कवर के रूप में मेलबर्न में थे, जब वह न्यू साउथ वेल्स के लिए शेफ़ील्ड शील्ड गेम खेल रहे थे। इसका मतलब है कि हेज़लवुड एडिलेड में श्रृंखला में सिर्फ एक वनडे खेलेंगे।

29 वर्षीय इंगलिस ऑस्ट्रेलिया के 14वें टी20आई कप्तान और 30वें वनडे कप्तान बनेंगे। चयनकर्ताओं की सिफारिश के बाद बोर्ड ने उन्हें मंजूरी दे दी है। मार्श, स्थायी टी20आई कप्तान और हेड, जिन्होंने सितंबर में इंग्लैंड में मार्श की अनुपस्थिति में एक खेल में टीम का नेतृत्व किया था, दोनों ही पितृत्व अवकाश और टेस्ट की तैयारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

टेस्ट और वनडे कप्तान कमिंस और टेस्ट उप-कप्तान स्मिथ भी टेस्ट समर की तैयारी के लिए टी20 श्रृंखला में नहीं खेल रहे हैं।

चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा, जोश वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय टीमों के अभिन्न सदस्य हैं और मैदान के अंदर तथा बाहर एक बेहद सम्मानित खिलाड़ी है। उन्होंने पहले ऑस्ट्रेलिया ए [प्रधानमंत्री एकादश] का नेतृत्व किया है और इस भूमिका में मजबूत सामरिक कौशल और सकारात्मक दृष्टिकोण लाएंगे। जोश को मैट शॉर्ट और एडम ज़म्पा जैसे खिलाड़ियों के साथ-साथ ग्लेन मैक्सवेल और मार्कस स्टोइनिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों से बहुत अच्छा समर्थन मिलेगा।

इंगलिस पिछले सीजन में पर्थ स्कॉर्चर्स के उप-कप्तान थे और उनके नेतृत्व समूह का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थे। जब एश्टन टर्नर को सीजन खत्म करने वाली चोट लगी थी, तब उन्हें कप्तानी संभालने के लिए दृढ़ता से विचार किया गया था, लेकिन इसके बजाय आरोन हार्डी को चुना गया, केवल इसलिए क्योंकि समय की कमी के कारण अपने युवा गेंदबाजों में से किसी को विकेटकीपर-कप्तान नहीं रखना चाहते थे।

पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम : पैट कमिंस (कप्तान), सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश हेजलवुड, जोश इंगलिस, स्पेंसर जॉनसन, मार्नस लैबुशेन, ग्लेन मैक्सवेल, लांस मॉरिस, जोश फिलिप, मैथ्यू शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा।

पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम : सीन एबॉट, जेवियर बार्टलेट, कूपर कोनोली, टिम डेविड, नाथन एलिस, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, आरोन हार्डी, जोश इंगलिस (कप्तान), स्पेंसर जॉनसन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टोइनिस, एडम जाम्पा।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत 9 नवंबर को राजधानी दिल्ली में करेगा रन फॉर इनक्लूशन का आयोजन

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)।

स्पेशल ओलंपिक्स भारत (एसओबी), जो बौद्धिक और विकासात्मक अक्षमताओं (आईडीडी) वाले एथलीटों के लिए खेल को बढ़ावा देने वाली राष्ट्रीय खेल महासंघ है, 9 नवंबर 2024 को एक अनूठी दौड़, रन फॉर इनक्लूशन आयोजित करेगा। यह दौड़ नई दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 18 से 23 नवंबर 2024 के बीच आयोजित होने वाली स्पेशल ओलंपिक्स एशिया पैसिफिक बोचे और बॉलिंग प्रतियोगिता की तैयारियों का हिस्सा होगी।

यह भारत में अपनी तरह की सबसे बड़ी दौड़ है, जिसका उद्देश्य खेलों के माध्यम से समावेशन की ताकत का जश्न मनाना है, और यह चाणक्यपुरी स्थित सेंट्रल सिविल सर्विस ग्राउंड, नेहरू पार्क से शुरू होगी। दिल्ली एनसीआर से लगभग 10,000 प्रतिभागियों के इस 3 किलोमीटर दौड़ में शामिल होने की उम्मीद है, जो विशेष एथलीटों के समर्थन में भाग लेंगे। स्पेशल ओलंपिक्स भारत का लक्ष्य 100 से अधिक स्कूलों और कॉलेजों के लगभग 1000 विशेष एथलीटों (बौद्धिक अक्षमता वाले व्यक्ति) का स्वागत करना है, जो इस दौड़ में एकजुटता से हिस्सा लेंगे।

दौड़ का मुख्य उद्देश्य, ईच वन, रीच वन (प्रत्येक एक, पहुँच एक) समावेशिता के महत्व पर जोर देगा और प्रत्येक प्रतिभागी को न केवल दौड़ में भाग लेने के लिए बल्कि विशेष एथलीटों तक पहुँचने के लिए भी प्रेरित करेगा। केंद्रीय राज्य मंत्री, हर्ष मल्होत्रा (कारपोरेट मामलों और सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय) इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और इस पहल का पूरा समर्थन देंगे।

इसके अतिरिक्त, पश्चिमी दिल्ली से लोकसभा सदस्य कमलजीत शेरावत, नई दिल्ली से बांसुरी स्वराज और उत्तर पूर्वी दिल्ली से मनोज तिवारी भी इस अवसर पर अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराएंगे। एसओ भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा ने कहा, रन फॉर इंक्लूशन के माध्यम से, हम न केवल खेल की भावना का बल्कि समावेशन की अडिग शक्ति का जश्न मनाते हैं।

बीबीएल : सिडनी थंडर के कप्तान नियुक्त हुए डेविड वार्नर

सिडनी, 6 नवंबर (एजेंसियां)।

डेविड वॉर्नर पर कप्तानी का प्रतिबंध हटाए जाने के बाद उन्हें बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी संस्करण के लिए सिडनी थंडर का कप्तान घोषित किया गया है। बाएं हाथ के इस अनुभवी खिलाड़ी ने क्रिस ग्रीन की जगह ली है, हालांकि ग्रीन एक खिलाड़ी के रूप में टीम का हिस्सा बने रहेंगे।

वार्नर को कप्तानी के लिए पात्र हुए दो सप्ताह से भी कम समय हुआ है, तीन सदस्यीय स्वतंत्र पैनल ने संतुष्टि व्यक्त की है कि उन्होंने प्रतिबंध को तत्काल प्रभाव से हटाने के लिए सभी मानदंडों को पूरा किया है।

वार्नर ने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा, इस सीजन में फिर से थंडर की कप्तानी करना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं शुरू से ही टीम का हिस्सा था, और अब अपने नाम के आगे सी के साथ वापस आना शानदार लगता है। मैं आगे बढ़कर नेतृत्व करने और आने वाली युवा प्रतिभाओं के साथ अपना अनुभव साझा करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, मैदान के बाहर नेतृत्व भी उतना ही महत्वपूर्ण है। मैं ऐसा माहौल बनाना चाहता हूँ जहाँ हम सभी खेल से ब्रेक ले सकें, एक-दूसरे से जुड़ सकें और आनंद ले सकें। चाहे टीम के साथ खाना हो, गोल्फ़ कोर्स पर हो या पश्चिमी सिडनी में अपने प्रशंसकों से मिलना हो, यह सब सौहार्द बनाने और ज़मीन से जुड़े रहने के बारे में है। मैं ग्रीनी (क्रिस ग्रीन) के नेतृत्व करने के तरीके की सराहना करना चाहता हूँ। वह शानदार नेतृत्व गुणों वाला एक असाधारण प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। जेसन संघा भी एक शानदार खिलाड़ी हैं। मैंने दोनों से बहुत अच्छी जानकारी हासिल की है और मुझे पता है कि इस सीजन में मैं उन पर भरोसा कर सकता हूं।। थंडर को उम्मीद है कि वार्नर की कप्तानी उन्हें सफलता की ओर प्रेरित करेगी, क्योंकि पिछले सीजन में वे सबसे निचले पायदान पर रहे थे। बीबीएल 14 की शुरुआत 15 दिसंबर से होगी। थंडर का पहला मैच 17 दिसंबर को कैनबरा में एडिलेड स्ट्राइकर्स के खिलाफ होगा। सिडनी थंडर की टीम: डेविड वार्नर (कप्तान), वेस एगर, कैमरून बैनक्रॉफ्ट, सैम बिलिंग्स, ओलिवर डेविस, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट गिलकेस, क्रिस ग्रीन, लियाम हैचर, सैम कोंस्टास, निक मैडिनसन, नाथन मैकएंड्रू, शेरफेन रदरफोर्ड, विलियम साल्ज़मैन, डैनियल सैम्स, जेसन संघा, तनवीर संघा।

रग्बी विश्व कप क्वालीफायर 2027,नामीबिया ने स्थानीय कोचिंग टीम नियुक्त की

विंडहोक, 6 नवंबर (एजेंसियां)।

नामीबिया के रग्बी यूनियन (एनआरयू) ने मंगलवार को 2025 में होने वाले रग्बी विश्व कप क्वालीफायर अभियान में टीम का नेतृत्व करने के लिए नामीबियाई कोचिंग टीम नियुक्त की। उल्लेखनीय नियुक्ति जैक्स बर्गर की है, जो एक सेवानिवृत्त नामीबियाई रग्बी यूनियन लूज फॉरवर्ड और पूर्व कप्तान हैं, जिन्हें दक्षिण अफ्रीका के एलिस्टर कोएत्ज़ी की जगह रग्बी का निदेशक नियुक्त किया गया है। एनआरयू ने मीडिया ब्रीफ और अपने सोशल मीडिया पेज पर, पूर्ण कोचिंग टीम की घोषणा की, जिसमें एक अन्य साथी और पूर्व नामीबियाई रग्बी खिलाड़ी, क्रिसेंडर बोथा मुख्य कोच के रूप में शामिल हैं, जैको एंगेल्स, रोहन किट्सहॉफ और डेविड फिलेंडर सहायक कोच और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच, सर्जियो डे ला हार्प हैं। इस साल, नामीबिया की टीम को रग्बी अफ्रीका कप के सेमीफाइनल में अंतिम विजेता जिम्बाब्वे से हार का सामना करना पड़ा था। युगांडा में आयोजित होने वाला 2025 रग्बी अफ्रीका कप, विश्व रग्बी द्वारा आयोजित 2027 पुरुष रग्बी विश्व कप के लिए दो साल का क्वालीफिकेशन टूर्नामेंट है। मौजूदा रग्बी अफ्रीका कप चैंपियन जिम्बाब्वे ने जुलाई में आयोजित 2024 टूर्नामेंट के फाइनल मैच में अल्जीरिया के खिलाफ जीत हासिल की। 2025 टूर्नामेंट में जिम्बाब्वे, अल्जीरिया, नामीबिया, केन्या, सेनेगल, कोटे डी आइवर शामिल होंगे। विश्व रग्बी के अनुसार, पुरुषों का रग्बी विश्व कप 2027 ऑस्ट्रेलिया में आयोजित किया जाएगा और इसमें 24 टीमें भाग लेंगी।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग : पंत और मिशेल की शीर्ष 10 में वापसी

नई दिल्ली, 6 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिशेल मुंबई में खेले गए आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप सीरीज के तीसरे मैच में शानदार प्रदर्शन के बाद आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापस आ गए हैं।

पंत, जिन्होंने पहली पारी में 60 और दूसरी पारी में 64 रनों की पारी खेली थी, पांच पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं, जो जुलाई 2022 में हासिल किए गए उनके करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान से एक कम है। मिशेल, जो इस साल सितंबर में तीसरे स्थान पर थे, तालिका में नीचे खिसकने से पहले, 82 और 21 के स्कोर के बाद आठ पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

प्लेयर ऑफ द सीरीज विल यंग के 71 और 51 के स्कोर ने उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ 550 रेटिंग अंकों के साथ 29 पायदान ऊपर 44वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, जबकि ग्लेन फिलिप्स 45वें से 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

शुभमन गिल के पहली पारी के 90 रन ने उन्हें 20वें से 16वें स्थान पर पहुंचने में मदद की है, लेकिन भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर खिसक गए हैं और पूर्व कप्तान विराट कोहली दिसंबर 2014 के बाद पहली बार दुनिया के शीर्ष 20 टेस्ट बल्लेबाजों की सूची से बाहर हो गए हैं।

पुरुषों की नवीनतम साप्ताहिक रैंकिंग अपडेट में चटगाँव में बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे टेस्ट में प्रदर्शन को भी शामिल किया गया है, जिसमें दक्षिण अफ्रीका के तीन खिलाड़ियों ने एक ही पारी में पहला शतक बनाया, टेस्ट इतिहास में ऐसा केवल दूसरा मामला है। शतक लगाने वाले सभी बल्लेबाजों - टोनी डी ज़ोरज़ी (32 पायदान ऊपर 38वें स्थान पर), ट्रिस्टन स्टब्स (27 पायदान ऊपर 71वें स्थान पर) और वियान मुल्डर (19 पायदान ऊपर 75वें स्थान पर) को रैंकिंग में फायदा मिला है।

गेंदबाजी रैंकिंग में, भारत के बाएं हाथ के स्पिनर रवींद्र जडेजा और न्यूजीलैंड के प्लेयर ऑफ द मैच एजाज पटेल ने वानखेड़े स्टेडियम में अपने प्रदर्शन के बाद बढ़त हासिल की है। जडेजा के तीसरे मैच में 10 विकेट लेने की बदौलत वे आठवें से छठे स्थान पर पहुँच गए हैं और 800 अंकों के पार पहुँच गए हैं, जबकि पटेल के 11 विकेटों ने उन्हें 12 पायदान की छलांग के साथ करियर के सर्वश्रेष्ठ 22वें स्थान पर पहुँचा दिया है।

दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज भी दूसरी पारी में 59 रन देकर पांच विकेट लेने के बाद 23वें से 19वें स्थान पर पहुंच गए हैं। तेज गेंदबाज कागिसो रबाडा ने पहली पारी में पांच विकेट लेकर 11 रेटिंग अंक हासिल करके तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

भारत के ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर तीनों सूचियों में ऊपर चढ़े हैं, जबकि बांग्लादेश के नईम हसन, न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी और भारत के आकाश दीप गेंदबाजी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं।

न्यूजीलैंड के हाथों 3-0 से मिली हार के बाद भारत आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में दूसरे स्थान पर खिसक गया है। क्वालीफायर निर्धारित करने वाले प्रतिशत अंकों के अनुसार ऑस्ट्रेलिया अब शीर्ष पर है, जबकि दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड ने जोरदार वापसी की है।

ऑस्ट्रेलिया (62.50), भारत (58.33), श्रीलंका (55.56), न्यूजीलैंड (54.55) और दक्षिण अफ्रीका (54.17) सभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण में सात सीरीज शेष रहते हुए प्रतिस्पर्धा में बने हुए हैं।

क्रिप्टो करेंसी मार्केट के लिए डोनाल्ड ट्रंप बन रहे हैं ट्रंप कार्ड, चुनाव के रुझान से रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा बिटकॉइन

नई दिल्ली,06 नवंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के नतीजे व रुझान आने लगे हैं। इनमें पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बहुमत के करीब पहुंचते नजर आ रहे हैं। चुनावी रेस में ट्रंप के आगे निकलने के कारण क्रिप्टो करेंसी मार्केट में भी तेज हलचल नजर आ रही है। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन उछल कर 75 हजार डॉलर के स्तर को भी पार कर गई। भारतीय समय के अनुसार दोपहर 12 बजे तक ये क्रिप्टो करेंसी 75,011.06 डॉलर के सर्वोच्च स्तर को टच कर चुकी है। इसके पहले इसी साल 14 मार्च को बिटकॉइन ने 73,797.68 डॉलर के स्तर पर पहुंच कर रिकॉर्ड बनाया था, लेकिन अमेरिका में काउंटिंग के रुझानों ने इस क्रिप्टो करेंसी में नई जान फूंक दी है।

भारत में क्रिप्टो करेंसी का कारोबार करने के लिए अधिकृत एजेंसी कॉइन मार्केट कैप के ऑपरेशन हेड रवनीत खन्ना का कहना है कि अमेरिका में हो रहे चुनाव से क्रिप्टो करेंसी मार्केट पर काफी असर पड़ा है। जो बाइडेन और कमला हैरिस की पॉलिसी शुरू से ही क्रिप्टो करेंसी के खिलाफ रही है, जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में न केवल क्रिप्टो करेंसी की महत्ता को स्वीकार किया था, बल्कि इसे वैकल्पिक मुद्रा के रूप में मान्यता देने की बात का समर्थन भी किया था। यही कारण है कि अगर अमेरिका के चुनाव परिणाम में डोनाल्ड ट्रंप सरकार बनाने की स्थिति में आ जाते हैं, तो क्रिप्टो करेंसी मार्केट, खासकर बिटकॉइन में मजबूती का नया रिकॉर्ड बन सकता है। वहीं, अगर अंतिम समय में किसी उलटफेर की वजह से कमला हैरिस जीतती हैं, तो क्रिप्टो करेंसी मार्केट का सेंटीमेंट भी निगेटिव हो सकता है। क्रिप्टो करेंसी मार्केट के भविष्य को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति के चुनाव नतीजे काफी अहम माने जा रहे हैं। कमला हैरिस के पहले के कुछ बयानों की वजह से इस बात का अनुमान लगाया जा रहा है कि अगर सत्ता में कमला हैरिस आईं तो क्रिप्टो करेंसी मार्केट के लिए प्रतिकूल परिस्थितियों का निर्माण हो सकता है। दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप को क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए पहले से ही पॉजिटिव माना जाता है। इस साल की शुरुआत में जब डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की बात कही थी, तब भी उन्होंने अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिहाज से क्रिप्टो करेंसी के चलन को जरूरी बताया था।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी चुनाव रुझानों से शेयर बाजार में उत्साह, सेंसेक्स व निफ्टी में जोरदार तेजी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मजबूती का रुख नजर आ रहा है। के कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार कुछ मिनट के लिए लाल निशान में भी गिरा, लेकिन इसके बाद अमेरिकी चुनाव के ट्रेंड से उत्साहित विदेशी निवेशकों ने खरीदारी शुरू कर दी, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। हालांकि बीच-बीच में मुनाफा वसूली के चक्कर में बिकवाली भी होती रही। इसके बावजूद शेयर बाजार की चाल में लगातार तेजी बनी रही। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.68 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ट्रेंट लिमिटेड, इन्फोसिस, एचसीएल टेक्नोलॉजी, टीसीएस और टेक महिंद्रा के शेयर 2.89 प्रतिशत से लेकर 2.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाइटन कंपनी, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, टाटा स्टील, एचडीएफसी लाइफ और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर 1.87 प्रतिशत से लेकर 0.60 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,367 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,963 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 404 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 24 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 6 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 41 शेयर हरे निशान में और 9 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स 295.19 अंक की मजबूती के साथ 79,771.82 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही बिकवाली के दबाव की वजह से पहले 10 मिनट के कारोबार में ही ये सूचकांक गिर कर लाल निशान में 79,459.12 अंक तक पहुंच गया, लेकिन इसके तुरंत बाद खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 600 अंक से ज्यादा उछलकर 80 हजार अंक के स्तर को पार करके 80,115.34 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में इसकी चाल में मामूली गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी खरीद-बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10 : 15 बजे सेंसेक्स 537.53 अंक की बढ़त के साथ 80,014.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने 95.45 अंक उछल कर 24,308.75 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में बढ़कर 28,32,944 इकाई हुईः फाडा

मुंबई। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 28,32,944 इकाई हो गई। दोपहिया तथा यात्री वाहनों सहित सभी खंडों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। उद्योग संगठन फाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अक्टूबर 2023 में खुदरा बिक्री 21,43,929 इकाई रही थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वर्ष अक्टूबर में मजबूत वृद्धि की मुख्य वजह मजबूत ग्रामीण मांग रही। खासकर दोपहिया तथा यात्री वाहनों की बिक्री में तेजी और रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि से समर्थन मिला। यात्री वाहनों की बिक्री 32.38 प्रतिशत बढ़कर 4,83,159 इकाई हो गई, जो अक्टूबर 2023 में 3,64,991 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 36.35 प्रतिशत बढ़कर 20,65,095 इकाई रही जो अक्टूबर 2023 में 15,14,634 इकाई थी। अक्टूबर 2024 में तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11.45 प्रतिशत बढ़कर 1,22,846 हो गई। फाडा के अनुसार अक्टूबर में ट्रैक्टर की बिक्री 3.08 प्रतिशत बढ़कर 64,433 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 62,542 इकाई थी। उद्योग संगठन के अनुसार अक्टूबर में प्रमुख त्यौहारों के एक साथ आने से उपभोक्ता मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आकर्षक त्यौहारी ऑफर, नए मॉडल पेश होने और बेहतर उपलब्धता से दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत और मासिक आधार पर 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, ग्रामीण मांग, अनुकूल मानसून और अच्छी फसल की उम्मीदों ने भी वृद्धि में योगदान दिया। वहीं यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 32 प्रतिशत और मासिक आधार पर 75 प्रतिशत बढ़ी। यह त्योहारी मांग, बेहतरीन ऑफर और नए मॉडल पेश होने से प्रेरित रही। फाडा समग्र मोटर वाहन उद्योग के निकट भविष्य की वृद्धि को लेकर आशावादी है, खासकर आगामी शादियों को देखते हुए।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला स्विगी का आईपीओ एंकर इनवेस्टर्स से मिले 5,085 करोड़ रुपए

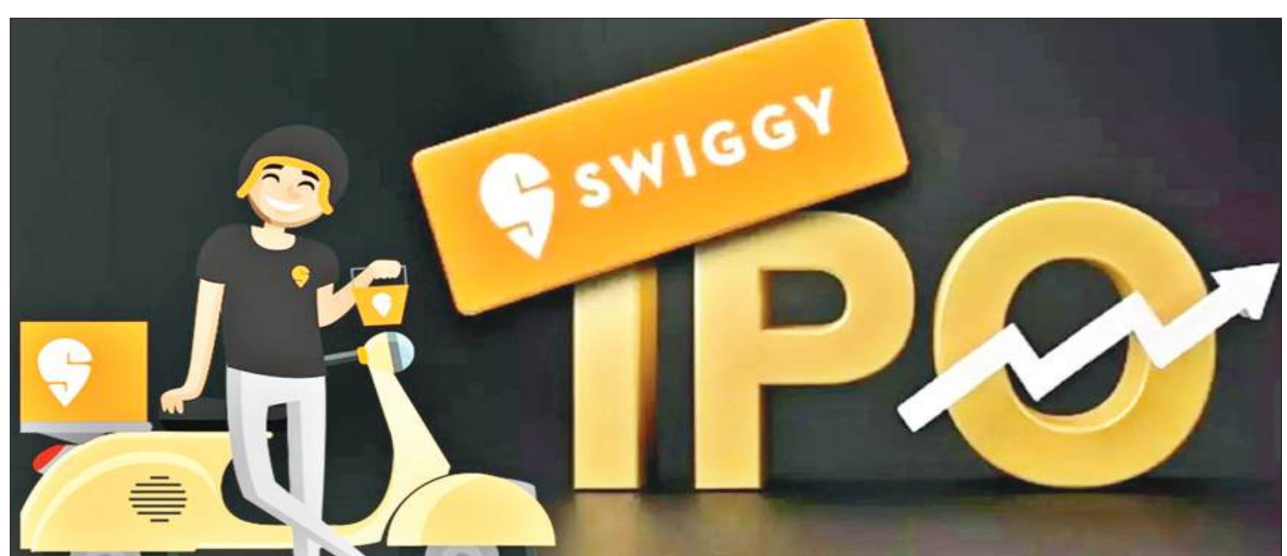

नई दिल्ली,06 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी करने वाली कंपनी स्विगी का 11,327.43 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया। इस आईपीओ में 8 नवंबर तक बोली लगाई जा सकेगी। सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने के पहले कल 5 नवंबर को स्विगी का एंकर बुक ओपन हुआ था, जिसमें कंपनी ने 151 एंकर इन्वेस्टर्स से 5,085.02 करोड़ रुपये से अधिक की राशि जुटा ली है।

स्विगी का आईपीओ इस साल का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ है। इसके पहले हुंडई मोटर ने 27,870 करोड़ रुपये का आईपीओ लाकर घरेलू शेयर बाजार के इतिहास में अभी तक का सबसे बड़ा आईपीओ लॉन्च करने का रिकॉर्ड बनाया था। स्विगी के आईपीओ की लॉन्चिंग के साथ ही ग्रे मार्केट में भी इसका सौदा शुरू हो गया है। ग्रे मार्केट में आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 390 रुपये पर 12 रुपये यानी 3.08 प्रतिशत के प्रीमियम के साथ इसकी बोली लगाई जा रही है।

ग्रे मार्केट में स्विगी के आईपीओ को फीका रिस्पॉन्स

12 रुपये प्रीमियम पर हो रही है ग्रे मार्केट में ट्रेडिंग

इसके पहले कल स्विगी का एंकर बुक ओपन हुआ था, जिसके जरिए कंपनी ने 151 एंकर इन्वेस्टर्स ने 50,85,02,32,290 रुपये जुटा लिए हैं। एंकर इन्वेस्टर्स को कुल 13,03,85,211 शेयर 390 रुपये के भाव पर जारी किए गए हैं। एंकर इन्वेस्टर्स को जारी किए गए शेयरों में से 40.65 प्रतिशत शेयर 19 डोमेस्टिक म्युचुअल फंड्स की 69 स्कीमों के लिए जारी किए गए हैं।

सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होने के बाद निवेशक 8 नवंबर तक इस आईपीओ में आवेदन कर सकते हैं। 11,327.43 करोड़ के इस आईपीओ के लिए 371 से 390 रुपये का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 38 शेयर का है। इस आईपीओ में 75 प्रतिशत हिस्सा क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व किया गया है, जबकि 15 प्रतिशत हिस्सा नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए और 10 प्रतिशत हिस्सा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व है। इस आईपीओ में कंपनी अपने कर्मचारियों को प्रति शेयर 25 रुपये का डिस्काउंट ऑफर कर रही है। 11 नवंबर को कंपनी के शेयर निवेशकों को अलॉट कर दिए जाएंगे, जबकि 13 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

आईपीओ के तहत 4,499 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 17,50,87,863 शेयरों की ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बिक्री की जाएगी। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार नए शेयर की बिक्री से जुटाए जाने वाले पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी सब्सिडियरी स्कूट्सी का कर्ज कम करने, अपने डार्क स्टोर नेटवर्क का विस्तार करने, ब्रांड मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन करने तथा आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। वहीं ऑफर फॉर सेल के जरिए जुटाए जाने वाले पैसे शेयर बेचने वाले पुराने शेयर होल्डर्स को मिलेंगे।

एसीएमई सोलर का आईपीओ खुला, निवेशक 8 नवंबर तक लगा सकेंगे बोली

नई दिल्ली,06 नवंबर (एजेंसियां)।

अक्षय ऊर्जा कंपनी एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 06 नवंबर को निवेशकों के लिए खुल गया। इस इश्यू के लिए निवेशक 8 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी के शेयर 13 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 275-289 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक न्यूनतम 51 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 51 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 2,900 करोड़ रुपये जुटाने की है।

कंपनी का आईपीओ 2,395 करोड़ रुपये के नए शेयरों के निर्गम और एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशंस के द्वारा 505 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। गुरुग्राम स्थित कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 1,795 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग अपने कर्ज के भुगतान के लिए करेगी तथा इसका एक हिस्सा सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए उपयोग में लाएगी।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स लिमिटेड भारत की एक अक्षय ऊर्जा कंपनी है, जिसके पास सौर, पवन, हाइब्रिड और फर्म और डिस्पैचेबल अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं का पोर्टफोलियो है।

इस कंपनी की स्थापना 2015 में एसीएमई समूह के नवीकरणीय ऊर्जा व्यवसाय को समेकित करने और भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा उद्योग में अवसरों का लाभ उठाने के लिए की गई थी। इसने भारत में एक एकीकृत अक्षय ऊर्जा कंपनी बनने के लिए सौर ऊर्जा परियोजनाओं से अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाई और विस्तार किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रंप की जीत...

बड़ी बात यह है कि वे एक ऐसे नेता हैं जो बिना किसी डर के सीधे-सीधे इस्लामिक आतंकवाद की बात करते हैं। वे तो अपने देश में हो रहे अवैध इमिग्रेशन को भी कई बार आतंकवाद से जोड़ देते हैं। इस समय भारत भी आतंकवाद की समस्या से ग्रसित चल रहा है, पाकिस्तान की तरफ से लगातार दहशतगर्द कश्मीर में अपना आतंक मचा रहे हैं।ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद उनका मित्र भारत भी चाहेगा कि उनका कड़ा रुख पाकिस्तान को भी सबक सिखाने का काम करे। अपने पिछले कार्यकाल के दौरान ट्रंप के सख्त रवैया ने इसका ट्रेलर भी दिखा दिया था, अब पूरी उम्मीद की जानी चाहिए कि ट्रंप पाकिस्तान को आतंकवाद के मुद्दे पर जरूर आइसोलेट करने का काम करेंगे। अगर ऐसा होता है तो पीएम मोदी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर आतंकवाद के मुद्दे पर अमेरिका का साथ मिल जाएगा।

ट्रंप का...

ट्रंप ने कहा कि मस्क की वजह से ही नॉर्थ कैरोलाइना में रिपब्लिकन पार्टी को जीत मिली। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, मैं आपका 47वां राष्ट्रपति हूं। ऐसी राजनीतिक जीत पहले कभी नहीं देखी गई। पेंसिलवेनिया में भगवान ने मेरी जिंदगी किसी वजह से बचाई। और यह वजह है कि अपने देश को बचाना और अमेरिका को फिर से महान बनाना।ट्रंप ने कहा, हमने आज इतिहास रच दिया है। हमने सबसे अविश्वसनीय राजनीतिक जीत हासिल की है। मैं अमेरिकी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अपनी हर सांस के साथ आपके और आपके परिवार के लिए लड़ूंगा। ट्रंप ने कहा कि यह एक ऐसा आंदोलन था, जिसे पहले कभी किसी ने नहीं देखा। सच कहूं तो मेरा मानना है कि यह अब तक का सबसे बड़ा राजनीतिक आंदोलन था। इस देश में और शायद इससे परे भी ऐसा कुछ कभी नहीं हुआ। यह ऐतिहासिक है। इसका कारण सिर्फ यही है कि हमने उन बाधाओं को पार किया, जिनके बारे में किसी ने सोचा भी नहीं था। ट्रंप ने कहा, हम अपने देश को ठीक करने, अपनी सीमाओं को सुरक्षित करने के लिए काम करेंगे। अब यह एक नए स्तर पर पहुंचने जा रहा है, क्योंकि हम अपने देश को ठीक करने में मदद करने जा रहे हैं। हमारे पास एक ऐसा देश है, जिसे मदद की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आपको बेहतर नौकरियां मिलेंगी। अवैध आव्रजन बंद होगा। संबोधन के दौरान ट्रंप ने अपने वादों को भी दोहराया। कहा, हम टैक्स घटाएंगे, क्योंकि हमारे पास जो है, वह चीन के पास भी नहीं है। यह वह पल है, जब अमेरिकी अपने देश का नियंत्रण फिर अपने हाथ में लेंगे। ट्रंप ने इसके बाद रॉबर्ट एफ कैनेडी का भी शुक्रिया किया और कहा कि वह मेक अमेरिका हेल्दी अगेन का जिम्मा संभालेंगे। अमेरिकी सीनेट में मिले बहुमत का जिक्र करते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, पार्टी ने चार साल बाद सीनेट में अपनी संख्या बहुमत के पार कर ली है। अमेरिका ने हमें काफी शक्तिशाली जनादेश दिया है। हमने फिर से सीनेट का नियंत्रण हासिल कर लिया। यह बहुत ही अच्छा है।ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने भी डोनाल्ड ट्रंप को जीत के लिए बधाई दी है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद कीर स्टार्मर भी उन वैश्विक नेताओं में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ट्रंप को जीत की बधाई दी है। कीर स्टार्मर ने कहा कि ट्रंप के जीत हासिल करने के बाद ब्रिटेन और अमेरिका के बीच विशेष संबंध नए अमेरिकी प्रशासन के तहत भी समृद्ध होंगे। लंदन में 10 डाउनिंग स्ट्रीट द्वारा जारी एक बयान में स्टार्मर ने कहा, आपके ऐतिहासिक चुनाव जीत पर राष्ट्रपति-चुनाव ट्रंप को बधाई। मैं आने वाले वर्षों में आपके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। सबसे करीबी सहयोगी के रूप में, हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और उद्यम के अपने साझा मूल्यों की रक्षा के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। विकास और सुरक्षा से लेकर नवाचार और तकनीक तक, मुझे पता है कि आने वाले वर्षों में अटलांटिक के दोनों तरफ ब्रिटेन-अमेरिका के विशेष संबंध समृद्ध होते रहेंगे।

देखना है कि यूक्रेन ...

ट्रंप के इसी बयान को लेकर रूस के आधिकारिक प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा, अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद यूक्रेन के साथ 30 महीने से अधिक समय से जारी युद्ध समाप्त होता है या नहीं, इसका इंतजार है। पेस्कोव ने कहा, ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के बारे में कुछ महत्वपूर्ण बयान दिए थे। अब यह समय ही बताएगा कि इन बयानों पर कार्रवाई होती है या नहीं। पेस्कोव ने कहा, अमेरिका प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से युद्ध में यूक्रेन के साथ खड़ा है। लिहाजा, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन डोनाल्ड ट्रंप को उनकी जीत पर बधाई देंगे, फिलहाल ऐसी कोई योजना नहीं है। रूस ने यूक्रेन के साथ जारी हिंसक संघर्ष के बीच बार-बार कहा है कि अमेरिका इस संघर्ष को समाप्त करने में योगदान दे सकता है। भले ही ऐसा रातों-रात नहीं हो सकता, लेकिन सवाल यह है कि क्या अमेरिका अपनी विदेश नीति की दिशा बदलने में सक्षम है? अगर हां तो ऐसा कैसे होगा, ये जनवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण के बाद ही पता चलेगा।

आतंकियों को...

घटनाओं में वृद्धि के बीच आई है।एलजी मनोज सिन्हा ने राज्य की जनता से अपील की है कि वह आतंक के मददगारों के खिलाफ हो जाएं। उन्होंने कहा, आतंकवादियों को पहचानना सिर्फ प्रशासन या सुरक्षाबलों का काम नहीं है, यह आवाम की भी जिम्मेदारी है। अगर तीनों एक साथ तय कर लें तो आतंकवाद खत्म होने में एक साल से ज्यादा समय नहीं लगेगा। एलजी ने कहा, हमारे देश में आतंक को प्रश्रय देने वाले लोग हैं और फिर कहते हैं कि हमारे ऊपर अन्याय हो रहा है। यह उचित बात नहीं है। चालीस से पचास हजार लोगों की जान जा चुकी है। कितनी महिलाएं विधवा हो चुकी हैं, कितनी बहनों के भाई चले गए, बावजूद इसके अगर जनता इन लोगों के खिलाफ खड़ी नहीं होती तो ये कश्मीर कभी नहीं बदलेगा। एलजी मनोज सिन्हा ने आतंकवादियों के मददगारों को चेताया। उन्होंने कहा, मैं एक बार फिर कह रहा हूं, बेगुनाह को छेड़ो मत, गुनाहगार को छोड़ो मत। अगर कोई आतंकवादी को शरण देगा तो उसका घर ध्वस्त कर किया जाएगा। ये मैं कहना चाहता हूं, इसमें कोई समझौता नहीं होगा।आतंकियों को शरण देने के खिलाफ यह बयान ऐसे समय में आया है जब बीते कुछ दिनों में लगातार सुरक्षाबलों ने कई आतंकियों को रिहायशी इलाके में मार गिराया है। हाल ही में श्रीनगर में सेना एक घर में छुपे 3 आतंकियों को मार गिराया था। सेना ने इस घर को भी जमींदोज कर दिया था। श्रीनगर के अलावा बाकी इलाकों में भी सुरक्षाबलों ने कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में अपने ऑपरेशन तेज कर दिए हैं। बीते एक सप्ताह में लगभग 4-5 जगह ऑपरेशन हो चुके हैं। इनमें स्थानीय और पाकिस्तानी, दोनों तरह के आतंकी मार गिराए गए हैं।एलजी मनोज सिन्हा ने अपने बयान में जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा वापस दिए जाने को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को राज्य का दर्जा मिलने की बात उतनी ही पक्की है जितना सूरज का पूरब से निकलना। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य की नई सरकार कोशिश करेगी।

महाराष्ट्र में ...

इस कदम के बाद अनुशासन के प्रति पार्टी के अंदर दबाव बनाने और अपनी हद में रहकर कार्य करने के इरादे है।महाराष्ट्र के अन्य जिलों में भी भाजपा ने इसी तरह बागियों के खिलाफ कार्रवाई की है। साकोली से सोमदत्त करंजेकर, आमगांव से शंकर मडावी और चंद्रपुर से ब्रिजभूषण पाझारे जैसे नेताओं को भी पार्टी से बाहर किया गया है। इसी तरह नांदेड़, घणसावंगी, जालना, और गंगापुर से भी कई नेताओं पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई के बाद पार्टी ने साफ कर दिया है कि वह अपने अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ खड़े होने वाले किसी भी नेता को बर्दाश्त नहीं करेगी। बागियों को निष्कासित करने से पार्टी ने अन्य नेताओं को भी सावधान किया है कि अगर वे पार्टी के विरुद्ध कार्य करेंगे तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई हो सकती है। इस फैसले का मकसद पार्टी के अनुशासन और एकजुटता को बनाए रखना है, ताकि आने वाले चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहतर हो सके।

बांग्लादेश की...

हिंदुओं पर यह कार्रवाई इसलिए हुई क्योंकि उन्होंने चटगांव के एक मुस्लिम दुकानदार उस्मान मुल्ला के खिलाफ प्रदर्शन किया था। इस मुस्लिम दुकानदार सनातन धर्म पर अपमानजनक टिप्पणियां की थी। हिंदुओं ने उसकी दुकान के बाहर प्रदर्शन किया और उसके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद पुलिस और बाकी सुरक्षा एजेंसियों ने उस्मान पर कार्रवाई करने के बजाय हिंदुओं को निशाना बनाना चालू कर दिया। वह उस्मान को दिखावे के लिए एक सुरक्षित जगह लेकर चले गए और हिंदुओं की तलाश चालू कर दी। पुलिस के हमले में 5 हिंदुओं को गंभीर चोटें आई हैं।पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां दावा कर रही हैं कि हिंदुओं ने उन पर हमला किया था जिसके बाद यह कार्रवाई हुई। चटगांव से आई वीडियो दिखाती हैं कि कैसे एक तंग इलाके में पुलिस हिंदुओं की धरपकड़ कर रही है। पुलिस द्वारा सीसीटीवी तोड़े जाने के वीडियो भी सामने आए हैं। इस वीडियो में लाठी डंडे के साथ पुलिस वाले एक घर के भीतर दिखाई पड़ते हैं। चटगांव में पुलिस ने 30 हिंदुओं को गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई के दौरान सेना की टीमें भी साथ थी, उन्होंने भी हिंदुओं पर हमले किए। चटगांव में इससे पहले भी हिंदू लगातार उत्पीड़न के विरुद्ध लगातार प्रदर्शन करते आए हैं। चटगांव के स्थानीय पत्रकार ने समाचार एजेंसी को फोन पर बताया कि हिंदुओं के खिलाफ पुलिस और सेना ने संयुक्त अभियान चलाया। रात में संयुक्त बलों ने हजारी गली पर छापा मारा। हिंदुओं को बुरी तरह पीटा गया। उन्हें घरों से बाहर खींच लिया गया। हिंदू महिलाओं के साथ बदसलूकी की गई।

मेधावी छात्रों के...

उन्होंने कहा कि मिशन मोड तंत्र शिक्षा के विस्तार को सुगम बनाएगा।मेधावी बच्चों की पढ़ाई के अलावा कैबिनेट ने कई और अहम फैसले लिए हैं। वैष्णव ने बताया कि खाद्यान्न की खरीद में एफसीआई की बहुत बड़ी भूमिका होती है। आज भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) को मजबूत करने का निर्णय भी लिया गया। कैबिनेट ने एफसीआई को 10,700 करोड़ रुपए की नई इक्विटी पूंजी देने का निर्णय लिया है।

रामायण और महाभारत काल से ही छठ मनाने की रही है परंपरा

छठ वास्तव में सूर्योपासना का पर्व है। इसलिए, इसे सूर्य षष्ठी व्रत के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सूर्य की उपासना उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए की जाती है। ऐसा विश्वास है कि इस दिन सूर्यदेव की अराधना करने से व्रती को सुख, सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है और उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस पर्व के आयोजन का उल्लेख प्राचीन ग्रंथों में भी पाया जाता है। इस दिन नदियों, तालाब या फिर किसी पोखर के किनारे पर पानी में खड़े होकर सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है।

छठ को पहले केवल बिहार, झारखंड और उत्तर भारत में ही मनाया जाता था, लेकिन अब धीरे-धीरे पूरे देश में इसके महत्व को स्वीकार कर लिया गया है। छठ पर्व षष्ठी का अपभ्रंश है। इस कारण इस व्रत का नामकरण छठ व्रत हो गया। छठ वर्ष में दो बार मनाया जाता है। पहली बार चैत्र में और दूसरी बार कार्तिक माह में। चैत्र शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ और कार्तिक शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले पर्व को कार्तिक छठ कहा जाता है।छठ पूजा के लिए चार दिन नहाय-खाय, खरना या लोहंडा, संध्या अर्घ्य और सूर्योदय अर्घ्य महत्वपूर्ण है। छठ की पूजा में गन्ना, फल, डाला और सूप आदि का प्रयोग किया जाता है। मान्यताओं के अनुसार, छठी मइया को भगवान सूर्य की बहन बताया गया है। इस पर्व के दौरान छठी मइया के अलावा भगवान सूर्य की पूजा-आराधना होती है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति इन दोनों की अर्चना करता है उनकी संतानों की छठी माता रक्षा करती हैं। कहते हैं कि भगवान की शक्ति से ही चार दिनों का यह कठिन व्रत संपन्न हो पाता है।छठ को लेकर कई कथाएं हैं। एक कथा के अनुसार, महाभारत काल में जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब द्रौपदी ने छठ व्रत किया। इससे उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हुईं तथा पांडवों को राजपाट वापस मिल गया। इसके अलावा छठ महापर्व का उल्लेख रामायण काल में भी मिलता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, छठ या सूर्य पूजा महाभारत काल से की जाती है। कहते हैं कि छठ पूजा की शुरुआत सूर्य पुत्र कर्ण ने की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। मान्याताओं के अनुसार, वे प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े रहकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे।

छठ को लेकर कई कथाएं हैं। एक कथा के अनुसार, महाभारत काल में जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए तब द्रौपदी ने छठ व्रत किया। इससे उनकी मनोकामनाएं पूर्ण हुईं तथा पांडवों को राजपाट वापस मिल गया। इसके अलावा छठ महापर्व का उल्लेख रामायण काल में भी मिलता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, छठ या सूर्य पूजा महाभारत काल से की जाती है। कहते हैं कि छठ पूजा की शुरुआत सूर्य पुत्र कर्ण ने की थी। कर्ण भगवान सूर्य के परम भक्त थे। मान्याताओं के अनुसार, वे प्रतिदिन घंटों कमर तक पानी में खड़े रहकर सूर्य को अर्घ्य देते थे। सूर्य की कृपा से ही वे महान योद्धा बने थे।....

किंवदंति के अनुसार, ऐतिहासिक नगरी मुंगेर के सीता चरण में कभी मां सीता ने छह दिनों तक रह कर छठ पूजा की थी। पौराणिक कथाओं के अनुसार,14 वर्ष वनवास के बाद जब भगवान राम अयोध्या लौटे थे तो रावण वध के पाप से मुक्त होने के लिए ऋषि-मुनियों के आदेश पर राजसूय यज्ञ करने का फैसला लिया। इसके लिए मुग्दल ऋषि को आमंत्रण दिया गया था लेकिन मुग्दल ऋषि ने भगवान राम एवं सीता को अपने ही आश्रम में आने का आदेश दिया। ऋषि की आज्ञा पर भगवान राम एवं सीता स्वयं यहां आए और उन्हें इसकी पूजा के बारे में बताया गया। मुग्दल ऋषि ने मां सीता को गंगा छिड़क कर पवित्र किया एवं कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष षष्ठी तिथि को सूर्यदेव की उपासना करने का आदेश दिया। यहीं रह कर माता सीता ने छह दिनों तक सूर्यदेव भगवान की पूजा की थी।

छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है। यह परंपरा कैसे शुरू हुई, इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है। इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी।

संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उन्हे पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया। यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन वह शिशु मृत था। इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया। तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी। आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं। इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्श किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा।इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी।

मार्कण्डेय पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया है और इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी के रूप में जाना जाता है, जो ब्रह्मा की मानस पुत्री और बच्चों की रक्षा करने वाली देवी हैं। कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को इन्हीं देवी की पूजा की जाती है। शिशु के जन्म के छह दिनों के बाद भी इन्हीं देवी की पूजा करके बच्चे के स्वस्थ,सफल और दीर्घायु होने की प्रार्थना की जाती है। पुराणों में इन्हीं देवी का नाम कात्यायनी मिलता है, जिनकी नवरात्र की षष्ठी तिथि को पूजा की जाती है।

ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को निष्ठा के साथ करने वाले को योग्य संतान की प्राप्ति होती है। छठ पूजा में उपासक पानी में कमर तक खड़े होकर दीप जलाकर डूबते सूर्य को अर्घ्य देते हैं और छठी मैया के गीत गाते हैं। व्रत के पहले दिन कार्तिक शुक्ल चतुर्थी को नहाय-खाय के रूप में मनाया जाता है। दूसरे दिन कार्तिक शुक्ल पंचमी को खरना किया जाता है। पंचमी को दिनभर खरना का व्रत रखने वाले उपासक शाम के वक्त गुड़ से बनी खीर, रोटी और फल प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं। खरना पूजन से ही घर में देवी षष्ठी का आगमन माना जाता है।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी के सूर्यास्त और सप्तमी के सूर्योदय के मध्य वेदमाता गायत्री का जन्म हुआ था। प्रकृति के षष्ठ अंश से उत्पन्न षष्ठी माता बालकों की रक्षा करने वाले विष्णु भगवान द्वारा रची माया हैं। बालक के जन्म के छठे दिन छठी मैया की पूजा-अर्चना की जाती है, जिससे बच्चे के ग्रह-गोचर शांत हो जाएं और जिंदगी मे किसी प्रकार का कष्ट नहीं आए। इस मान्यता के तहत ही इस तिथि को षष्ठी देवी का व्रत होने लगा।छठ पूजा की धार्मिक मान्यताएं भी और सामाजिक महत्व भी है लेकिन इस पर्व की सबसे बड़ी बात यह है कि इसमें भेदभाव, ऊंच-नीच, जात-पात भूलकर

सभी एक साथ इसे मनाते हैं। किसी भी लोक परंपरा में ऐसा नहीं है। सूर्य, जो रौशनी और जीवन के प्रमुख स्रोत हैं और ईश्वर के रूप में जो रोज सुबह दिखाई देते हैं उनकी उपासना की जाती है। इस महापर्व में शुद्धता और स्वच्छता का विशेष ख्याल रखा जाता है और कहते हैं कि इस पूजा में कोई गलती हो तो तुरंत क्षमा याचना करनी चाहिए वरना तुरंत सजा भी मिल जाती है।सबसे बड़ी बात है कि यह पर्व सबको एक सूत्र में पिरोने का काम करता है।

इस पर्व में अमीर-गरीब, बड़े-छोटे का भेद मिट जाता है। सब एक समान एक ही विधि से भगवान की पूजा करते हैं। अमीर हो वो भी मिट्टी के चूल्हे पर ही प्रसाद बनाता है और गरीब भी, सब एक साथ गंगा तट पर एक जैसे दिखते हैं। बांस के बने सूप में ही अर्घ्य दिया जाता है। प्रसाद भी एक जैसा ही और गंगा और भगवान भास्कर सबके लिए एक जैसे हैं।

बिहार में गूंज रहे हैं छठी मैया के गीत

लोकआस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी पटना समेत पूरे बिहार में छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है।

लोकआस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी पटना समेत पूरे बिहार में छठी मैया के गीत गूंज रहे हैं, जिससे पूरा माहौल भक्तिमय हो गया है।

लोकआस्था का महापर्व छठ नहाय-खाय के साथ आज से शुरू हो गया है। महापर्व छठ को लेकर बिहार में चहल-पहल दिखने लगी है। लोग छठ पर्व के अनुष्ठान की तैयारी में जुट चुके हैं। सभी जगह छठ के पारंपरिक गीत गूंज रहे हैं, जिससे पूरा माहौल छठमय नजर आ रहा है। राजधानी छठी माई के गीतों से सुवासित और गुलजार हो उठा है। शहर के मठ-मंदिरों में भी छठी माई के गीतों से सुबह की शुरुआत हो गयी है। कहीं शारदा सिन्हा की आवाज रस बरसा

रही है कि ममोर जिया जाएला महंगा मुंगेरफ तो कहीं देवी के सुर कानों में पर्व की महिमा बखान कर रही है कि म कांच ही बांस के बहंगिया, बहंगी लचकत जाएफ.।

केलवा जे फरेला घवद से, ओह पर सुगा मेडराय, आदित लिहो मोर अरगिया., दरस देखाव ए दीनानाथ., उगी है सुरुजदेव., हे छठी मइया तोहर महिमा अपार.,काच ही बास के बहंगिया बहंगी लचकत जाय., आदि छठ गीतों काधमाल है। भक्ति गीतों से लोग भक्ति रस की गंगा में डुबकी लगाने लगे हैं। गीतों में आधुनिकता अवश्य आ गई है, लेकिन इन गीतों की लोकप्रियता में तनिक भी कमी नहीं आई है। लोकआस्था के महापर्व छठ को लेकर राजधानी पटना के सभी प्रमुख चौक-चौराहों पर कानों में माटी की सोंधी खुशबू में लिपटे गीत बजने शुरू हो गये हैं। ममरबो रे सुगवा धनुष से, सुग्गा गिरे मुरुझाएफ से लेकर मदरसन दीन्ही अपार हे छठ मइया दरसन दीन्ही अपारफ छठ गीतों के बिना मानो पर्व में रंग ही नहीं आता है।

चार दिनों के इस अनुष्ठान को लेकर छोटे से बड़ा हर व्यक्ति काम में व्यस्त है। प्रत्येक घर के हर सदस्य के पास कोई न कोई जिम्मेदारी है।परिवार के सबसे छोटे सदस्य को ऑनलाइन माध्यम से धीमी आवाज में छठ गीत बजाने का जिम्मा दिया गया है। जिन घरों में छठ पर्व का आयोजन किया गया उन घरों से तो गीतों की आवाज आ ही रही है इसके अलावा जिस रास्ते से गुजरें आपको विभिन्न लोक गायकों की आवाज से सजे ऐसे गीत सुनने को मिल जाएंगे। इन गानों का संयोजन और संकलन छठ महापर्व के लिए ही किया जाता है।छठ गीतों से जुड़ी एक रोचक बात ये है कि ये एक ही लय में गाए जाते हैं । मछठ पूजाफ के लोकगीतों की चर्चा होते ही सबसे पहले पद्मभूषण से सम्मानित शारदा सिन्हा का नाम जेहन में आता है। ऐसे कई गीत हैं, जिन्हें शारदा सिन्हा ने अपनी अपनी मधुर आवाज देकर अमर कर दिया है। लोकगीतों केरत है। सूर्य की उपासना का पावन पर्व मछठफ अपने धार्मिक, पारंपरिक और लोक महत्व के साथ ही लोकगीतों की वजह से भी जाना जाता है। घाटों पर मछठी मैया की जय, जल्दी जल्दी उगी हे सूरज देव..फ, मकईली बरतिया तोहार हे छठी मैया..फमदर्शन दीहीं हे आदित देव..फ, मकौन दिन उगी छई हे दीनानाथ..फजैसे गीत सुनाई पड़ते हैं। मंगल गीतों की ध्वनि से वातावरण श्रद्धा और भक्ति से गुंजायमान हो उठता है। इन गीतों की पारम्परिक धुन इतनी मधुर है कि जिसे भोजपुरी बोली समझ में न भी आती हो तो भी गीत सुंदर लगता है। यही कारण है कि इस पारम्परिक धुन का इस्तेमाल सैकड़ों गीतों में हुआ है।

हथेली के निशान से पता चलता है धनवान बनने का योग

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, हाथ में मौजूद रेखाएं और निशान जीवन के हर पहलू के बारे में जानकारी देते हैं। इन रेखाओं और निशानों के माध्यम से आप यह जान सकते हैं कि धनवान बनने के लिए किस्मत आपका साथ देगी या नहीं। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि किसी व्यक्ति के भविष्य को उसके हाथ की लकीरों से जाना जा सकता है। हमारी हाथों की रेखाएं और निशान हमारे भाग्य और जीवन के कई पहलुओं के बारे में बताते हैं। आपने अपने आसपास ऐसे कई लोग देखें होंगे जिन्होंने कम समय में ही बड़ा बिजनेस स्थापित किया और बहुत नाम कमाया। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, कुछ व्यक्तियों के हाथ पर खास निशान होते हैं। ऐसे निशान व्यक्ति को सफलता दिलाते हैं। आइए जानते हैं इन रेखाओं और लकीरों के बारे में जो किसी व्यक्ति को सफल बनाती हैं। जिस व्यक्ति की भाग्य रेखा मणिबंध स्थान से शुरू हो रही हो और शनि पर्वत तक पहुंच रही हो और इस रेखा पर कोई अशुभ निशान न हो तो ऐसे व्यक्ति व्यापार में काफी उच्च स्तर पर पहुंच सकते हैं। अगर किसी व्यक्ति की मस्तिष्क रेखा में कोई दोष न हो तो साथ ही भाग्य रेखा से कोई शाखा जीवन रेखा छूकर निकल जाए तो ऐसा व्यक्ति बड़ा बिजनेसमैन बनता है। इतना ही नहीं ऐसा लोगों का व्यापार देश और विदेश दोनों जगहों पर फैलता है।

ज्योतिषाचार्य हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के हाथ में शुक्र पर्वत पर मछली का निशान बना हो तो ऐसा व्यक्ति बहुत प्रभावी और आकर्षक होता है। साथ ही ऐसा लोगों का भाग्य उनका पूरा सहयोग करता है। ऐसा व्यक्ति सेलिब्रिटी या बड़ा कारोबारी बन सकता है। इतना ही नहीं ऐसे लोग कम उम्र में ही व्यापार में अच्छी सफलता हासिल करने के साथ ही बड़े व्यापारी बन सकते हैं। साथ ही ऐसे लोगों को समाज में विशेष स्थान मिला है। साथ ही वह अपने व्यवहार के बल पर लोगों का दिल जीत लेते हैं। साथ ही ऐसे लोग अपने संबंधों को लंबे समय तक बनाए रखते हैं। यदि किसी व्यक्ति के हाथ में चंद्रमा पर्वत भाग्य रेखा से निकल रहा हो और अंगूठा पीछे की तरफ झुका हुआ रहा हो तो ऐसा व्यक्ति प्रतिष्ठित व्यवसायी होता है और खूब धन कमाता है। ऐसे लोग अपने बिजनेस में बढ़ाने के लिए नए-नए आइडिया का प्रयोग करते रहते हैं और उनके प्रयोग सफल भी होते हैं। यदि हाथ में भाग्य रेखा और जीवन रेखा एक साथ चल रहीं है तो ऐसे लोग बहुत व्यवहारिक होते हैं और हर क्षेत्र में आसानी से सफलता प्राप्त करते हैं। यदि किसी व्यक्ति की भाग्य रेखा टूटी हुई है तो उसे अपने जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

विष्णुजी का मिलता है आशीर्वाद

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर कमल का चिन्ह मौजूद है तो यह बहुत शुभ माना जाता है। कमल भगवान विष्णु का चिन्ह माना गया है और हथेली पर यह निशान है तो विष्णु योग कहलाता है। ऐसे व्यक्ति पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है और भाग्य भी हमेशा इनका साथ देता है। कमल का निशान होने से व्यक्ति नेतृत्व और वाकपटुता में काफी माहिर होता है और इनको जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता।

भगवान शिव की कृपा

त्रिशूल का निशान हथेली पर होना बहुत भाग्यशाली माना जाता है। अगर यह निशान किसी रेखा या पर्वत के ऊपर मौजूद है तो उस व्यक्ति पर भगवान शिव की कृपा हमेशा बनी रहती है। त्रिशूल का निशान अगर मंगल पर्वत पर मौजूद है तो इससे यह शिव योग बनता है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में कभी किसी अड़चन का सामना नहीं करना पड़ता और जीवन में हमेशा तरक्की मिलती है।

कभी नहीं होती धन-धान्य की कमी

अगर आपकी हथेली पर सूर्य पर्वत और गुरु पर्वत ऊंचा उठा हुआ है तो ऐसे व्यक्ति को धन-धान्य की कभी कमी नहीं होती। समाज में इनकी प्रतिष्ठा बढ़ती रहती है और यह कभी पीछे मुड़कर नहीं देखते। ऐसे व्यक्ति काफी दानवीर भी होते हैं, जो हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहते हैं। यह लोग करियर बनाने के लिए हमेशा उत्सुक रहते हैं और नई-नई चीजों में अपना दिमाग लगाते रहते हैं, जिससे सफलता इनके कदम चूमती है।

भाग्य हमेशा देता है साथ

अगर किसी व्यक्ति के मणिबंध से निकलती हुई रेखा सीधी और स्पष्ट हो और वह शनि पर्वत तक पहुंच रही हो तो ऐसा व्यक्ति काफी भाग्यशाली माना जाता है क्योंकि इस रेखा को भाग्य रेखा कहा जाता है।

ऐसे व्यक्ति काफी धनवान होता है और जीवन में कभी किसी चीज की कमी नहीं होती है। वहीं अगर किसी व्यक्ति की हथेली पर दो सूर्य रेखा बन रही हों तो ऐसे व्यक्ति को समाज में काफी सम्मान मिलता है और धन संपत्ति से काफी समृद्ध रहता है।

अचानक धन की प्राप्ति

हथेली के ऊपरी भाग में मणिबंध के पास जीवन रेखा से लगा हुआ मछली का चिन्ह मिलता है तो यह काफी शुभ माना जाता है। ऐसे व्यक्ति को अचानक धन की प्राप्ति होती है और उनको विदेशों से भी अच्छा लाभ मिलता है। इनके आसपास के लोग इनकी काफी इज्जत करते हैं और पैतृक संपत्ति भी काफी मिलती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

ड्यून प्रोफेसी का ट्रेलर जारी

तब्बू का दिखा दमदार अवतार, जानिए कब और कहां देखें सीरीज

18 नवंबर को जियो सिनेमा प्रीमियम पर रिलीज होगाबहुप्रतीक्षित अंतर्राष्ट्रीय शो ड्यून: प्रोफेसी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। कनिंग हैंड, एनाबेलिटा फिल्म्स और लेजेंडरी टेलीविजन द्वारा निर्मित इस शो में तब्बू की मौजूदगी ने भारतीय दर्शकों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। बीते दिन जारी हुए शो के टीजर में सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू की एक झलक दिखाई गई थी। वहीं, अब ट्रेलर उनके किरदार और ड्यूड सिस्टरहुड के समग्र तंत्र के बारे में थोड़ी अधिक जानकारी देता है। इसके साथ ही ड्यून: प्रोफेसी के प्रीमियर की तारीख से भी पर्दा उठ गया है।ड्यून: प्रोफेसी हाल की ड्यून फिल्मों की घटनाओं से 10,000 साल पहले की कहानी है। यह सीरीज केविन जे एंडरसन और ब्रायन हर्बर्ट द्वारा लिखे गए उपन्यास सिस्टरहुड ऑफ ड्यून से प्रेरित है। यह एक साइंस फिक्शन वेब सीरीज है, जिसमें कुल छह एपिसोड होंगे। सीरीज दो हरकोनेन बहनों (वाल्या और तुला) का अनुसरण करेगी क्योंकि वे मानव जाति के वर्तमान और भविष्य को खतरे में डालने वाली ताकतों से लड़ती हैं। यह प्रसिद्ध संप्रदाय बेने गेसेरिट की स्थापना की उनकी यात्रा पर केंद्रित होगा। दिलचस्प ट्रेलर के साथ-साथ मेकर्स ने शो की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। ड्यून: प्रोफेसी का नया ट्रेलर मुख्य रूप से वाल्या हरकोनेन के रूप में एमिली वॉटसन और तुला हरकोनेन के रूप में ओलिविया विलियम्स पर केंद्रित है। सिस्टर फ्रांसेस्का के रूप में तब्बू पूरे ट्रेलर में छोटी लेकिन आकर्षक प्रस्तुतियां देती हैं, जिससे यह देखना दिलचस्प हो जाता है कि उनका हिस्सा कहानी में कैसे जुड़ जाएगा।ड्यून: प्रोफेसी अमेरिका में 17 नवंबर को मैक्स पर रिलीज होगी। वहीं, ट्रेलर के साथ, जियो सिनेमा ने खुलासा किया है कि ड्यून: प्रोफेसी का प्रीमियर भारत में 18 नवंबर को होगा। छह-एपिसोड का सीजन 18 नवंबर को सुबह 6:30 बजे जियो सिनेमा प्रीमियम पर रिलीज होगा, जिसमें हर अगले सोमवार को नए एपिसोड जारी किए जाएंगे। ड्यून: प्रोफेसी में एमिली, ओलिविया विलियम्स, ट्रैविस फिमेल, जोहदी मे, तब्बू, सारा-सोफी बोस्निना, एडवर्ड डेविस, फॉइलेन कनिंघम, मार्क स्ट्रॉन्ग, क्लो ली, जोश हेस्टन, जेड एनोका, शालोम ब्रून-फ्रैंकलिन, क्रिस मेसन और एओइफ हिंड्स ने अभिनय किया है।

केएल राहुल ने पत्नी अथिया शेट्टी को किया बर्थडे विश जवाब मिला लव यू

क्रिकेटर केएल राहुल ने अभिनेत्री पत्नी अथिया शेट्टी को उनके 32वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।राहुल ने इंस्टाग्राम पर अथिया के साथ तस्वीरों की सीरीज शेयर कीं। पहली तस्वीर किसी जश्न की लग रही है, जिसमें अभिनेत्री साड़ी पहने अपने पति को प्यार से निहार रही हैं।दूसरी तस्वीर में कपल मजेदार अंदाज में नूडल्स खाते दिख रहा है। तीसरी तस्वीर में अथिया का चेहरा कैमरे की ओर जबकि के एल राहुल का बैक दिख रहा है। आखिरी तस्वीर में अथिया को अतरंगी अंदाज में क्लिक किया गया है।राहुल ने प्यार और अनंत इमोटिकॉन के साथ लिखा, माय क्रेजी बर्थडे बेबी।अथिया ने कमेंट सेक्शन में जवाब दिया और लिखा: लव यू।अथिया ने कई सालों तक डेटिंग के बाद 23 जनवरी, 2023 को भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल से शादी की। कहा जाता है कि दोनों की मुलाकात फरवरी 2019 में एक कॉमन फ्रेंड के जरिए हुई थी। पहली बार दिसंबर 2019 में पता चला कि वह एक एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। थाईलैंड में नए साल का जश्न मनाते हुए उनकी एक इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हुई थी।अथिया बॉलीवुड स्टार सुनील शेट्टी और निर्देशक माना शेट्टी की बेटी हैं। उनके छोटे भाई अहान शेट्टी ने 2021 में फिल्म तड़प से बॉलीवुड में कदम रखा था।अथिया ने 2015 में हीरो से डेब्यू किया था। इसके बाद उन्हें मुबारकां और नवाबजादे जैसी फिल्मों में देखा गया। उन्हें 2019 की फिल्म मोतीचूर चकनाचूर में भी देखा गया था।सुनील शेट्टी ने भी बेटी को बर्थडे की शुभकामनाएं दीं। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर अथिया के बचपन की तस्वीरों संग एक दिल को छू लेने वाला संदेश लिखा।अपनी पोस्ट में सुनील शेट्टी ने लिखा, मेरे जीवन के बेहतरीन हिस्से को जन्मदिन की शुभकामनाएं...मेरे लिए सबसे अच्छी इंसान...मेरी सबसे अच्छी दोस्त...मेरी राजदार और जीवन की सबसे बड़ी खुशी...तुम्हें असीमित प्यार, टिया।

वीर ज़ारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 600 स्क्रीन्स पर आज होगी री-रिलीज

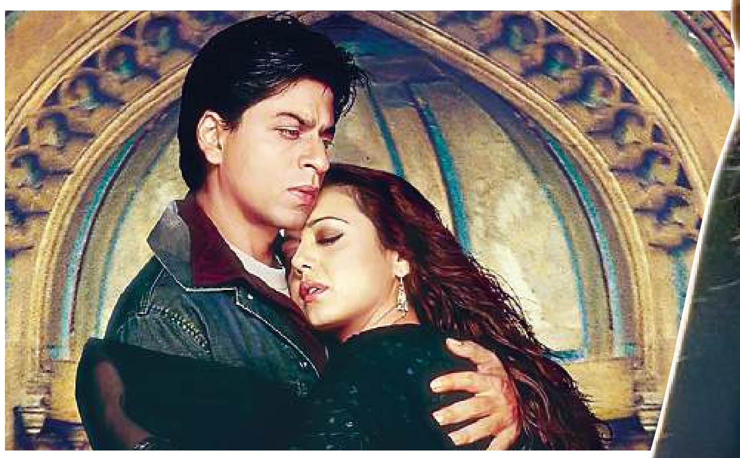

यशराज फिल्म्स की ब्लॉकबस्टर फिल्म वीर ज़ारा, अपनी 20वीं वर्षगांठ के मौके पर सात नवंबर से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 600 स्क्रीन्स पर फिर से रिलीज की जा रही है। दिग्गज फिल्मकार यश चोपड़ा निर्देशित फिल्म वीर जारा में शाहरुख़ खान, प्रीति जिंटा और रानी मुखर्जी की अहम भूमिका थी।वीर ज़ारा भारतीय सिनेमा की सबसे आइकॉनिक फिल्मों में से एक है। अपनी रिलीज के समय यह फिल्म भारत में, विदेशों में, और दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म थी। फिल्म वीर जारा अमेरिका, कनाडा, यूएई, सऊदी अरब, ओमान, कतर, बहरीन, कुवैत, यूके, आयरलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, फिजी, सिंगापुर, मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका में रिलीज होगी।फिल्म के इस संस्करण में पहली बार ***ये हम आ गए हैं कहां*** गाना भी जोड़ा गया है, जो पहले डिलीट कर दिया गया था।

परिणीति चोपड़ा ने बदला लुक, बोलीं नई फिल्म नए बाल

हाल ही में स्ट्रीमिंग फिल्म अमर सिंह चमकीला में अपने काम से सबके दिलों पर राज करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने अगली फिल्म की तैयारी शुरू कर दी है।अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्हें नए हेयर स्टाइल में देखा जा सकता है। पहली तस्वीर में वह एक सैलून के अंदर मिरर सेल्फी लेती दिख रही हैं। उनके बाल फॉयल में लिपटे हुए देखे जा सकते है।दूसरी तस्वीर में वह अपनी कार के अंदर वेवी नेक लेंथ हेयर स्टाइल में दिखाई दे रही हैं।अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, नई फिल्म, नए बाल। इसके साथ ही अभिनेत्री ने सैलून वालों का शुक्रिया किया। कहा, मुझे ये बहुत पसंद आए।परिणीति के करियर पर नजर डाले तो उन्हें आखिरी बार नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग मूवी अमर सिंह चमकीला में देखा गया था।

पुष्पा 2: द रूल ने अमेरिका में 15 हजार से अधिक टिकट बेचकर बनाया रिकॉर्ड

दक्षिण भारतीय स्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2: द रूल ने अमेरिका में 15 हजार से अधिक टिकट बेचकर रिकॉर्ड बना दिया है। पुष्पा 2 : द रूल फास्टेस्ट इंडियन फिल्म बन गई है, जो यूनाइटेड स्टेट में 15000 से ज्यादा टिकट्स बेच चुकी है। वर्ष 2021 की ब्लॉकबस्टर पुष्पा: द राइज का मच अवेटेड सीक्वल दुनिया भर में फैंस के बीच बहुत एक्साइटमेंट पैदा कर रहा है।इसका प्रीमियर 04 दिसंबर को होने वाला है और वर्ल्डवाइड रिलीज 05 दिसंबर होगी।

मेकर्स ने घोषणा के साथ एक नया पोस्टर शेयर करते हुए लिखा है, एक-एक करके रिकॉर्ड तोड़ते हुए।पुष्पा2दरूलबनी अमेरिका में सबसे तेजी से 15 हजार से ज्यादा टिकट बेचने वाली भारतीय फिल्म ।यूएसएप्रीमियर 4 दिसंबर को ।05 दिसंबर, 2024 को वर्ल्ड वाइड होगा

ग्रैंड रिलीज़। पुष्पा 2: द रूल साल में अल्लू अर्जुन, रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल की मुख्य भूमिका है। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है और इसे मैथ्री मूवी मेकर्स और सुकुमार राइटिंग्स द्वारा प्रोड्यूस किया गया है, जिसमें टी-सीरीज़ का म्यूजिक है।

टेस्ट सीरीज हार के बाद अनुष्का शर्मा ने पति विराट और बच्चों के साथ शेयर की तस्वीर

पिछली बार बॉलीवुड फिल्म जीरो में नजर आने वाली अभिनेत्री अनुष्का शर्मा ने अपने पति व भारतीय आक्रामक बल्लेबाज विराट कोहली और अपने दो बच्चों के साथ अपनी एक शानदार तस्वीर शेयर की।अभिनेत्री ने अपने फैंस के लिए इंस्टाग्राम पर यह तस्वीर शेयर की। तस्वीर में विराट अपने दोनों बच्चों, बेटी वामिका और बेटे अकाय को पकड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि उन्होंने इमोजी से अपने बच्चों के चेहरे छिपाए हैं।विराट और अनुष्का अपने बच्चों को हमेशा से की कैमरे की नजर से दूर रखते हैं। उन्होंने कई बार मीडिया से उनके बच्चों की तस्वीरें क्लिक न करने का अनुरोध किया है। इस साल फरवरी में इस जोड़े ने अपने दूसरे बच्चे, बेटे अकाय का स्वागत किया।हाल ही में हुई टेस्ट सीरीज में भारत को न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम, जिसे वर्तमान में विराट के 2011 क्रिकेट विश्व कप टीम के साथी गौतम गंभीर द्वारा कोचिंग दी जा रही है, पहले ही मैच में अपनी स्थिति खो बैठी और पूरी सीरीज में न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण से कभी उबर नहीं पाई।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय अनुकूल हैं मजबूती से काम को आगे बढाएं सकारात्मक परिणाम देखकर उत्साह में वृद्धि होगी. काम में मन लगेगा और मेहनत के अनुसार परिणाम भी आएगा. इस समय पूरे दिल से किया हुआ कोई भी कार्य परिणाम अवश्य देगा. शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वालों को या शिक्षार्थियों को थोड़ी परेशानी उठानी पड़ सकती है पति पत्नी का आपसी तालमेल गजब का रहेगा बच्चों मे डिसिप्लीन दिखाई देगा । विवाह योग समय अच्छा हैं रिश्ता आगे बढा सकते हैं । शिवमंत्र का जप करें ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप एक समपन्न व्यक्ति हैं , लोगों की सेवा करना आप धर्म हैं आपके दोस्त आपसे किसी जरूरी काम के लिये मदद मांग सकते हैं. आप भी उनकी पूरी मदद करने की कोशिश करेंगे. पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा. आपका किसी सरकारी काम के लिये चयन हो सकता हैं छात्रों को एक टाइम टेबल के हिसाब से रुपरेखा बनानी चाहिए । आपको सूर्यदेव को लालफूल , लाल चन्दन , चावल से मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए . आप का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आप को प्रत्येक काम बहुत सोच समझकर करने की आवश्यकता हैं जल्दबाजी में कोई काम न करें. पैसों की स्थिति की चिंता करनी होगी. आपका फालतू खर्चा हो सकता है. नौकरी और बिजनेस में किसी बात को लेकर उलझनें बढ़ सकती हैं. पैसों के मामलों में सावधानी रखनी होगी. सेहत को लेकर लापरवाही न करें. आज आप दोस्तों और परिवार की जरूरतों में फंस सकते हैं. आहार का विशेष ध्यान रखें पेट मे जलन , गैस , मरोड़ जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज छात्रों के लिए जबरदस्त उत्साह वाला दिन हैं सफलता मिलना तय हैं पुरस्कृत होंगे दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, आपको भविष्य के लिए पैसे जमा करने चाहिए, नहीं तो आगे आप मुश्किल में पड़ सकते हैं. आज सामाजिक प्रसंग में समय देना पडेगा आनंद का एहसास होगा धार्मिक यात्रा का भी योग है. आप थोड़े चंचल रहेंगे. माता का सुख मिल सकता है. आज कार्यस्थल पर तनाव हो सकता हैं विवाद से दूरी बनाए रखें

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

पुरानी बातो को छोडकर आगे मिलने वाली सफलताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए किसी भी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस करना उचित नही हैं अत: सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें. निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं. बेहतर होगा आप अपने जीवनसाथी की सोच को समझने का प्रयास करें. खान–पान पर भी संयम रखें. तन–मन दोनो तंदरुस्त रहेंगें। बच्चों की पढाई पर ध्यान देना होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

छात्र अगर कोर्स मे फेरबदल करना चाह रहें तो समय अनुकूल हैं आप निर्णय ले सकते हैं पढ़ाई को पूरा इंज्वॉय करेंगे. कठिन विषयों को दूसरे तरीके से समझने की कोशिश करेंगे. आपकी कोशिशें सफल होंगी. अगर आज कारोबार मे आपको कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है. अगर आप घर के किसी फंक्शन के लिये कपड़े खरीदना चाहते हैं, तो आज खरीद सकते हैं. दिन अच्छा रहेगा. परिवार में सब लोग आपसे खुश रहेंगे. आप बच्चों के किसी कार्य में उनकी मदद कर सकते हैं.पीपल मे जलदूध चढाए दीप प्रज्वलित करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

नौकरी और बिजनेस में लाभ की संभावना बन रही है. आपके लिए दिन अच्छा रहेगा. विशेष लाभ व उन्नति के लिए आज आपको कुछ ज्यादा ही कोशिशें करनी पड़ सकती है, लेकिन आप सफल भी हो सकते हैं. आपके किए गए काम किस्मत की मदद से पूरे हो सकते हैं. अपनेफायदे की चिंता जरूर करें. दूसरों को नाराज किए बिना चतुराई से काम करें.दाम्पत्य जीवन को सुखी रखने के लिए आज अपना पैसा कही पर इन्वेस्ट करना पड सकता हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आप के मित्र आप का कोई काम कर सकते हैं आप चिन्ता मुक्त होंगे नयी जिम्मेदारी भी मिल सकती हैं सेहत के लिए आज का दिन सामान्य रह सकता है. गुस्से का उफ़ान रोक पाना बहुत मुश्किल है लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें. आज परिश्रम की अपेक्षा कम फल मिलेगा फिर भी कार्य के प्रति आप की निष्ठा में कमी नहीं आ पाएगी. नयी प्रॉपर्टी खरीदने की सम्भावना है. आर्थिक समृद्धि तभी संभव है जब आप जीवन में संयम रखने की जरूरत हैं ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज नये कारोबारी रिश्ते बनेंगे साझेदारी का काम भी लाभ देगा निवेश का हिसाब से माहौल अनुकूल हैं पूर्व के चले आ रहे प्रेम सम्बन्ध और परिपक्व हो सकते हैं. कुछ जातकों के जीवन में प्रेम आज दस्तक दे सकता है. किसी बात को लेकर पारिवारिक संबंधों में खटास आ सकती है. बच्चे आप को कोई खुशखबरी दे सकते हैं स्वास्थ्य बढीया रहेगा गरीब असहाय व्यक्ति को अन्नदान करें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

अपनी दिनचर्या मे आप को फेरबदल करने की जरुरत है. आहार बहुत ही सोचसमझकर लेना होगा । आपकी सेहत में कुछ गड़बड़ हो सकती है. बिजनेस में कोई फैसला लेने में आपको परेशानी महसूस हो सकती है. कोई दोस्त आपकी मदद कर सकता है. परिवार में स्थिति ठीक रहेगी. पहले से चल रहा कोई विवाद दूर होगा. शिक्षक आप का पूरा सहयोग करेंगे बस छात्रों को अपने एग्जाम पर ध्यान देने की जरूरत है. कार्तिक स्वामी का मंत्र जप करें परिणाम अच्छे होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज बेरोजगारी दूर होगी आर्थिक तंगी खत्म होगी. इनकम और खर्चा बराबर रहेगा. कार्यस्थल पर ओवरटाइम करना पड सकता हैं और अधिकारियों से सहयोग भी मिलेगा. कार्यक्षेत्र में आप पूरी ताकत से काम निपटा लेंगे. आर्थिक तंगी खत्म हो सकती है. अचानक धन लाभ हो सकता है. अच्छे लोगों की संगति से फायदा हो सकता है. संतान से कोई अच्छी खबर मिल सकती हैं. कोशिशें चालू रखें समस्याएं खुदबखुद सुलझ जांएगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज अपनी वाणी में संयम रखने की जरूरत हैं किसी को भी अपशब्द बोलने से बचें । पड़ोसी से कुछ वाद–विवाद हो सकते हैं,आप अनुभव करेंगे कि आपका जीवन अधिक मजबूत हो रहा है. अपनी कंपनी से सम्बंधित कोई अहम फैसला आप को सोच समझकर लेना चाहिए आज नुकसान की सम्भावनाए हैं करियर कार्यक्षेत्र और बिजनेस में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना बन रही है. शिव स्तोत्र का स्तवन करें लाभ बनेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 07 नवंबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : षष्ठी रात्रि 12:37 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा प्रात: 11:47 तक
योग : धृति प्रात: 09:50 तक
करण : कौलव दोपहर 12:44 तक
चन्द्रराशि : धनु सायं 05:54 तक
सूर्योदय : 06:17, सूर्यास्त 05:42 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:07, सूर्यास्त 05:34 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : सूर्य षष्ठी

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन में बोले विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी

भारत और राजस्थान में महिलाएं पूरी तरह सुरक्षित

जयपुर, 06 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि भारत और राजस्थान में महिलाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

श्री देवनानी बुधवार को सिडनी (आस्ट्रेलिया) में आयोजित राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के 67वें सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत और राजस्थान में महिलाओं की सुदृढ़ता के लिये कई योजनायें संचालित की जा रही हैं। केन्द्र एवं राजस्थान राज्य सरकार महिलाओं के प्रति सभी प्रकार के भेदभाव और हिंसा को समाप्त करने के लिये प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने कहा कि भारत में प्रभावी कानून और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा केन्द्र एवं राज्यों में महिलाओं की सुदृढ़ता के लिये चलाई जा रही योजनाओं से लिंग आधारित हिंसा को खत्म करने और भेदभाव का मुकाबला करने के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिये सम्पूर्ण राष्ट्र में नया वातावरण बना है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित राष्ट्र और सुरक्षित राजस्थान के लिये केन्द्र एवं राजस्थान सरकार प्रत्येक दिन नये सिरे से नयी परिस्थितियों के अनुरूप नयी योजनाओं के साथ नये सिरे से महिला सुरक्षा का वातावरण बनाने का सफल प्रयास कर रही हैं।

श्री देवनानी ने कहा कि केन्द्र सरकार महिलाओं की सुरक्षा योजनायें प्रभावी बना रही हैं। इन योजनाओं से महिलायें लाभान्वित हो रही हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, नारी शक्ति वंदन योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, मिशन शक्ति योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, सिलाई मशीन योजना, महिला शक्ति केंद्र योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और महिला समृद्धि जैसी कई योजनाओं से भारत में महिलायें मजबूत और सुरक्षित हुई हैं। इन योजनाओं के बेहतर परिणाम समाज के सामने आ रहे हैं। ऐसी प्रभावशाली योजनाएँ लिंग आधारित भेदभाव और हिंसा को रोकने में सफल हुई है।

श्री देवनानी ने कहा कि एक सुरक्षित दुनिया प्रदान करने वाले सम्मेलनों के प्रति सभी राष्ट्र और राज्यों को अपनी प्रतिबद्धता को भी मजबूत करना होगा ताकि महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकारों से वंचित नहीं किया जा सके और अपराधियों के प्रति अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

इसके लिये सभी को एकजुट होकर भेदभावपूर्ण लिंग आधारित हिंसा को रोकने के लिए सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। उन्होंने राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सम्मेलन में दिये अपने सम्बोधन में कहा कि कृत्रिम बुद्धिमता से विधायी मण्डलों को नियमित कार्यों को संचालित करने और जटिल डेटा के विश्लेषण करने के नये अवसर मिले हैं। राजस्थान विधानसभा में सदन की कार्यवाही का सजीव प्रसारण किया जा रहा है। ई–विधान के माध्यम से विधानसभा की सभी प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इससे विधानसभा के सभी कार्य कागजविहीन हो जायेंगे। विधायी मण्डलों के लिये यह नवाचार है।

श्री देवनानी ने कहा कि राज्य विधानसभा के लिये राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के मानक, मानकीकरण और दिशानिर्देश महत्वपूर्ण साबित हो रहे हैं। इनसे निष्पक्ष प्रक्रियाओं और प्रक्रियात्मक परिणामों के मूल सिद्धांतों के पालन में सहयोग मिल रहा है। लोकतांत्रिक जीवन की गुणवत्ता बनाये रखने और सामूहिक रूप से सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों का विश्वास सुदृढ़ हो रहा है।

भजनलाल सरकार की पहली वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को दी जाएंगी बड़ी सौगातें

जयपुर, 06 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि उनकी सरकार आपणो अग्रणी राजस्थान की दिशा में निरंतर बढ़ते हुए अपनी पहली वर्षगांठ पर प्रदेशवासियों को कई सौगातें देकर उनका सशक्तीकरण करेगी।

श्री शर्मा ने कहा कि इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा नवाचार एवं कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों एवं मजदूरों सहित विभिन्न वर्गों के कल्याण के लिए दूरगामी कार्य किए जाएंगे। उन्होंने बुधवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक में कहा कि दिसम्बर माह में वर्षगांठ के अवसर पर भवन एवं अन्य संनिर्माण से जुड़े 1.5 लाख श्रमिकों को 150 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित की जाएगी। साथ ही दो हजार दिव्यांगों को स्कूटी वितरित की जाएगी और प्रत्येक जिले में कैम्प लगाकर 10 हजार नि:शक्तजनों को सहायक सामग्री व सहायता उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पालनहार योजना के अंतर्गत लगभग 5 लाख बच्चों को 150 करोड़ रुपये की राशि हस्तांतरित भी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाते हुए राज्य सरकार पहली वर्षगांठ पर प्रदेश में एक लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाएगी। इससे महिलाओं की उद्यमशीलता बढ़ेगी और वे विकसित राजस्थान के लक्ष्य में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सकेंगी। साथ ही, राज्य सरकार 10 हजार स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड और कम्यूनिटी इन्–वेस्टमेंट फंड से आर्थिक सहायता जारी करेगी। उन्होंने कहा कि लगभग 45 लाख स्वयं सहायता समूह सदस्यों को आर्थिक सम्बल देने के क्रम में राजसखी पोर्टल की शुरूआत भी की जाएगी। इन सभी नवाचारों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से महिलाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर सृजित हो सकेंगे।

श्री शर्मा ने कहा कि अन्नदाताओं के समग्र विकास के लिए कृषि क्षेत्र में डिजिटल प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस दिशा में वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर राजस्व विभाग द्वारा नौ हजार पटवारियों को टैबलेट वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सीकर जिले में कैम्प लगाकर एग्रीस्टैक का शुभारम्भ कर किसानों को गिरदावरी सहित अन्य डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त सीमाज्ञान एप्लिकेशन और सहमति विभाजन एवं नामांतरण की ऑनलाइन सुविधा भी प्रारम्भ की जाएगी।

खानों पर छाए संकट से केन्द्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार की खुली पोल : जूली

जयपुर, 06 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा है कि प्रदेश की खानों पर छाए संकट से केन्द्र एवं राज्य की कथित डबल इंजन सरकार की पोल खुल गई है। श्री जूली ने अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 23 हजार खानें बंद होने और इससे जुड़े 15 लाख लोगों के रोजगार छिनने की स्थिति के लिए ये दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं। आठ नवंबर से इन खानों पर स्वत: ताले लग जायेंगे। जिसके लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जिम्मेदार होंगे।उन्होंने कहा कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने प्रदेश की 23 हजार खानों के एनवायरमेंट क्लियरेंस की एनओसी के लिए जारी करने के लिए सात नवंबर की अंतिम तिथि घोषित कर रखी है लेकिन प्रदेश में राज्यस्तरीय पर्यावरण कमेटी नहीं होने से यह काम अटक गया है। राज्य सरकार ने

नयी समिति के गठन के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय को प्रस्ताव भेज रखा है लेकिन उसने अभी तक इस समिति के गठन की स्वीकृति नहीं दी है। एनजीटी ने सात नवंबर की अंतिम तिथि को बढ़ाये जाने से भी इंकार कर दिया है।श्री जूली ने कहा कि अगर केन्द्र एवं राज्य सरकार में इतने अहम मसले पर भी समन्वय नहीं है तो फिर डबल इंजन सरकार के क्या मायने हैं। यह शब्द लोगों को लुभाने के लिए भाजपा का सिर्फ़ एक जुमला भर है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 35 हजार खानें हैं। इसमें माइनर मिनरल और क्वारी लाइसेंस धारकों की 23 हजार खानें बंद होने की नौबत के लिए राज्य सरकार की उदासीनता जिम्मेदार है। छह महीने पहले भी प्रदेश में यह स्थिति बनी थी लेकिन तब यह अवधि आगे बढ़ गयी थी मगर पिछले छह महीने में राज्य सरकार ने 12 हजार आवेदकों में से सिर्फ़ एक हजार आवेदकों को एनओसी जारी की गई और अक्टूबर महीने में राज्यस्तरीय पर्यावरण कमेटी का कार्यकाल पूरा हो गया। वहीं अन्य बारह हजार खान मालिक तो आवेदन करने से भी वंचित रहे और अब नई कमेटी के लिए केन्द्रीय पर्यावरण मंत्रालय अधिसूचना जारी नहीं कर रहा है। श्री जूली ने कहा कि खनिज अर्थव्यवस्था प्रदेश के उद्योग एवं व्यापार जगत की धुरी है। एक तरफ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राइजिंग राजस्थान को लेकर विदेशी निवेश के लंबे–चौड़े दावे कर रहे हैं वहीं प्रदेश में 23 हजार खानों के बंद होने और 15 लाख लोगों की रोजी–रोटी पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

दो लाख योग्य आवेदकों को 100–100 वर्ग गज के भूखंड देगी राज्य सरकार : सैनी

चंडीगढ़, 06 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार जल्द ही मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत आवासीय भूमि से वंचित दो लाख योग्य प्रार्थियों को 100–100 वर्ग गज के भूखंड की सौगात देगी, जिसके लिये आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के अधिकारियों को निर्देश दिये जा चुके हैं।इस योजना के अंतर्गत प्रदेश में पांच लाख लोगों ने भूखंड के लिये आवेदन किया था। इन सभी योग्य लाभार्थियों को अलग–अलग चरणों में 100–100 वर्ग गज के भूखंड दिए जायेंगे। श्री सैनी ने बुधवार को जिला कुरुक्षेत्र के लाडवा विधानसभा क्षेत्र में गांव उमरी, मथाना, दबखेडा, वडैचपुर और छलौंदी में धन्यवादी दौरे को लेकर आयोजित कार्यक्रमों में बोल रहे थे। सभी गांवों में मुख्यमंत्री के आगमन पर ग्रामीणों ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। अनेक स्थानों पर मुख्यमंत्री को सम्मान सूचक पगड़ी पहनाकर तथा फूल मालाओं से उनका अभिनंदन किया। उन्होंने ग्राम पंचायत उमरी, मथाना, दबखेडा, वडैचपुर और छलौंदी की सभी मांगों को पूरा किया और गांव मथाना, दबखेडा, वडैचपुर और छलौंदी को 21–21 लाख रुपये अनुदान देने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि महिलाओं को 2100 रुपये की राशि देने के अपने चुनावी वायदे को पूरा करने की दिशा में काम करते हुए अधिकारियों को व्यवस्था बनाने के आदेश दिये गये हैं और शीघ्र ही प्रदेश की महिलाओं को यह सौगात दी जायेगी। उन्होंने गांव दबखेडा में बड़े सामुदायिक केन्द्र की सौगात देने के साथ–साथ पिछड़ा वर्ग चौपाल के नवीनीकरण की भी मंजूरी दी। उन्होंने ग्रामवासियों को हाथ जोड़कर प्रदेश में तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने पर आभार व्यक्त किया।

हरियाणा पुलिस के डॉग स्क्वाड में 27 कुत्ते और शामिल

चंडीगढ़, 06 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के डॉग स्कायड में 27 और कुत्तों को शामिल किया गया है, जिसके बाद इनकी संख्या 36 से बढ़कर 63 हो गई है।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के अनुसार इन 63 में से पांच कुत्ते हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो में तथा 58 अन्य जिलों में तैनात हैं। इनमें तीन तरह के कुत्ते तैनात किये जाते हैं, जिनमें एक श्रेणी चोरी, हत्या इत्यादि मामलों में जांच अधिकारियों की मदद कर वाले कुत्तों की, दूसरी श्रेणी वीआईपी सुरक्षा और विभिन्न स्थलों पर बम/ विस्फोटकों की जांच के लिये इस्तेमाल किये जाने वाले कुत्तों की है और तीसरी श्रेणी मादक पदार्थों को सूंघने वाले कुत्तों की हो है।

श्री कपूर के अनुसार इन्हें प्रशिक्षित किया जाता है और डॉग स्काड की मदद से पुलिस ने इस साल जनवरी से अब तक 24 मुकदमों को सुलझाने में मदद मिली है। इसके अलावा डॉग स्कवायड की मदद से 24 किलो 450 ग्राम गांजा, 17.18 ग्राम हेरोइन, 42.45 ग्राम स्मैक, 10 किलो 572 ग्राम डोडा पोस्त तथा 62 ग्राम चरस की रिकवरी की गई है।

भाजपा का तीन दिवसीय सदस्यता अभियान आठ नवंबर से

चंडीगढ़, 06 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश में 50 लाख सदस्य बनाने के लिये आठ नवंबर से अपना तीन दिवसीय सघन सदस्यता अभियान शुरू करेगी।इस अभियान की शुरुआत मुख्यमंत्री नायब सैनी के सदस्यता ग्रहण से होगी। आठ नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे मुख्यमंत्री आवास पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित होगा, जहां नायब सैनी भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर सघन सदस्यता अभियान की शुरुआत करेंगे। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, राष्ट्रीय महासचिव दुष्यंत गौतम, अभियान के संयोजक वेदपाल एडवोकेट सहित अनेक नेता मौजूद रहेंगे। हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली ने बुधवार को बताया कि प्रदेश भर में जिला स्तर और मंडल स्तर पर लगभग 350 से अधिक कार्यशालायें आयोजित की जा चुकी हैं और अब तक चार लाख से अधिक सदस्य प्रदेश भर में बनाये जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में भाजपा का सदस्य बनने के लिये लोगों में जबरदस्त उत्साह है और कार्यकर्ता भी पूरी लगन से अपने–अपने बूथों पर सदस्य बनाने में जुटे हैं।

परिवहन मंत्री ने बिना नंबर के वाहन पर सख्त कारवाई करने के दिए निर्देश

चंडीगढ़, 06 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने परिवहन विभाग के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि प्रदेश में बिना नम्बर के कोई भी वाहन सड़क पर नहीं होना चाहिए, यदि ऐसा कोई भी वाहन पाया जाता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। श्री विज ने मंगलवार को यहां परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये हैं कि सभी महाप्रबंधक (जीएम) प्रतिदिन बस स्टैंड चेक करें और प्रदेश में बिना परमिट के चलने वाहनों पर सख्त कार्यवाही की जाये। उन्होंने यह भी कहा कि बसो के आने–जाने, समय इत्यादि की व्यवस्था को लेकर हर तरह से निगरानी की जाये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश के सभी बस स्टैडों पर पीने के पानी की व्यवस्था, साफ–सफाई, यात्रियों के बैठने के लिये बेंच, लाइटें तथा पंखों सहित मेंटीनेस के कार्यो को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाये। इसके साथ ही वहां पर खाने–पीने की वस्तुओं को प्रतिदिन चेक कराया जाये।

श्री विज ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिये कि जिस प्रकार से रेलवे ने अपने यात्रियों के लिए कैंटिन बनाई हुई है, इसी तर्ज पर प्रदेश के बस स्टैडों पर कैंटीन बनाने के लिए संभावनाएं तलाशी जाए ताकि बस स्टैंड पर आने वाले यात्रियो के लिए कैंटीन को खोलकर बेहतर व्यवस्थाएं दी जा सकें। उन्होंने यह भी निदेश दिये है कि प्रदेश की हर सड़क पर स्पीड बोर्ड लगे होने चाहिए कि किस सड़क की कितनी स्पीड है और साथ ही दुर्घटना होने वाले स्थानों को चिन्हित किया जाये। इसका मुख्य उद्देश्य प्रदेश में प्रतिवर्ष होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकना और कम करना है।

श्री विज ने अधिकारियों के निर्देश दिये कि परिवहन विभाग के कर्मचारियों की पगार समय पर मिले। इसके साथ ही विभाग में किसी भी कर्मचारी और अधिकारी की पदोन्नति नहीं रुकनी चाहिये।

उन्होंने कहा कि वाहनों की फिटनेस के लिये नयी तकनीक के उपकरण खरीदे जायें। उन्होंने बस चालक और परिचालक की फिटनेस के लिये एक पोलिसी तैयार करने के निर्देश दिये।

सिद्धरामैया के खिलाफ लोकायुक्त जांच मैच फिक्सिंग के अलावा कुछ नहीं: आर अशोक

उनसे उनके अधीन काम करने वाले अधिकारी द्वारा पूछताछ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने आरोप लगाया है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के खिलाफ लोकायुक्त जांच मैच फिक्सिंग के अलावा कुछ नहीं है। पार्टी ने इस संबंध में सीएम सिद्धरामैया द्वारा जारी यात्रा योजना पर सवाल उठाए हैं। विधानसभा और विधान परिषद में विपक्ष के नेता आर. अशोक और चलवाडी नारायणस्वामी ने इस संबंध में सवाल उठाए हैं और जांच को स्क्रिप्टेड बताया है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने बेंगलूरु में भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बताया कि सीएम सिद्धरामैया द्वारा जारी यात्रा योजना में कहा गया है कि सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच वह लोकायुक्त जांच में शामिल होंगे और सड़क मार्ग से चन्नपट्टना निर्वाचन क्षेत्र पहुंचेंगे। सीएम सिद्धरामैया को कैसे पता कि पूछताछ और जांच दो घंटे में खत्म हो जाएगी? अशोक ने कहा सीएम लोकायुक्त जांच का सामना कर रहे हैं। हम इस पर शर्मिंदा हैं। सीएम सिद्धरामैया ने दावा किया कि उनका राजनीतिक जीवन एक खुली किताब है और आज वे जांच अधिकारी के सामने बैठे हैं। उनसे उनके अधीन काम करने वाले अधिकारी द्वारा पूछताछ की जा रही है। क्या यह जांच मैच फिक्सिंग है? मंगलवार रात को जारी उनकी यात्रा योजना में कहा गया है कि वे कांग्रेस उम्मीदवार के लिए प्रचार करने के लिए चन्नपट्टना पहुंचेंगे। हमने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा 48 घंटे और 60 घंटे तक की गई जांच और छापेमारी देखी है। क्या लोकायुक्त द्वारा जांच का समय पहले से तय किया गया था? क्या सीएम सिद्धरामैया ने लोकायुक्त अधिकारियों से कहा है कि वे इस विशेष समय पर जांच के लिए उपस्थित होंगे और पूछताछ एक निश्चित समय पर समाप्त होगी? यह कैसे संभव है? क्या आपने कभी इस तरह की जांच देखी है? क्या किसी ने हत्या और भ्रष्टाचार के ऐसे मामले देखे हैं जिसमें तीसरे और चौथे आरोपी को मुख्य आरोपी से पहले बुलाया गया हो? अधिकारी खुद दूसरे आरोपी (सीएम सिद्धरामैया की पत्नी) के पास गए। जैसा कि याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा सीबीआई जांच की अपील कर रहे हैं, लोकायुक्त ने नोटिस जारी किया है। पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा ने प्रतिक्रिया व्यक्त की है कि लोकायुक्त जांच से कोई नतीजा नहीं निकलेगा। सीएम सिद्धरामैया खुद को बेदाग साबित करने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। यह सिर्फ दिखावा है। हम सभी जानते हैं कि क्या होने वाला है और लोकायुक्त उनके खिलाफ कुछ नहीं करेंगे। अगर सीएम सिद्धरामैया ईमानदार होने का दावा करते हैं, तो उन्हें मामले को सीबीआई को सौंप देना चाहिए। उन्होंने कहा सीएम सिद्धरामैया के भ्रष्टाचार में लिप्त होने की बात दुनिया जानती है। मैं उनसे मामले को सीबीआई को सौंपने का आग्रह करता हूं। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने आश्चर्य जताया कि मुडा मामले की जांच दो घंटे में कैसे समाप्त हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया वह वर्तमान मुख्यमंत्री के रूप में लोकायुक्त जांच का सामना करने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। इससे न तो उन्हें और न ही राज्य को सम्मान मिलेगा। कर्मचारी अपने मालिक से कैसे सवाल कर सकते हैं? क्या निष्पक्ष रिपोर्ट की कोई संभावना है? मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस्तीफा दे देना चाहिए था। उनकी यात्रा योजना के अनुसार वह सुबह 9.30 बजे मैसूरु पहुंचेंगे और दोपहर 12 बजे तक सड़क मार्ग से चन्नपट्टना पहुंचेंगे। क्या मुख्यमंत्री की यात्रा योजना के अनुसार प्रश्न तैयार किए गए हैं? उन्होंने कहा कि सीबीआई को जांच करनी होगी और लोकायुक्त जांच में सच्चाई सामने नहीं आएगी। यह सब नाटक है। नारायणस्वामी ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने पूछताछ की स्क्रिप्ट दी है।

नीतीश सरकार के अधिकारी ने दिखाया भाजपा सांसद को आईना, कहा–

जिस जगह का आपने विरोध किया, वहीं बन रहा एम्स

दरभंगा (एजेंसियां)।

बिहार के दूसरे एम्स का शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 नवम्बर को करने जा रहे हैं। इसकी तैयारी की जायजा लेने के लिए बिहार सरकार के अधिकारियों का दौरा शुरू हो गया है। उसी कड़ी में बुधवार को बिहार सरकार के स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत, स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त स्वास्थ्य सचिव संजय सिंह व डायरेक्टर डॉक्टर माधवानंद कार, दरभंगा के भाजपा सांसद गोपाल जी ठाकुर सहित जिला के तमाम आला अधिकारी के साथ शोभन स्थित एम्स निर्माण स्थल का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बातों बातों में ही स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव प्रत्यय अमृत ने भाजपा सांसद गोपाल जी ठाकुर को आईना दिखाते हुए कहा कि मैं शुरू से ही शोभन स्थित एम्स निर्माण स्थल का समर्थन कर रहा था। लेकिन, आप ही लगातार इस स्थल का विरोध कर रहे थे। और, दरभंगा मेडिकल कॉलेज अस्पताल परिसर में एम्स निर्माण की बात करते थे। जैसे ही प्रत्यय अमृत ने यह बात कही वैसे ही वहां मौजूद लोगों ने मजा लेते हुए खूब ठहाके लगाए। उस वक्त सांसद ना चाहते हुए भी साथी का साथ देते हुए ठहाके लगाये।

बता दें कि बिहार के दूसरे एम्स का निर्माण दरभंगा जिला के शोभन बाईपास में 1261 करोड़ रुपये की लागत से होना है। दरभंगा एम्स में डिजाइन के अनुसार 750 बेड होंगे। इसके लिए राज्य सरकार ने 187 एकड़ जमीन का ग्रीन फील्ड दे दिया है। तथा दरभंगा एम्स निर्माण की जिम्मेदारी एचएससीसी कंपनी को दिया गया। उसी का शिलान्यास करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी 13 नवम्बर को करने आ रहे हैं।

सड़क किनारे झाड़ी में लटका मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

पटना (एजेंसियां)।

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा मनाने के बीच बुधवार को पटना के फतुहा क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सड़क किनारे झाड़ियों में एक युवक का शव पेड़ से लटकता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। जैसे ही लोगों ने शव को देखा, उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची फतुहा थाना पुलिस ने शव को पेड़ से उतारा और आगे की कार्रवाई के लिए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फतुहा थाना अध्यक्ष रूपक कुमार अंबुज ने बताया कि शव की स्थिति को देखकर ऐसा लगता है कि यह घटना कई दिन पहले की हो सकती है। शव की पहचान फिलहाल नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस पहचान की कोशिश कर रही है। पुलिस का मानना है कि यह हत्या का मामला हो सकता है, हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो पाएगी।

इस घटना ने छठ पर्व के बीच इलाके में भय का माहौल पैदा कर दिया है। छठ पर्व के दौरान लोग जहां पूजा की तैयारी में जुटे हुए थे। वहीं, इस घटना ने लोगों के बीच चिंता और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। पुलिस द्वारा मामले की जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय लोग भी इस घटना से स्तब्ध हैं और हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस मृतक की पहचान के साथ-साथ घटना के संभावित कारणों की जांच में जुटी है, ताकि मामले की सच्चाई सामने आ सके और अपराधी को पकड़ा जा सके।

बिहार उपचुनाव : इमामगंज में मांझी का पतवार चलाना आसान नहीं, क्या डूब जाएगी जीतन राम की बहू की नाव?

गया (एजेंसियां)।

बिहार की इमामगंज विधानसभा सीट पर उपचुनाव का माहौल गरमा गया है। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी 'हम' ने अपनी बहू दीपा मांझी को मैदान में उतारा है। राजद से रौशन मांझी और जन सुराज से जितेन्द्र कुमार चुनाव लड़ रहे हैं। 13 नवंबर को वोटिंग होगी। गया जिले का इमामगंज विधानसभा क्षेत्र में इस बार का उपचुनाव बेहद रोमांचक होने वाला है। यहां मुकाबला सिर्फ़ तीन उम्मीदवारों के बीच है, लेकिन राजनीतिक समीकरण बेहद दिलचस्प हैं। 2015 से इस सीट पर जीतन राम मांझी का कब्ज़ा रहा है। इस बार उन्होंने अपनी बहू दीपा मांझी को मैदान में उतारा है। वहीं राजद ने रौशन मांझी और जन सुराज पार्टी ने जितेन्द्र कुमार पर दांव लगाया है।

गया जिले की इमामगंज विधानसभा औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र में आता है। इसका फायदा राजद को मिल सकता है। राजद के रौशन मांझी इसी क्षेत्र के रहने वाले हैं और उन्हें स्थानीय मुद्दों की अच्छी समझ है। वे पहले भी चुनाव लड़ चुके हैं। इस बार इनका दमखम राजद के क्षेत्रीय सांसद अभय कुशवाहा को लेकर ज्यादा मजबूत दिखता है। उन्हें राजद सांसद अभय कुशवाहा का पूरा समर्थन हासिल है।

इमामगंज सीट से प्रशांत किशोर ने जन सुराज का प्रत्याशी मैदान में उतारा है।

जन सुराज पार्टी पहली बार कोई चुनाव लड़ रही है। पार्टी उम्मीदवार जितेन्द्र कुमार बांके बाजार से ताल्लुक रखते हैं। वे एक जाने-माने ग्रामीण चिकित्सक हैं और सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहते हैं। जन सुराज के प्रत्याशी के लिए प्रशांत किशोर खुद रणनीति बनाने में लगे हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं का प्रयास है कि हर घर में दस्तक देकर जितेंद्र कुमार के बारे में बताएं और उनके लिए समर्थन हासिल करें। ग्रामीण क्षेत्र में जितेंद्र की पहचान बहुत हद तक जन सुराज के लिए फायदेमंद हो सकती है।

बात करें चुनाव प्रचार की तो 'हम' पार्टी के लिए केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, बिहार सरकार के मंत्री संतोष कुमार सुमन समेत कई दिग्गज नेता प्रचार कर रहे हैं। इसके अलावा पार्टी को जेडीयू और बीजेपी का भी समर्थन हासिल है। एनडीए के नेता पिछले आठ साल में क्षेत्र में किए गए विकास कार्य का लेखा-जोखा वोटर से सामने रख रहे हैं। इसी के भरोसे मांझी अपनी नाव को पार लगाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं, राजद के स्टार प्रचारक तेजस्वी यादव और उदय नारायण चौधरी ने भी कई रैलियां और सभाएं की हैं। जन सुराज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रशांत किशोर खुद लोगों से जनसंपर्क कर रहे हैं।

इमामगंज विधानसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। यहां मांझी समाज के वोटर निर्णायक भूमिका में होते हैं। इसके बाद दांगी/कोयरी और यादव समाज का नंबर आता है। देखना होगा कि मुस्लिम वोट बैंक किसके पाले में जाता है। इमामगंज विधानसभा क्षेत्र में कुल 3,15,161 वोटर हैं। इनमें 1,63,710 पुरुष और 1,51,442 महिला वोटर शामिल हैं।

नदी से बाइक के साथ युवक का शव बरामद

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा जिले के बिन्द थानाक्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में युवक की नदी में गिरने से मौत हो गई। यह घटना ब्रह्मस्थान मदनचक खंधा इलाके में घटी। जहां शेखपुरा जिला के बरबीघा थानाक्षेत्र के खोजागाछी निवासी मनीष कुमार (34) की बाइक अनियंत्रित होकर 30 फीट नीचे पानी से भरी गोइठवा नदी के सहायक भाग में गिर गई। हादसे में मनीष कुमार की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, मनीष कुमार सूरत में मजदूरी करते थे और छठ पर्व के मौके पर अपने गांव लौटे थे। अपने बच्चों का मुंडन संस्कार कराने के लिए वे गांव आए थे। वह मंगलवार की शाम अपनी ससुराल पटना जिले के बेलछी थानाक्षेत्र के मसथु गांव जा रहे थे।

बताया जा रहा है कि बेनार-सकसोहरा मुख्य मार्ग पर दो मुहा पुल के पास, घुमावदार सड़क पर बाइक अनियंत्रित हो गई और सीधे नदी में जा गिरी। स्थानीय लोगों का मानना है कि तेज रफ्तार और मोड़ के कारण मनीष अपनी बाइक पर नियंत्रण खो बैठे, जिससे यह हादसा हुआ।

गांव के लोग जब बुधवार की सुबह शौच के लिए नदी किनारे पहुंचे, तो उन्होंने पानी में एक शव तैरते हुए देखा। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद बिन्द थाना अध्यक्ष रोशन कुमार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बाहर निकाला। शव के पास ही युवक की बाइक भी मिली, जिससे उसकी पहचान की पुष्टि हुई। पुलिस ने बाइक के नंबर के आधार पर मनीष कुमार के परिवार को सूचित किया।

बिन्द थाना अध्यक्ष रोशन कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि हादसे की पूरी जांच की जा रही है, ताकि घटना के कारणों का सही-सही पता चल सके। इस घटना से मनीष के परिवार में गम का माहौल है। एक बेटे और एक बेटी के पिता मनीष का यूं असमय जाना उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा आघात है। छठ पर्व के शुभ अवसर पर इस दुखद घटना से गांव में मातम का माहौल छा गया है और ग्रामीण भी शोक संतप्त हैं।

सोशल मीडिया से दोस्ती कर लिया लाखों का कर्ज, मांगने पर युवक से किया यौनाचार

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में सोशल मीडिया से हुई दोस्ती एक युवक के लिए परेशानी का सबब बन गई। युवक का आरोप है कि उसने फेसबुक के माध्यम से बने एक दोस्त को लाखों रुपये का कर्ज दिया, लेकिन जब उसने पैसे लौटाने के लिए दबाव बनाया तो आरोपी ने उसे धोखे से नशा देकर यौन शोषण किया। फिर इसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। इस घटना के बाद परेशान पीड़ित युवक ने नगर थाने में आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित युवक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि करीब चार साल पहले सीतामढ़ी जिले के मोइन उद्दीन गंजाली से उसकी फेसबुक पर जान-पहचान हुई थी। इसके बाद गंजाली ने पीड़ित के घर आने-जाने का सिलसिला शुरू किया और धीरे-धीरे उसने दोस्ती का फायदा उठाकर 7.76 लाख रुपये कर्ज के तौर पर उधार ले लिए। आरोपी ने रकम ब्याज सहित लौटाने का वादा किया और करीब 3.88 लाख रुपये लौटाए भी। लेकिन बाकी राशि मांगने पर वह बहाने बनाने लगा और लौटाने में टालमटोल करने लगा। 10 मई की रात को आरोपी मोइन उद्दीन गंजाली पीड़ित के घर आया। फिर पार्टी देने की बात कहकर उसे खाना और कोल्ड ड्रिंक में नशा देकर बेहोश कर दिया। जब पीड़ित को होश आया तो उसने अपने शरीर और गुप्तांग में दर्द महसूस किया। उसके बाद आरोपी ने अपने मोबाइल में उस घटना का वीडियो दिखाया और पैसे की मांग छोड़ने की धमकी दी। वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए गंजाली ने पीड़ित को चुप रहने पर मजबूर कर दिया।

पीड़ित ने बताया कि इसके बाद भी आरोपी उसे ब्लैकमेल करता रहा। 25 मई को आरोपी ने एक बार फिर उसे ब्लैकमेल कर यौनाचार किया। इसके अलावा, आरोपी अपने पांच अज्ञात साथियों के साथ पीड़ित के घर में घुसकर अलमारी से एक लाख रुपये नकदी भी ले गया।

छठ घाट बनाने के दौरान डूबने से किशोर की मौत, परिवार में छाया मातम

कोसी (एजेंसियां)।

मधेपुरा जिले में छठ पर्व की तैयारियों के दौरान एक हृदयविदारक घटना में एक 15 वर्षीय किशोर की नदी में डूबने से मौत हो गई। बुधवार को गौशाला घाट पर छठ घाट तैयार करते समय पैर फिसलने के कारण चंदन कुमार गहरे पानी में चला गया, जिससे उसकी जान चली गई। चंदन आदर्श नगर वार्ड आठ निवासी नंदकिशोर ठाकुर का बेटा था और तीन भाई-बहनों में सबसे छोटा था।

इस दुखद घटना के बाद चंदन के परिवार में छठ की खुशियां मातम में बदल गईं। घर का इकलौता बेटा होने के कारण चंदन के जाने से परिवार में गहरा शोक व्याप्त है। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है और स्थानीय लोग भी इस घटना से मर्माहत हैं। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर बताई जा रही है। इसे लेकर स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि दीपक कुमार ने प्रशासन से जल्द से जल्द मुआवजे की मांग की है।

जानकारी के मुताबिक, बुधवार की सुबह चंदन अपने दोस्तों के साथ गौशाला के पीछे नदी किनारे छठ घाट बनाने गया था। घाट तैयार करते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसके साथी ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन खुद भी पानी में जाने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने साथी को तो बचा लिया, लेकिन चंदन को नहीं बचा सके।

घटना की सूचना मिलते ही मधेपुरा पुलिस प्रशासन और गोताखोरों की टीम मौके पर पहुंची। फिर एक घंटे की तलाश के बाद चंदन को नदी से बाहर निकाला गया। उसे तुरंत मधेपुरा सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एएसपी प्रवेंद्र भारती ने बताया कि पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद नियमानुसार कार्रवाई शुरू कर दी है। इस दुर्घटना की खबर मिलते ही अस्पताल में लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोग इस घटना से शोकाकुल हैं।

स्थानीय वार्ड पार्षद प्रतिनिधि दीपक कुमार ने इस दुखद घटना के बाद प्रशासन से मांग की है कि मृतक के गरीब परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए। उन्होंने कहा कि चंदन का परिवार बहुत ही गरीब है और इस नुकसान की भरपाई करना मुश्किल है। हमें उम्मीद है कि प्रशासन इस परिवार को मदद पहुंचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगा।

इस हृदयविदारक घटना ने मधेपुरा में छठ महापर्व की खुशी में मातम का माहौल पैदा कर दिया है। स्थानीय लोग इस त्रासदी से मर्माहत हैं और प्रशासन से पीड़ित परिवार के लिए मदद की उम्मीद कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com